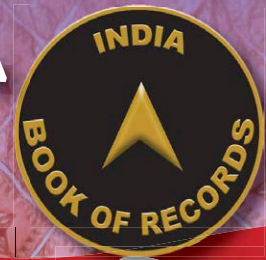


इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स



मासिक



गांव से एशिया कप विजय तक

INDIA
CRICKET

Course: Certification in Autism & ADHD Reversal (C.A.A.R)

Certified by



Training by



Course Highlights

Duration: 1 Month (Weekly-2 hrs)

Mode: 100% Online (Objective Test after each lecture)

Syllabus Overview

Module 1: Understanding Autism/ADHD - History, Causes & Diagnosis

Module 2: Science of Reversing Autism/ADHD

Module 3: Setting up Your Kitchen & Home in Accordance with C.A.N. Protocol

Module 4: Handling Common Health Emergencies (Seizure, Fever, etc.)

Course Fee: ₹8000

Material Kit

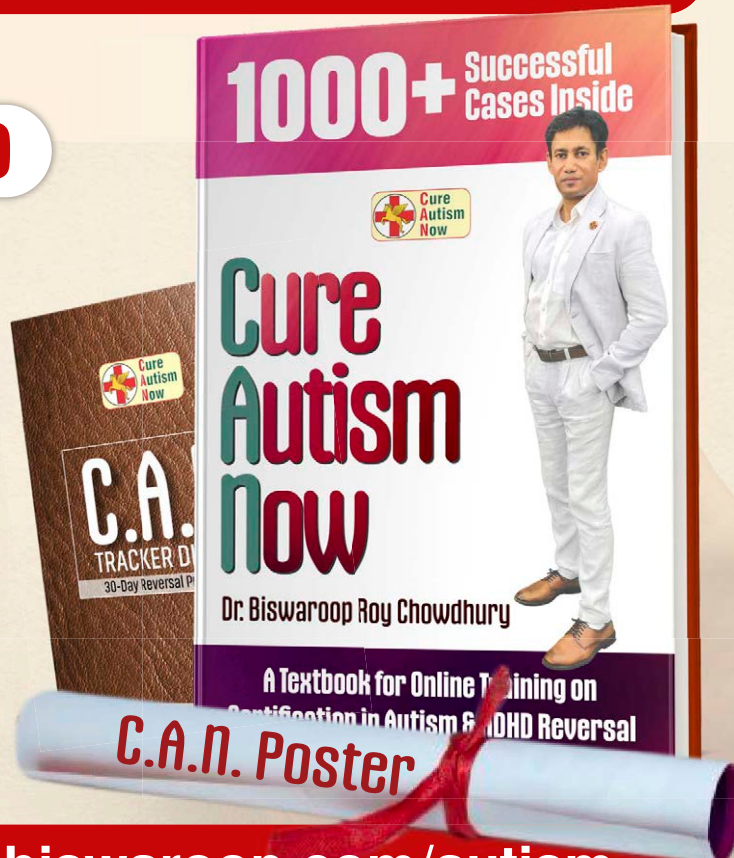
(C.A.N. Book, C.A.N. Tracker
Diary, C.A.N. Poster)



9312286540



9560979433

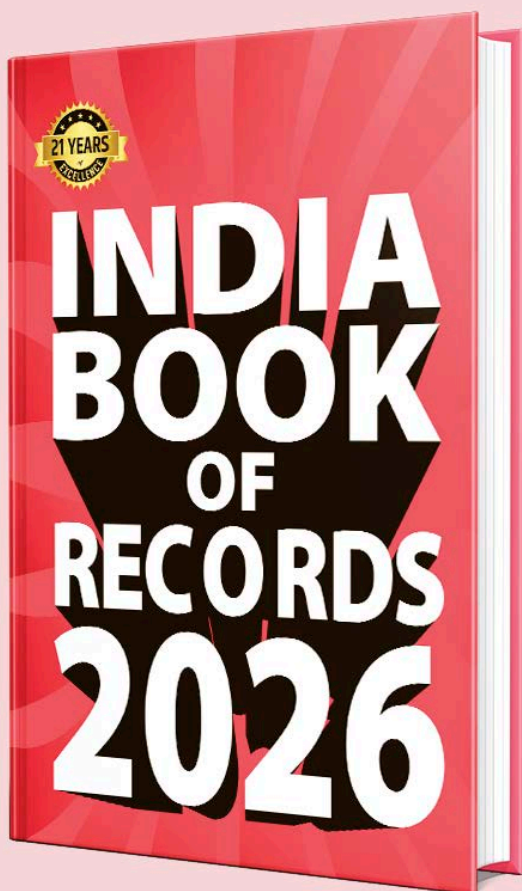


To register visit: www.biswaroop.com/autism

Extraordinary Feats...



...Extraordinary People



**For making or breaking a record, visit:
www.indiabookofrecords.in/apply**



India
Book of Records

413A, Sector-68, IMT,
Faridabad-121004 (Haryana)
Mob.: +91-99994 36779,
E-mail: ibr@indiabookofrecords.in
Web: www.indiabookofrecords.in

कवर स्टोरी

जानदार कोच शानदार जीत

गांव से निकलकर भारत की दिव्यांग क्रिकेट टीम को एशिया कप जिताने तक की, दीपक कम्बोज की कहानी संकल्प, अनुशासन और इस विश्वास को दिखाती है कि खेल के माध्यम से सीमाओं को ताकत में बदला जा सकता है।

1



स्टोरी



6

मंच पर मयूर नृत्य

हैदराबाद में 63 बच्चों ने 63 मिनट का समूह नृत्य प्रस्तुत किया। भारत के राष्ट्रीय पक्षी के 63 वर्षों को समर्पित यह प्रदर्शन संस्कृति, अनुशासन और प्रकृति का जीवंत संगम बना, जिसे इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने मान्यता दी।



9

आकाश की उड़ान

भारतीय सेना की टीम ने कश्मीर में उच्च ऊंचाई पर हैंग ग्लाइडिंग का एशिया स्तर का रिकॉर्ड बनाया। कौशल व संतुलन के इस एयरो-स्पोर्ट की यह उपलब्धि रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हासिल की गई।



12

थैलेसीमिया कार रैली

8 मार्च 2026 को 64 शहरों में निकली देशव्यापी कार रैली ने थैलेसीमिया पर जागरूकता फैलाई। इस रैली ने समुदायों को जोड़ा, स्क्रीनिंग को बढ़ावा दिया और प्रभावित परिवारों तक सही जानकारी पहुंचाने का प्रयास किया।



16

स्मार्ट बोर्डिंग का नया मानक

मलेशिया में 24 घंटे चलने वाली स्वचालित डॉग बोर्डिंग सुविधा ने पैट केयर का नया मॉडल प्रस्तुत किया। इस फैसिलिटी ने तकनीक, स्वच्छता और लचीली सुविधा के साथ एशिया स्तर पर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया।



18

सबसे बड़ा मिलेट पिज़्ज़ा

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी ने मिलेट आधारित विशाल पिज़्ज़ा बनाकर एक रिकॉर्ड स्थापित किया। इस पहल ने स्वस्थ आहार, टिकाऊ खाद्य प्रणाली और छात्रों-शिक्षकों के सहयोग से रचनात्मक पाक नवाचार को नई पहचान दी।

20 रीसाइक्लिंग का रिकॉर्ड

22 आयर्न के लिए राष्ट्रीय अभियान

24 जनभागीदारी से बड़ा प्रभाव

26 गणेश भोग का विशाल लहू

29 रोकथाम से बदली तस्वीर

30 लंबी ड्राइव का नया अध्याय

32 सोलह हजार फीट पर मोनोरेल

34 रेलवे पुल से मिली रफ्तार

36 पहियों पर सेना के चिकित्सक

40 विज्ञान चेतना का जनांदोलन

42 कब्ज पर खुला संवाद

44 पाचन स्वास्थ्य पर फोकस

46 स्क्रीनिंग बताएगी दिल का हाल

48 मेडिकल आउटरीच हुई डिजिटल

50 रिकॉर्ड्स

68 IBR एचीवर्स



संपादक डेस्क

प्रिय पाठकों,

इस माह की हमारी कवर स्टोरी समर्पण से बनी एक यात्रा पर है। दीपक कुमार कंबोज भारत की सबसे प्रेरक क्रिकेट जीतों में से एक के पीछे खड़े हैं। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम को एशिया कप 2015 का खिताब दिलाने का उनका काम प्रशंसनीय है। आईबीआर के साथ ही, हरियाणा के मुख्यमंत्री और स्थानीय प्रशासन ने भी उनकी सराहना की।

इसके अलावा, हैदराबाद में 63 युवा कलाकारों ने समन्वित मोर नृत्य के माध्यम से राष्ट्रीय पक्षी की गरिमा को जीवंत किया। आर्मी एडवेंचर नोडल सेंटर ने एरियल स्पोर्ट्स में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जहां ऊंचाई पर हैंग ग्लाइडर टेक-ऑफ दर्ज किया गया।

इंजीनियरिंग उत्कृष्टता तवांग में दिखाई दी, जहां भारतीय सेना ने 16,000 फीट ऊंचाई पर मोनोरेल चलाई, जिससे लॉजिस्टिक्स मजबूत हुए। जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के छात्रों ने एक विशाल मिलेट आधारित पिज़्ज़ा तैयार किया। देशभर में एक ऑल-वीमेन काफिले ने भुज से किबिथू तक यात्रा की, धारणाओं को चुनौती दी और लंबी दूरी के मार्गों पर आत्मविश्वास को मजबूत किया।

भारत से बाहर, मलेशिया में एक पूर्ण स्वचालित डॉग बोर्डिंग सिस्टम ने नवाचार का परिचय दिया, जो रोजमर्रा की सेवाओं में तकनीक की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। इस अंक की हर कहानी क्रियाशीलता और आगे बढ़ने की दिशा को दर्शाती है।

अपने विचार हमें लिखें: media@indiabookofrecords.in

Neeraj

नीरजा रॉय चौधरी
प्रबंध संपादक



आर एन आई नं. : HARENG/2010/32259

प्रबंध संपादक **नीरजा रॉय चौधरी**

संपादक **नरविजय यादव**

कॉपी एडिटर **सोनम गर्ग, राज किशोर गुप्ता**

डिजाइन एवं विन्यास **स्वपन बनिक, शंकर सिंह कोरंगा**

इमेज संकलन **मुस्कान सिंह, स्वाति त्यागी**

संकलन **मानसी सतीजा**

रिकॉर्ड्स प्रबंधन टीम **संगीता सिन्हा, नेहा त्यागी**

गुंजन काचरु, रीना सिंह खरे, इमैनुएल जॉब

समर्थन **मोहम्मद इकराम, जीत सिंह आईटी टीम शांतनु चौहान**
पदम सिंह राणा, कपिल अत्री, सुनील गोयल

सलाहकार बोर्ड

न्यायमूर्ति बी.जी. कोलसे पाटिल (पूर्व मुख्य न्यायाधीश, मुंबई उच्च न्यायालय)
डॉ. राज रूप फुलिया (सेवानिवृत्त आईएएस), (पूर्व प्रमुख सचिव, हरियाणा सरकार)
डॉ. प्रवीण कुमार (सेवानिवृत्त आईएएस) (पूर्व महानिदेशक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, हरियाणा सरकार)
डॉ. बिपिन कुमार (अध्यक्ष, विश्व हिंदी परिषद)
राकेश कुमार वर्मा (ब्लॉक ब्रेक-6 डिग्री), (एमईएस, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से सेवानिवृत्त)
सोमनाथ भारती (पूर्व कानून मंत्री, दिल्ली)

संपर्क करें:

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स

413ए, HSIIDC, सैक्टर-68, आईएमटी,
फरीदाबाद -121004, हरियाणा, भारत
मोबाइल नं: +91-9999436779
फोन नं: +91-129-2510534

ई-मेल: ibr@indiabookofrecords.in,
media@indiabookofrecords.in
abr@asiabookofrecords.com
वेबसाइट: www.indiabookofrecords.in
www.asiabookofrecords.com



हमारे सहयोगी

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स सेल्वारानी मुथैया
वियतनाम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स प्रो. होआंग क्वांग थुआन
विश्व रिकॉर्ड्स विश्वविद्यालय रचना शर्मा
इंडो वियतनाम मेडिकल बोर्ड गुएन होआंग अन्ह
नेपाल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स दीपक चन्द्र सेन
बंगलादेश बुक ऑफ रिकॉर्ड्स डॉ. गोविंद दास
इंडोनेशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स आस्मर सीमेस्ता सुशीलो
यू एस ए बुक ऑफ रिकॉर्ड्स डॉ. थेरेसा क्वाच

सलाहकार

आचार्य मनीष, डॉ. अनंत बिरादर, शिवानी अग्रवाल
सुरजीत सिंह, डॉ. प्रदीप भारद्वाज

निर्णायक मंडल / रिपोर्टर

आंध्र प्रदेश **दिलीप पात्रो, डॉ. सरला**
असम व उत्तर पूर्व **जितेंदर कुमार जैन**
छत्तीसगढ़ **किरण शर्मा, कृष्ण कुमार गुप्ता**
दिल्ली **मोहित वत्स, समीर दास, भानु प्रताप सिंह, रिची शर्मा**
गुजरात **नीलिमा छाजेड़, रितेश चानपुरा, दुष्यंत चतुर्वेदी**
हरियाणा **आशुतोष मित्तल, नरविजय यादव, संजय भोला**
हिमाचल प्रदेश **चितरंजन महंत**
झारखंड **प्राकृत कुमार सिंह**
कर्नाटक **हरीश आर, गिरीश बान्नी**
केरल **विवेक नायर, एस सागरराज, सैम जॉर्ज, एआर सागर**
प्रतीक जोशी
मध्य प्रदेश **अंतिम कुमार जैन**
महाराष्ट्र **बिस्वदीप रॉय चौधरी, डॉ. मनोज तत्वादी,**
डॉ. सुनिता धोते, रेखा सिंह, दिलीप माने, सीमा मणिकोथ
डॉ. चित्रा जैन, कश्मीरा शाह
पंजाब **आचार्य मनीष, डॉ. पंकज सितल, डॉ. सचिन खुर्द**
राजस्थान **भुवनेश मथुरिया, डॉ. विनोद शर्मा**
डॉ. राजा मूकीम
तमिलनाडु **विवेक नायर, कविता जैन**
तेलंगाना **वसुधा रानी, सुनीता आर्य**
त्रिपुरा **तपन दत्ता**
उत्तराखंड **विरेंदर सिंह**
उत्तर प्रदेश **विनोद कुमार सिंह, स्मिता सिंह, आनंद वेदांत**
नीति अग्निहोत्री, प्रमिल द्विवेदी, लता टैक
पश्चिम बंगाल **सुनीता केडिया, मीना गुप्ता**
अखिल भारतीय **मनोज प्रजापति, मनोज सिंह**
हेमंत शर्मा, अंजुल तोमर



जानदार कोच शानदार जीत



कवर स्टोरी



हमारे देश की दिव्यांग क्रिकेट टीम दृढ़ इच्छाशक्ति और प्रतिस्पर्धी भावना का मजबूत उदाहरण बन चुकी है। इस उभरती पहचान के पीछे एक ऐसा कोच है, जिसने बिना शोर-शराबे के निरंतर काम किया। दीपक कुमार कम्बोज ने विशेष रूप से सक्षम खिलाड़ियों की यात्रा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

27 जून 1991 को हरियाणा के फतेहाबाद जिले के चिम्मो गांव में जन्मे दीपक का बचपन अभावों में बीता। संसाधन सीमित थे; लेकिन सपने बड़े थे। उन्होंने सात वर्ष की उम्र में 1997 में क्रिकेट खेलना शुरू किया। शुरुआती दौर में स्थानीय मैचों में भागीदारी रही। परिवार का सहयोग उनके साथ था। उनके भाई संदीप ने उन्हें क्रिकेट क्लब से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यही निर्णय उनके करियर की दिशा तय करने वाला साबित हुआ।

दीपक ने इंटरस्टेट स्तर पर क्रिकेट खेला। उनका चयन हिंदुस्तान प्रीमियर क्रिकेट लीग में भी हुआ। कुछ समय बाद उनके खेल करियर की गति धीमी पड़ी। उन्होंने एक नई दिशा चुनी। वर्ष 2014 में उन्होंने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एनआईएस पटियाला से कोचिंग का प्रमाणपत्र कोर्स पूरा किया। यहीं से उनके कोचिंग करियर की शुरुआत हुई।

विशेष रूप से सक्षम खिलाड़ियों के साथ काम करना उनके करियर का महत्वपूर्ण मोड़ बना। उन्होंने खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया। उनका ध्यान केवल शारीरिक प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने मानसिक मजबूती पर भी बराबर जोर दिया। उनकी कोचिंग शैली में अनुशासन, नियमित अभ्यास और आत्मविश्वास प्रमुख तत्व रहे।

उनके मार्गदर्शन में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। टीम ने वर्ष 2015 में एशिया कप जीता। इसके



अलावा ट्रायएंगुलर सीरीज और ऑक्सीजन कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया। टीम ने मलेशिया, थाईलैंड और यूएई जैसे देशों में आयोजित टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया। शारजाह स्टेडियम में दिव्यांग प्रीमियर लीग में भागीदारी ने टीम को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने दीपक कुमार कम्बोज को 'आईबीआर एचीवर' के रूप में सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम को कोचिंग देने और 2015 के एशिया कप में जीत दिलाने के लिए प्रदान किया गया। राज्य स्तर पर भी उनके कार्य को सराहा गया। 26 फरवरी 2026 को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ में उन्हें सम्मानित किया। यह सम्मान खेल और समाज में उनके योगदान को मान्यता देता है। फतेहाबाद के एसपी सिद्धांत जैन ने भी उनकी उपलब्धियों पर उन्हें बधाई दी।

दीपक का यह सफर बड़े आर्थिक संसाधनों के बिना आगे बढ़ा। उन्होंने सीमाओं के बीच काम किया। उन्होंने जमीनी स्तर से एक प्रणाली विकसित की। उन खिलाड़ियों पर ध्यान दिया, जिन्हें प्रशिक्षण की पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पाती थीं। उनका योगदान कोच से आगे बढ़कर एक मार्गदर्शक और प्रेरक के रूप में सामने आया।

वे लगातार खिलाड़ियों को संदेश देते रहे कि अपनी कमजोरियों को अपनी ताकत में बदलना संभव है। दीपक कम्बोज कहते हैं, "खिलाड़ियों को अपनी कमजोरी को अपनी शक्ति और संपत्ति में बदलना चाहिए।" यह सोच उनके प्रशिक्षण का आधार रही।

गांव से निकलकर भारत की दिव्यांग क्रिकेट टीम को एशिया कप जिताने तक की, दीपक कम्बोज की कहानी संकल्प, अनुशासन और इस विश्वास को दिखाती है कि खेल के माध्यम से सीमाओं को ताकत में बदला जा सकता है।

उनका जुड़ाव केवल मैदान तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने मुंबई में दिव्यांग क्रिकेटर्सों के लिए एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में फिल्म जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं, जिनमें आदित्य पंचोली, अरमान कोहली, अरुण बख्शी, शब्बीर आहलूवालिया, जीतू वर्मा, अरुण वडोला, अभिषेक कपूर और समीर कोचर शामिल थे। इनकी उपस्थिति ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें व्यापक पहचान मिली।



दीपक ने खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए रचनात्मक तरीकों का भी उपयोग किया। उन्होंने संगीत को माध्यम बनाया। उनके गीत 'जीत का जश्न' और 'जश्न-ए-हिंदुस्तान' खिलाड़ियों में आत्मविश्वास जगाने के उद्देश्य से तैयार किए गए। दूसरा गीत वर्ष 2024 में भारत की विश्व कप जीत के अवसर पर प्रस्तुत किया गया। इन प्रयासों ने टीम के भीतर भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत किया।

वर्तमान में दीपक फतेहाबाद के रतिया तहसील में स्थित दीवान चंद क्रिकेट अकादमी में युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। इस अकादमी का नाम उनके दादा के नाम पर रखा गया है। यह उभरते खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। यहां वे अनुशासन और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देते हैं। दीपक की रुचियां केवल खेल तक सीमित नहीं हैं। उन्हें नृत्य, गायन और मॉडलिंग में भी रुचि है। यह

उनकी ऊर्जावान व्यक्तित्व को दर्शाता है। यही ऊर्जा उन्हें युवाओं से जुड़ने में मदद करती है। उनका एक सपना है। वे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलना चाहते हैं। उनका जीवन एक स्पष्ट उद्देश्य को दर्शाता है। उन्होंने ऐसा मार्ग चुना जहां प्रभाव महत्वपूर्ण है। उन्होंने उन खिलाड़ियों के साथ काम किया जिन्हें मार्गदर्शन और अवसर की आवश्यकता थी।

उनके प्रयासों ने दिव्यांग क्रिकेट को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की पहचान दिलाने में योगदान दिया। उनका सफर आज भी जारी है। वे प्रशिक्षण देते हैं, मार्गदर्शन करते हैं और भविष्य के खिलाड़ियों को तैयार करते हैं। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से मिला सम्मान उनके सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह उनके योगदान को रेखांकित करता है। साथ ही यह देश में दिव्यांग क्रिकेट की बढ़ती ताकत को भी उजागर करता है।







मंच पर मयूर नृत्य

पक्षी मोर (वैज्ञानिक नाम पावो क्रिस्टेटस) देश की सांस्कृतिक स्मृति में गहराई से बसा हुआ है। यह शास्त्रीय कला, मंदिरों की नक्काशी और लोककथाओं में दिखाई देता है। भगवान कृष्ण और भगवान मुरुगन से इसका संबंध इसे और भी विशेष बनाता है। इसी विरासत को जीवंत रूप देने के लिए तेलंगाना के हैदराबाद में 63 बच्चों ने 7 फरवरी 2026 को मंच पर एक अनूठा प्रदर्शन किया। 63 मिनट तक लगातार चले इस समूह नृत्य ने राष्ट्रीय स्तर पर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया।

यह प्रस्तुति फ्यूचरिस्टिक एजु इनिशिएटिव्स, तेलंगाना द्वारा आयोजित की गई थी। उसी दिन इस उपलब्धि की पुष्टि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने की। इस प्रयास की खासियत इसकी योजना में थी। 63 संख्या को पूरे कार्यक्रम में एक सूत्र की तरह जोड़ा गया। यह संख्या उस ऐतिहासिक क्षण से जुड़ी है जब 1 फरवरी 1963 को भारतीय मोर को राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया गया था। प्रतिभागियों की संख्या और प्रदर्शन की अवधि; दोनों इसी संख्या पर आधारित रखी गईं। इस सोच ने प्रस्तुति को एक स्पष्ट पहचान दी और दर्शकों को विषय से तुरंत जोड़ दिया।

बच्चों ने एक निरंतर थीम पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया। पूरे प्रदर्शन में कहीं भी रुकावट नहीं आई। शुरुआत से अंत तक तालमेल बना रहा। कोरियोग्राफी में मोर की मुद्रा, पंखों का फैलाव और उसकी सहज सुंदरता को अभिव्यक्त किया गया। मंच पर नीले और हरे रंग के विभिन्न शेड्स दिखाई दिए। संगीत के साथ बनती और बदलती संरचनाओं ने ऐसा दृश्य तैयार किया; मानो पंख लहराते हुए गति में हों। हाथों की मुद्राएं भी बेहद सटीक थीं और उनमें मोर की कोमलता झलक रही थी।

भारतीय मोर को राष्ट्रीय पक्षी चुने जाने के पीछे उसकी व्यापक पहचान, आकर्षक स्वरूप और सांस्कृतिक गहराई प्रमुख कारण रहे हैं। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत इस प्रजाति को संरक्षण प्राप्त है; जिससे इसकी सुरक्षा सुनिश्चित होती है। समय के साथ यह पक्षी देश की पहचान और गौरव का प्रतीक बना रहा है।

हैदराबाद का यह प्रदर्शन इस विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ता है। इसकी तैयारी में कई सप्ताह लगे। हर बच्चे की भूमिका तय थी। समय का सटीक पालन जरूरी था। किसी एक की चूक पूरी लय को प्रभावित



हैदराबाद में 63 बच्चों ने 63 मिनट का समूह नृत्य प्रस्तुत किया। भारत के राष्ट्रीय पक्षी के 63 वर्षों को समर्पित यह प्रदर्शन संस्कृति, अनुशासन और प्रकृति का जीवंत संगम बना, जिसे इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने मान्यता दी।



कर सकती थी। इसके बावजूद बच्चों ने पूरे 63 मिनट तक एकाग्रता बनाए रखी। यह अनुशासन और सामूहिक समन्वय का स्पष्ट उदाहरण था। शिक्षकों ने अभ्यास के दौरान बच्चों का लगातार मार्गदर्शन किया।

फ्यूचरिस्टिक एजु इनिशिएटिव्स वर्ष 2008 से शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय है। यह समूह हैदराबाद और राजमुंदरी में कई संस्थान संचालित करता है। इसकी शिक्षा पद्धति में पढ़ाई के साथ रचनात्मकता को भी महत्व दिया जाता है। ऐसे आयोजन इस सोच को दर्शाते हैं कि सीखना केवल कक्षा तक सीमित नहीं है; बल्कि अनुभवों के माध्यम से भी होता है।

कार्यक्रम के दौरान दर्शक पूरी तरह जुड़े रहे। अभिभावक और शिक्षक बच्चों की ऊर्जा और अभिव्यक्ति को ध्यान से देखते रहे। बिना रुके चलने वाला यह प्रारूप चुनौतीपूर्ण था। इसी कारण यह उपलब्धि और भी महत्वपूर्ण बन गई। पूरे वातावरण में गर्व और सराहना का भाव दिखाई दिया।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की निर्णायक डॉ वसुधा रानी ने सत्यापन के बाद पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस प्रक्रिया में समय और प्रदर्शन दोनों की जांच की गई। इस मान्यता ने इस प्रयास को सांस्कृतिक समूह प्रस्तुतियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों में शामिल कर दिया। ऐसे रिकॉर्ड बच्चों को नए विचारों की ओर प्रेरित करते हैं।

फ्यूचरिस्टिक एजु इनिशिएटिव्स के एक प्रतिनिधि ने कहा, “हम चाहते थे कि बच्चे भारत की विरासत को अनुभव के रूप में समझें; यह रिकॉर्ड उन सभी बच्चों का है जिन्होंने पूरे 63 मिनट तक समर्पण बनाए रखा।”

इस स्तर पर समूह प्रदर्शन के लिए एकता आवश्यक होती है। हर प्रतिभागी का एक साथ चलना जरूरी होता है। हैदराबाद के इस आयोजन ने दिखाया कि एक सरल विचार भी बड़े सामूहिक प्रयास में बदल सकता है। इसमें कला, शिक्षा और राष्ट्रीय पहचान एक मंच पर साथ आए।

मोर की शान इस प्रस्तुति में एक नए रूप में सामने आई। परंपरा को एक मंचीय रूप मिला। बच्चों ने इस विरासत को पूरी स्पष्टता और ध्यान

के साथ आगे बढ़ाया; और अपनी छाप दर्शकों के साथ-साथ रिकॉर्ड दर्ज करने वाली संस्था पर भी छोड़ दी।

यह प्रस्तुति केवल एक उपलब्धि तक सीमित नहीं रही। इसने सीखने के नए तरीके भी सामने रखे। कला के माध्यम से विषय को समझना आसान हुआ। बच्चों ने सिर्फ नृत्य नहीं किया, बल्कि उन्होंने एक विचार को जिया। इस अनुभव ने उनमें आत्मविश्वास बढ़ाया। टीम के रूप में काम करने की क्षमता मजबूत हुई। अनुशासन उनके व्यवहार का हिस्सा बना। ऐसे प्रयास शिक्षा को जीवंत बनाते हैं। वे बच्चों को किताबों से आगे ले जाते हैं। यह आयोजन अन्य संस्थानों के लिए भी एक प्रेरणा है। सांस्कृतिक विषयों को नए रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। रचनात्मकता के साथ सीखना अधिक प्रभावी होता है। यह पहल दिखाती है कि सही दिशा में किया गया प्रयास दूर तक असर छोड़ता है।

मोर की शान इस प्रस्तुति में एक नए रूप में सामने आई। परंपरा को एक मंचीय रूप मिला। बच्चों ने इस विरासत को पूरी स्पष्टता और ध्यान के साथ आगे बढ़ाया; और अपनी छाप दर्शकों के साथ-साथ रिकॉर्ड दर्ज करने वाली संस्था पर भी छोड़ दी। यह प्रस्तुति आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।





आकाश की उड़ान

एयरो-स्पोर्ट की श्रेणी में आने वाली गतिविधि - हैंग ग्लाइडिंग में कौशल, संतुलन और त्वरित निर्णय क्षमता की आवश्यकता होती है। हवा की दिशा, ऊंचाई और मशीन की प्रतिक्रिया, सब कुछ एक साथ समझना होता है। भारतीय सेना ने एक बार फिर इन सभी गुणों का प्रदर्शन करते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। 25 सितंबर 2025 को स्कूल ऑफ आर्टिलरी, देवलाली, महाराष्ट्र की आर्मी एडवेंचर नोडल सेंटर (हेंग ग्लाइडिंग) टीम ने फुट-लॉन्ड पॉवर्ड हार्नेस हैंग ग्लाइडर के साथ सबसे अधिक टेक-ऑफ ऊंचाई का रिकॉर्ड बनाया।

यह प्रयास कश्मीर के मानसबल एयर बेस पर किया गया। टीम ने दो-स्ट्रोक, 120 सीसी इंजन से लैस हार्नेस ग्लाइडर का उपयोग किया। टेक-ऑफ पॉइंट समुद्र तल से 5,275 फीट की ऊंचाई पर था। वहां से ग्लाइडर ने उड़ान भरते हुए 5,906 फीट तक की ऊंचाई प्राप्त की। इस तरह 670 फीट की वर्टिकल बढ़त दर्ज की गई। इस प्रदर्शन का सत्यापन बाद में 12 दिसंबर 2025 को किया गया और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने इसे मान्यता दी।

यह रिकॉर्ड एक बड़े अभियान का हिस्सा था। इस अभियान का नाम था कारगिल से कन्याकुमारी एक्सपीडिशन। इस यात्रा का उद्देश्य अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों में टीम की क्षमता को परखना था। यह अभियान रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी के 200 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया गया था। इस कारण यह केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं थी; बल्कि एक ऐतिहासिक परंपरा को सम्मान देने का प्रयास भी था।

इस मिशन का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल विजय राय ने किया। कुल 23 सदस्यों की टीम ने इस प्रोजेक्ट पर काम किया। तैयारी लगभग एक वर्ष तक चली। हर चरण में सूक्ष्म योजना बनाई गई। उपकरणों की जांच,

भारतीय सेना की टीम ने कश्मीर में उच्च ऊंचाई पर हैंग ग्लाइडिंग का एशिया स्तर का रिकॉर्ड बनाया। कौशल व संतुलन के इस एयरो-स्पोर्ट की यह उपलब्धि रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हासिल की गई।

उड़ान अभ्यास और स्थल का अध्ययन लगातार किया गया। कश्मीर का मौसम अपनी अनिश्चितता के लिए जाना जाता है, जिससे चुनौती और बढ़ गई।

उच्च ऊंचाई पर उड़ान भरना आसान नहीं होता। हवा का घनत्व कम हो जाता है। इंजन की क्षमता पर असर पड़ सकता है। पायलट को तुरंत निर्णय लेने होते हैं। मानसबल क्षेत्र में ये सभी स्थितियां मौजूद थीं। टीम ने अपने उपकरणों को इन परिस्थितियों के अनुसार समायोजित किया। इसी कारण ग्लाइडर ने उड़ान के दौरान संतुलित प्रदर्शन किया।

देवलाली स्थित स्कूल ऑफ आर्टिलरी लंबे समय से प्रशिक्षण और तकनीकी दक्षता के लिए जाना जाता है। यह संस्थान सैनिकों को

आधुनिक कौशल सिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां का आर्मी एडवेंचर नोडल सेंटर एयरो-स्पोर्ट्स और साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है। इस तरह के प्रयास संस्थान की सोच को दर्शाते हैं; जिसमें सीमाओं को आगे बढ़ाने की इच्छा दिखाई देती है।

यह उपलब्धि भारत की एयरो-स्पोर्ट्स में बढ़ती भागीदारी को भी दिखाती है। आधुनिक तकनीक और मानव कौशल का संयोजन इस उड़ान में स्पष्ट नजर आया। पॉवर्ड हैंग ग्लाइडिंग में मशीन और पायलट दोनों की सटीक समझ जरूरी होती है। मानसबल की उड़ान इस संतुलन का उदाहरण बनी।

लेफ्टिनेंट कर्नल विजय राय ने कहा, “यह मिशन नई सीमाओं को छूने और रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी की विरासत को सम्मान देने का प्रयास है।” उड़ान के दौरान हर चरण पर सटीक समन्वय जरूरी था। टेक-ऑफ का समय हवा की गति के अनुसार तय किया गया। पायलट ने पूरे समय नियंत्रण बनाए रखा। ग्लाइडर ने दिशा परिवर्तन पर संतुलित प्रतिक्रिया दी। ऊंचाई तक पहुंचने की प्रक्रिया क्रमिक और नियंत्रित रही। सुरक्षित लैंडिंग के साथ यह प्रयास पूरा हुआ।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा इस उपलब्धि की पुष्टि विस्तृत जांच के बाद की गई। उड़ान से जुड़े आंकड़ों और तकनीकी पहलुओं की समीक्षा की गई। यह रिकॉर्ड अब पॉवर्ड हैंग ग्लाइडिंग में एक मानक के रूप में देखा जाएगा। यह उपलब्धि टीमवर्क, योजना और कठिन परिस्थितियों में कार्य करने की क्षमता को दर्शाती है। मानसबल का आसमान इस प्रयास का साक्ष्य बना। इस उड़ान ने एक ऐतिहासिक विरासत को आधुनिक रूप में प्रस्तुत किया। भारतीय सेना की यह सफलता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।



यह उपलब्धि सोच में बदलाव का संकेत देती है। नई पीढ़ी के लिए यह एक प्रेरणा बन सकती है। एयरो-स्पोर्ट्स अब मात्र शौक नहीं रहे। यह कौशल और अनुशासन का क्षेत्र बन रहे हैं। सेना के ऐसे प्रयास युवाओं को नए रास्ते दिखाते हैं। वे तकनीक और साहस के मेल को समझते हैं। प्रशिक्षण की महत्ता सामने आती है। हर सफलता के पीछे तैयारी की गहराई दिखती है। यह अभियान यह भी संदेश देता है कि सीमाएं स्थाई नहीं होतीं। उन्हें समझकर आगे बढ़ा जा सकता है। कठिन परिस्थितियां नई क्षमता विकसित करती हैं। टीम के भीतर विश्वास मजबूत होता है। हर सदस्य की भूमिका स्पष्ट होती है। ऐसे प्रयास संस्थागत ताकत को भी दर्शाते हैं। आने वाले समय में इसी तरह के और प्रयोग संभव हैं। यह यात्रा आगे भी जारी रहेगी। आसमान अब और करीब महसूस होता है।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा इस उपलब्धि की पुष्टि विस्तृत जांच के बाद की गई। उड़ान से जुड़े आंकड़ों और तकनीकी पहलुओं की समीक्षा की गई। यह रिकॉर्ड अब पॉवर्ड हैंग ग्लाइडिंग में एक मानक के रूप में देखा जाएगा। यह उपलब्धि टीमवर्क, योजना और कठिन परिस्थितियों में कार्य करने की क्षमता को दर्शाती है। मानसबल का आसमान इस प्रयास का साक्षी बना। इस उड़ान ने एक ऐतिहासिक विरासत को आधुनिक रूप में प्रस्तुत किया। भारतीय सेना की यह सफलता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

इस उपलब्धि का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसने एयरो-स्पोर्ट्स के क्षेत्र में भारत की संभावनाओं को नई दिशा दी है। ऐसे अभियानों से न केवल सैनिकों का मनोबल बढ़ता है, बल्कि युवाओं में साहसिक खेलों के प्रति रुचि भी विकसित होती है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में इस तरह की सफल उड़ान यह दर्शाती है कि उचित प्रशिक्षण, तकनीकी समझ और टीम समन्वय के साथ किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। यह प्रयास भविष्य में और उन्नत अभियानों के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।





थैलेसीमिया जागरूकता कार रैली

हर वर्ष हजारों बच्चे थैलेसीमिया नामक आनुवंशिक रक्त विकार के साथ जन्म लेते हैं। समय पर जांच न होने और जागरूकता की कमी से समस्या और बढ़ती जाती है। शुरुआती पहचान और परामर्श से इसके प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। फिर भी कई परिवारों तक सही जानकारी नहीं पहुंच पाती। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 8 मार्च 2026 को राष्ट्रीय स्तर का एक अभियान शुरू हुआ।



जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) ने “आईआईएफएल ड्राइव विद पर्पज” के तहत देशभर के 64 शहरों में एक साथ कार रैलियों का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य था थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को जिम्मेदार स्वास्थ्य व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना। यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हुआ, जिससे अभियान को एक व्यापक सामाजिक आयाम भी मिला।

इन रैलियों ने शहरों में एक मजबूत दृश्य उपस्थिति बनाई। विभिन्न मार्गों से गुजरती गाड़ियों पर लगे संदेश लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे थे। बैनर, स्टिकर और घोषणाओं के माध्यम से थैलेसीमिया से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने स्थानीय लोगों से संवाद किया। इस प्रक्रिया ने जागरूकता को सीधे समाज तक पहुंचाया।

इस पहल को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा थैलेसीमिया जागरूकता के लिए आयोजित सबसे बड़ी मल्टी-सिटी कार रैली के रूप में मान्यता दी गई। रिकॉर्ड की पुष्टि के बाद आईबीआर की एडजुडिकेटर दिशा जैन ने पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

यह अभियान केवल प्रतीकात्मक नहीं था। कई शहरों में इसके साथ अन्य कार्यक्रम भी हुए। अहमदाबाद जैसे शहरों में स्थानीय इकाइयों ने विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए। सुबह औपचारिक फ्लैग-ऑफ के साथ रैली शुरू हुई। लगभग 50 गाड़ियों में 125 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस दौरान चिकित्सा विशेषज्ञों ने लोगों को संबोधित किया और सरल भाषा में थैलेसीमिया के बारे में जानकारी दी।

डॉक्टरों ने बताया कि यह एक आनुवंशिक रोग है, जो माता-पिता से बच्चों में जाता है। उन्होंने स्क्रीनिंग पर जोर दिया। युवाओं और दंपतियों को विवाह से पहले जांच कराने की सलाह दी गई। इन सत्रों में समझाया गया कि समय पर जांच रोग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

जागरूकता कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण पहलू था सामाजिक झिझक कम करना। कई परिवार इस विषय पर खुलकर बात नहीं कर पाते। अभियान ने संवाद के लिए एक सुरक्षित माहौल बनाया। प्रभावित परिवारों को सहयोग नेटवर्क से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इससे उन्हें भावनात्मक और व्यावहारिक सहायता मिल सकती है।

इस पहल में कई स्तरों पर सहयोग देखने को मिला। स्वास्थ्य विशेषज्ञ, सामाजिक संगठन, स्थानीय नेतृत्व और स्वयंसेवक एक साथ जुड़े। अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी ने अभियान को और मजबूत बनाया। विभिन्न शहरों में समन्वय बनाए रखना एक बड़ी चुनौती थी; जिसे सफलतापूर्वक संभाला गया।

कार रैली का प्रारूप इस अभियान के लिए प्रभावी साबित हुआ। यह संदेश को सीधे लोगों तक ले जाने का माध्यम बना। व्यस्त सड़कों और बाजारों से गुजरती रैलियों ने आम लोगों का ध्यान खींचा। इससे जागरूकता केवल कार्यक्रम स्थलों तक सीमित नहीं रही; बल्कि शहर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंची।

8 मार्च 2026 को 64 शहरों में निकली देशव्यापी कार रैली ने थैलेसीमिया पर जागरूकता फैलाई। इस रैली ने समुदायों को जोड़ा, स्क्रीनिंग को बढ़ावा दिया और प्रभावित परिवारों तक सही जानकारी पहुंचाने का प्रयास किया।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन लंबे समय से सामाजिक पहल में सक्रिय है। यह अभियान स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति उसके दृष्टिकोण को दर्शाता है। एक साथ कई शहरों में इस तरह की रैलियों का आयोजन संगठन की क्षमता और प्रतिबद्धता को दिखाता है। जेएलडब्ल्यू की अध्यक्ष अनुजा शाह ने कहा, “हमने केवल गाड़ियां नहीं चलाईं; हमने उम्मीद, स्वास्थ्य और संवेदनशीलता का संदेश आगे बढ़ाया।”

यह अभियान व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य लक्ष्यों से जुड़ा है। थैलेसीमिया का प्रबंधन संभव है; यदि समय पर कदम उठाए जाएं। नियमित रक्त चढ़ाना, दवाएं और परामर्श इसके उपचार का हिस्सा हैं। लेकिन जागरूकता इसके नियंत्रण की पहली सीढ़ी है। जब लोगों को जानकारी मिलती है; तब वे सही निर्णय लेते हैं।

इस तरह के प्रयास जानकारी और व्यवहार के बीच की दूरी को कम करते हैं। वे चिकित्सा ज्ञान को समाज के करीब लाते हैं। वे लोगों को जांच कराने और समय पर उपचार लेने के लिए प्रेरित करते हैं। सार्वजनिक भागीदारी ऐसे अभियानों की सफलता का आधार होती है।

यह देशव्यापी रैली एक साझा जागरूकता का क्षण बनी। इसने अलग-अलग शहरों को एक उद्देश्य से जोड़ा। इसने दिखाया कि सामूहिक प्रयास से स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। यह पहल लोगों तक एक ऐसा संदेश लेकर पहुंची जो उनके भविष्य के निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।





स्मार्ट बोर्डिंग का नया मानक

अब पालतू जानवरों की देखभाल शहरी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। लोग अपने पालतू कुत्तों को परिवार का सदस्य मानते हैं। काम के बदलते घंटे, अचानक यात्राएं और व्यस्त दिनचर्या; इन सबने पैट केयर सेवाओं की मांग बढ़ा दी है। पारंपरिक बोर्डिंग सेंटर अक्सर तय समय पर ही काम करते हैं। ऐसे में कई बार पालतू जानवरों की देखभाल में असुविधा आती है।

इसी बदलती जरूरत को समझते हुए मलेशिया के मिरी, सारावाक में एक नई पहल सामने आई। चिन ची चोंग ने एक पूरी तरह स्वचालित 24 घंटे चलने वाली डॉग बोर्डिंग प्रणाली विकसित की। यह प्रणाली न्यूनतम मानव हस्तक्षेप के साथ काम करती है। इस नवाचार को 18 फरवरी 2026 को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने मान्यता दी। यह एक ऐसा मॉडल है जो समझने में सरल लगता है; लेकिन इसे लागू करना तकनीकी दृष्टि से चुनौतीपूर्ण है।

इस प्रणाली की सबसे खास बात इसकी 24x7 उपलब्धता है। पालतू जानवरों के मालिक किसी भी समय अपने कुत्ते को छोड़ सकते हैं या वापस ले सकते हैं। इसके लिए एक सुरक्षित डिजिटल एक्सेस सिस्टम तैयार किया गया है। प्रवेश और निकास पूरी तरह नियंत्रित रहते हैं। पूरी सुविधा पर निगरानी दूर से की जा सकती है। इस तरह यह व्यवस्था बिना स्थायी स्टाफ शेड्यूल के भी लगातार सक्रिय रहती है।

हर कुत्ते के लिए अलग केनेल की व्यवस्था की गई है। इससे जानवरों के बीच अनावश्यक संपर्क कम होता है। इससे तनाव भी घटता है और संक्रमण का खतरा भी कम रहता है। प्रत्येक यूनिट में अलग वेंटिलेशन सिस्टम लगाया गया है। इससे ताजी हवा का प्रवाह बना रहता है। यह

डिजाइन साझा स्थानों में फैलने वाले संक्रमण को रोकने में मदद करता है।

इस प्रणाली में स्वचालित यूरिन फ्लशिंग तंत्र भी शामिल है। निश्चित अंतराल पर कचरा साफ होता रहता है। इससे बैक्टीरिया का विकास सीमित होता है। सफाई के लिए 304 ग्रेड स्टेनलेस स्टील का उपयोग किया गया है। यह सामग्री टिकाऊ होती है और आसानी से साफ की जा सकती है। उच्च तापमान वाली भाप से सैनिटाइजेशन किया जाता है। इससे पूरी सुविधा स्वच्छ और सुरक्षित बनी रहती है।

पूरी प्रक्रिया में ऑटोमेशन की केंद्रीय भूमिका है। पालतू जानवरों के मालिक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से इस प्रणाली से जुड़ते हैं। वे बुकिंग, एंट्री और एग्जिट को नियंत्रित कर सकते हैं। निगरानी के लिए सर्विलांस सिस्टम मौजूद है। इससे बिना निरंतर मानवीय उपस्थिति के भी भरोसेमंद संचालन संभव होता है।

इस मॉडल को मलेशिया में शुरुआती स्तर पर भी सराहना मिली। मार्च 2025 में इसे मलेशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान मिला। सारावाक के डिपार्टमेंट ऑफ वेटेरिनरी सर्विसेज ने भी इसे समर्थन दिया। मिरी शहर के मेयर और पर्यटन विभाग के उपमंत्री ने इस पहल की प्रशंसा की। क्षेत्रीय मीडिया ने इसे पैट केयर में नवाचार का उदाहरण बताया।

यह प्रणाली शिक्षा से भी जुड़ती है। कर्टिन यूनिवर्सिटी मलेशिया और फजर कॉलेज मिरी के साथ सहयोग किया गया है। छात्र यहां आकर ऑटोमेशन, संचालन और पर्यावरणीय प्रबंधन को समझते हैं। इससे उनकी पढ़ाई को व्यावहारिक दिशा मिलती है।

पर्यावरण को ध्यान में रखकर भी इस सुविधा को डिजाइन किया गया है। पानी बचाने वाले सिस्टम लगाए गए हैं। ऊर्जा की खपत कम रखने





मलेशिया में 24 घंटे चलने वाली स्वचालित डॉग बोर्डिंग सुविधा ने पैट केयर का नया मॉडल प्रस्तुत किया। इस फैसिलिटी ने तकनीक, स्वच्छता और लचीली सुविधा के साथ एशिया स्तर पर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया।

के लिए दक्ष प्रक्रियाएं अपनाई गई हैं। सफाई में भी पर्यावरण अनुकूल तरीके उपयोग में लाए जाते हैं। यह मॉडल टिकाऊ विकास की दिशा में एक कदम है।

यह परियोजना सामाजिक समावेशन का भी उदाहरण बन सकती है। भविष्य में इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम से जुड़े व्यक्तियों को शामिल करने की योजना है। केनेल की सफाई, स्टॉक जांच और निगरानी जैसे कार्य नियमित ढंग से किए जा सकते हैं। इससे रोजगार के नए अवसर बनेंगे और संचालन भी व्यवस्थित रहेगा।

चिन ची चोंग ने कहा, “हमारा उद्देश्य ऐसा सिस्टम बनाना था जहां पालतू जानवरों को हर समय सुरक्षित और स्वच्छ देखभाल मिले; और मालिकों को सुविधा और भरोसा दोनों प्राप्त हों।” एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा इस उपलब्धि की पुष्टि विस्तृत जांच के बाद की गई। ऑटोमेशन, सुरक्षा व्यवस्था और संचालन प्रणाली का परीक्षण किया गया। इसके बाद इस सुविधा को एक नए मानक के रूप में स्वीकार किया गया।

इस पहल का प्रभाव केवल एक शहर तक सीमित नहीं है। मिरी अब एक पैट-फ्रेंडली शहर के रूप में उभर रहा है। पालतू जानवरों के

मालिकों को एक भरोसेमंद विकल्प मिला है। यह मॉडल दिखाता है कि तकनीक कैसे पुरानी समस्याओं का समाधान कर सकती है।

यह प्रणाली एक बड़े बदलाव की ओर संकेत करती है। सेवाएं अब ऑटोमेशन और उपयोगकर्ता नियंत्रण की ओर बढ़ रही हैं। सुविधा अब डिजाइन का केंद्र बन रही है। चिन का यह मॉडल इसी दिशा में एक मजबूत उदाहरण है।

LARGEST
MILLET BASE PIZZAINDIA BOOK
OF RECORDS

सबसे बड़ा मिलेट पिज़्ज़ा

यदि संतुलित आहार की बात की जाए तो भारत में मिलेट्स का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। ये अनाज फाइबर, खनिज और आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को नियंत्रित करने में उपयोगी माने जाते हैं। सरकार भी मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न अभियान चला रही है। धीरे-धीरे ये अनाज फिर से आम रसोई का हिस्सा बन रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में जयपुर में एक शैक्षणिक पहल ने मिलेट्स को एक नए और रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया।

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी ने एक अनोखी चुनौती को अपनाया। उद्देश्य था पारंपरिक भारतीय अनाज को एक लोकप्रिय वैश्विक व्यंजन के साथ जोड़ना। साथ ही यह प्रयास छात्रों के व्यावहारिक प्रशिक्षण और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए किया गया। लगभग छह महीने की तैयारी के बाद विश्वविद्यालय ने मिलेट आधारित सबसे बड़ा पिज़्ज़ा तैयार किया। इस पिज़्ज़ा की लंबाई और चौड़ाई दोनों 119 इंच थी।

इतने बड़े आकार के पिज़्ज़ा को तैयार करना एक जटिल प्रक्रिया थी। इसके लिए व्यापक योजना और टीमवर्क की आवश्यकता थी। इस कार्य में 500 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। 2 मार्च 2026 को

‘एजुकेशनल इंस्टीट्यूट द्वारा तैयार किया गया सबसे बड़ा मिलेट पिज़्ज़ा’ का रिकॉर्ड इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा प्रमाणित किया गया। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बनी।

इस प्रयास का संचालन कुलपति डॉ. संदीप बक्शी की देखरेख में हुआ, जबकि एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. प्रीति बक्शी ने पूरे अभियान का नेतृत्व किया। इतने बड़े स्तर पर इस कार्य को सफल बनाने के लिए विभिन्न टीमों ने मिलकर काम किया। सामग्री की व्यवस्था, मिश्रण, बेकिंग और अंतिम प्रस्तुति, हर चरण को व्यवस्थित तरीके से पूरा किया गया।

मिलेट बेस तैयार करना इस प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा था। इसमें सही बनावट और संतुलन बनाए रखना जरूरी था। टीमों ने सावधानीपूर्वक सामग्री का चयन किया और उसे प्रोसेस किया। पूरे कार्य के दौरान स्वच्छता और सुरक्षा के मानकों का पालन किया गया। यह पहल केवल रिकॉर्ड बनाने तक सीमित नहीं थी। इसे एक शिक्षण अभ्यास के रूप में भी डिजाइन किया गया था। छात्रों को बड़े पैमाने पर खाद्य उत्पादन का अनुभव मिला। उन्होंने सीखा कि किस तरह स्थानीय सामग्री का उपयोग आधुनिक व्यंजनों में किया जा सकता है। इस प्रक्रिया ने उनके कौशल और आत्मविश्वास दोनों को मजबूत किया।

यह गतिविधि कक्षा में सीखी गई थ्योरी और वास्तविक कार्यान्वयन के बीच एक पुल का काम करती है। छात्रों ने टीमवर्क, समय प्रबंधन और तकनीकी दक्षता का अभ्यास किया। इस दौरान उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे। उन्होंने पूरे आयोजन का अवलोकन किया और छात्रों के काम की सराहना की। उन्होंने माना कि छात्रों ने अनुशासन और पेशेवर दृष्टिकोण का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस पहल का मुख्य केंद्र मिलेट्स का उपयोग था। ये अनाज पर्यावरण के अनुकूल माने जाते हैं। इन्हें उगाने में कम पानी की आवश्यकता होती है और ये भारतीय जलवायु के अनुरूप आसानी से उगाए जा सकते हैं। मिलेट्स को बढ़ावा देना स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए लाभकारी है। इस पिज़्ज़ा के माध्यम से यही संदेश व्यापक स्तर पर पहुंचाया गया।

डॉ. संदीप बक्शी ने कहा, “यह रिकॉर्ड नवाचार, स्वास्थ्य जागरूकता और भारत की कृषि परंपरा के प्रति हमारे सम्मान को दर्शाता है।” इस आयोजन ने टीमवर्क के महत्व को भी रेखांकित किया। शिक्षकों ने हर चरण में छात्रों का मार्गदर्शन किया। यह सहयोग इस जटिल कार्य को सफल बनाने में निर्णायक साबित हुआ।

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी लंबे समय से आतिथ्य शिक्षा के क्षेत्र में व्यावहारिक दृष्टिकोण पर काम कर रही है। यह पहल उसी दिशा में एक सशक्त उदाहरण है। यह दिखाती है कि पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक व्यंजनों के साथ कैसे जोड़ा जा सकता है। साथ ही यह भारतीय सामग्री की वैश्विक प्रासंगिकता को भी उजागर करती है।

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी ने मिलेट आधारित विशाल पिज़्ज़ा बनाकर एक रिकॉर्ड स्थापित किया। इस पहल ने स्वस्थ आहार, टिकाऊ खाद्य प्रणाली और छात्रों-शिक्षकों के सहयोग से रचनात्मक पाक नवाचार को नई पहचान दी।

भारत में आतिथ्य उद्योग तेजी से विस्तार कर रहा है। इसमें ऐसे पेशेवरों की आवश्यकता है जो रचनात्मक सोच के साथ काम कर सकें। इस प्रकार के बड़े अभ्यास छात्रों को वास्तविक परिस्थितियों के लिए तैयार करते हैं। वे उन्हें नवाचार के लिए प्रेरित करते हैं और नई संभावनाओं को तलाशने का अवसर देते हैं।

इस पिज़्ज़ा की चर्चा विश्वविद्यालय परिसर के बाहर भी हुई। इसने लोगों का ध्यान स्वस्थ आहार और टिकाऊ खाद्य विकल्पों की ओर आकर्षित किया।



रीसाइक्लिंग का रिकॉर्ड

पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में रीसाइक्लिंग का महत्व अब उद्योगों के केंद्र में आ चुका है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और निर्माण गतिविधियों के कारण कचरे की मात्रा लगातार बढ़ रही है। सीमेंट और पुट्टी बैग जैसी चीजें बड़ी संख्या में उपयोग के बाद सीधे लैंडफिल में चली जाती हैं। इनका सही प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। ऐसे में संगठित प्रणालियों और औद्योगिक स्तर के समाधानों की आवश्यकता स्पष्ट रूप से सामने आती है।

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एग्रो इंडिया लिमिटेड ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने सीमेंट और पुट्टी बैग की प्रोसेसिंग के लिए देश का सबसे बड़ा वॉशिंग प्लांट स्थापित किया है। इस प्लांट को 12 फरवरी 2026 को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा इसकी क्षमता और डिजाइन के लिए मान्यता दी गई।

यह प्लांट 24 घंटे में 3,00,000 से अधिक बैग प्रोसेस करने की क्षमता रखता है। इतनी बड़ी क्षमता इसे देश के अग्रणी रीसाइक्लिंग संयंत्रों में शामिल करती है। पूरे संचालन में एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया का पालन किया जाता है। सबसे पहले इस्तेमाल किए गए बैग एकत्र किए जाते हैं और उनकी छंटाई की जाती है। कागज आधारित सामग्री को अलग किया जाता है और बुने हुए प्लास्टिक को अलग चरण में भेजा जाता है।

इसके बाद बैग को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा जाता है। इस प्रक्रिया को श्रेडिंग कहा जाता है। इससे आगे की सफाई प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो जाती है। कटे हुए टुकड़ों को फ्रिक्शन वॉशिंग यूनिट में भेजा जाता

है, जहां नियंत्रित तरीके से उन्हें धोया जाता है। इस दौरान बैग पर लगे सीमेंट और पुट्टी के अवशेष हटाए जाते हैं। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि सामग्री में मौजूद अशुद्धियां न्यूनतम स्तर तक कम हो जाएं।

अगले चरण में सुखाने की प्रक्रिया होती है। उच्च क्षमता वाली ड्रायर मशीनों के माध्यम से नमी को पूरी तरह हटाया जाता है। इसके बाद जो सामग्री प्राप्त होती है वो साफ प्लास्टिक फ्लेक्स के रूप में होती है। इन फ्लेक्स का उपयोग नए उत्पादों के निर्माण में किया जा सकता है। इस तरह रीसाइक्लिंग की प्रक्रिया पूरी होती है और नए प्लास्टिक के उत्पादन पर निर्भरता कम होती है।

इस प्लांट में ऑटोमेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। कन्वेयर सिस्टम के माध्यम से सामग्री को एक चरण से दूसरे चरण तक पहुंचाया जाता है। इससे मैनुअल श्रम की आवश्यकता कम होती है और प्रक्रिया में निरंतरता बनी रहती है। प्लांट का डिजाइन इस प्रकार तैयार किया गया है कि बड़ी मात्रा में सामग्री को बिना रुकावट के प्रोसेस किया जा सके।

औद्योगिक रीसाइक्लिंग में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाता है। इस प्लांट में काम करने वाले कर्मचारी सुरक्षात्मक उपकरण जैसे दस्ताने और मास्क का उपयोग करते हैं। धूल और रासायनिक अवशेषों से बचाव के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है। इससे कार्यस्थल सुरक्षित रहता है और उत्पादकता भी बनी रहती है।

एग्रो इंडिया लिमिटेड लंबे समय से वेस्ट-टू-वैल्यू मॉडल को बढ़ावा दे रही है। कंपनी का उद्देश्य औद्योगिक कचरे को उपयोगी संसाधनों में



बदलना है। यह वॉशिंग प्लांट उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह दिखाता है कि उद्योग किस प्रकार पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

निर्माण क्षेत्र के विस्तार के साथ इस्तेमाल किए गए बैग की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यदि इनका पुनः उपयोग नहीं किया जाए, तो ये पर्यावरण के लिए गंभीर समस्या बन सकते हैं। ऐसे में इस प्रकार के विशेष प्लांट समाधान प्रदान करते हैं। वे अपशिष्ट प्रबंधन को एक संगठित ढांचा देते हैं और कचरे को मूल्यवान संसाधन में बदलते हैं।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा इस प्लांट की क्षमता और संचालन की विस्तृत जांच के बाद मान्यता दी गई। निर्णायक श्वेता झा ने कंपनी अधिकारियों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा, “हमारा उद्देश्य औद्योगिक कचरे को उपयोगी संसाधनों में बदलना है। यह प्लांट स्वच्छ प्रक्रियाओं और जिम्मेदार उत्पादन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।”

यह पहल सर्कुलर इकॉनमी की अवधारणा को मजबूत करती है। इसमें सामग्री को फेंकने के बजाय दोबारा उपयोग में लाया जाता है। इससे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होता है और पर्यावरणीय प्रभाव घटता है। रीसाइक्लिंग उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा बन जाती है। यह परियोजना व्यापक स्थिरता लक्ष्यों के अनुरूप है। आज उद्योगों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कचरे का जिम्मेदारी से प्रबंधन करें। इस तरह के प्लांट व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। वे तकनीक और पर्यावरण जागरूकता का संतुलित उपयोग दिखाते हैं।

गाजियाबाद का यह प्लांट औद्योगिक कचरे के प्रबंधन के तरीके में एक बदलाव का संकेत देता है। यह अपशिष्ट को फेंकने की प्रक्रिया से हटाकर उसे संसाधन में बदलने की दिशा में ले जाता है। इसका प्रभाव

गाजियाबाद में एक उच्च क्षमता वाला वॉशिंग प्लांट रोज 3,00,000 से अधिक सीमेंट और पुट्टी बैग प्रोसेस करता है। इस पहल ने प्लास्टिक रीसाइक्लिंग को गति दी है और स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में ठोस योगदान किया है।

केवल एक स्थान तक सीमित नहीं है; बल्कि यह अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक मार्गदर्शक बनता है।

रीसाइक्लिंग पर्यावरण संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आधार है। जब उद्योग इसमें सक्रिय भागीदारी करते हैं; तो इसका प्रभाव और मजबूत होता है। एग्रो इंडिया लिमिटेड का वॉशिंग प्लांट दिखाता है कि क्षमता और नवाचार मिलकर कैसे काम कर सकते हैं। यह पहल कचरे को अवसर में बदलने का उदाहरण प्रस्तुत करती है और एक स्वच्छ भविष्य की दिशा में सार्थक कदम है।





आयरन के लिए राष्ट्रीय अभियान

एनीमिया एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है। हर वर्ष लाखों महिलाएं और बच्चे इससे प्रभावित होते हैं। थकान, कमजोरी, बच्चों में धीमी वृद्धि और रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी इसके सामान्य प्रभाव हैं। कई मामलों में इसकी पहचान देर से होती है, क्योंकि शुरुआती लक्षण स्पष्ट नहीं होते। जागरूकता की कमी इस स्थिति को और गंभीर बना देती है। इस समस्या का समाधान केवल चिकित्सा उपचार से संभव नहीं है। इसके लिए निरंतर जागरूकता और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

इस दिशा में गत वर्ष एक राष्ट्रीय पहल शुरू हुई। डैनोन इंडिया ने 'आयरन अप; फाइटिंग टुगेदर फॉर एन आयरन स्ट्रॉन्ग जनरेशन' अभियान की शुरुआत की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था प्रारंभिक पहचान, पोषण के प्रति जागरूकता और वैज्ञानिक आधार पर हस्तक्षेप को बढ़ावा देना। यह पहल स्वास्थ्य समुदाय के भीतर एक संगठित प्रयास के रूप में सामने आई।

8 नवंबर से 8 दिसंबर 2025 के बीच देशभर के 20,911 स्वास्थ्यकर्मियों ने इस अभियान के तहत आयरन की कमी से लड़ने का संकल्प लिया। इस उपलब्धि को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता दी गई। इसे इस उद्देश्य के लिए संकल्प लेने वाले स्वास्थ्यकर्मियों की सबसे बड़ी संख्या के रूप में दर्ज किया गया।

अभियान में बाल रोग विशेषज्ञ, सामान्य चिकित्सक और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों शामिल हुए। विभिन्न आउटरीच कार्यक्रमों और शैक्षणिक सत्रों के माध्यम से उन्हें जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने समुदायों के साथ संवाद स्थापित किया और लोगों को नियमित जांच और समय पर उपचार के लिए प्रेरित किया। इस पहल ने स्वास्थ्यकर्मियों और समाज के बीच एक साझा मंच तैयार किया।

आयरन की कमी अक्सर धीरे-धीरे विकसित होती है। कई लोगों को तब तक इसका पता नहीं चलता, जब तक लक्षण स्पष्ट न हो जाएं। ऐसे में नियमित जांच बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। इस अभियान में इसी बात पर जोर दिया गया। लोगों को बताया गया कि समय पर जांच से स्थिति को शुरुआती स्तर पर पहचाना जा सकता है। इसके साथ ही सही पोषण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डैनोन इंडिया ने इस अभियान में डिजिटल और जमीनी दोनों स्तरों पर काम किया। स्वास्थ्यकर्मियों ने संकल्प गतिविधियों में भाग लिया और जागरूकता अभियानों को आगे बढ़ाया। शैक्षणिक सामग्री के माध्यम से आयरन की कमी से जुड़ी जानकारी को सरल और व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत किया गया। इससे लोगों के लिए जानकारी को समझना और अपनाना आसान हुआ।

इस पहल में निवारक पोषण पर भी विशेष ध्यान दिया गया। संतुलित आहार, आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ और सप्लीमेंट्स के महत्व को समझाया गया। शरीर में आयरन के अवशोषण में आंतों की भूमिका पर भी चर्चा की गई। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य परिणाम प्राप्त करने का प्रयास किया गया। यह दृष्टिकोण संस्था के पोषण आधारित समाधान के लक्ष्य के अनुरूप है।

अभियान ने विशेष रूप से संवेदनशील वर्गों तक पहुंचने का प्रयास किया। गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों को प्राथमिकता दी गई। बिहार में 'स्वस्थ माता स्वस्थ बालक' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से मातृ पोषण को बेहतर बनाने पर काम किया गया। इस तरह के प्रयास दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस पूरे अभियान में समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभिन्न क्षेत्रों के स्वास्थ्यकर्मियों ने निर्धारित समय सीमा के भीतर भागीदारी की। इससे यह स्पष्ट हुआ कि चिकित्सा समुदाय सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों के प्रति गंभीर है और सामूहिक रूप से काम करने के लिए तैयार है। यह पहल सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के प्रति बढ़ती जागरूकता को भी दर्शाती है।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के निर्णायक डॉ गौरव प्रियदर्शी ने डैनोन इंडिया के अधिकारियों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए। डैनोन इंडिया की मार्केटिंग डायरेक्टर प्रियंका वर्मा ने कहा, "20,911 स्वास्थ्यकर्मियों का यह संकल्प एनीमिया के खिलाफ लड़ाई में एक साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है और यह समुदायों के स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।"



स्वास्थ्यकर्मी समाज में मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। उनकी भागीदारी लोगों में विश्वास पैदा करती है और उन्हें सही समय पर कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है। जब जागरूकता अभियान चिकित्सा विशेषज्ञता के साथ जुड़ते हैं; तो उनका प्रभाव अधिक व्यापक हो जाता है। भारत में आयरन की कमी से लड़ने के लिए अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं। खानपान की आदतों में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाना और नियमित जांच को बढ़ावा देना आवश्यक है। बड़े स्तर पर चलाए गए अभियान इस दिशा में गति प्रदान करते हैं। वे लोगों के व्यवहार में बदलाव लाने में मदद करते हैं।

'आयरन अप' अभियान यह दिखाता है कि योजनाबद्ध प्रयास किस प्रकार जनस्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। यह ज्ञान और क्रियान्वयन के बीच एक मजबूत संबंध स्थापित करता है। यह स्वास्थ्यकर्मियों और समाज को एक साझा उद्देश्य से जोड़ता है। इस अभियान के माध्यम से प्राप्त रिकॉर्ड एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी को दर्शाता है और भविष्य के लिए एक दिशा तय करता है। निरंतर जागरूकता और रोकथाम के प्रयास देशभर में बेहतर स्वास्थ्य परिणामों को सुनिश्चित करेंगे।

भारत में 20,000 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों ने आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के खिलाफ कार्रवाई का संकल्प लिया। इस पहल ने जांच, पोषण जागरूकता और बेहतर जनस्वास्थ्य पर केंद्रित आंदोलन को गति दी।



8th Free Pets Health Care Camp

Mission Rabies Free Kota



जनभागीदारी से बढ़ा

प्रभाव

ह र वर्ष हजारों लोगों की मृत्यु रेबीज़ बीमारी के कारण हो जाती है। अधिकांश मामलों का संबंध कुत्तों के काटने से होता है। जागरूकता की कमी और समय पर उपचार न मिलना स्थिति को और गंभीर बना देता है। जबकि इस बीमारी की रोकथाम संभव है। नियमित टीकाकरण इसके नियंत्रण का सबसे प्रभावी उपाय माना जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से इस बात पर जोर देते आए हैं कि कुत्तों का बड़े स्तर पर टीकाकरण आवश्यक है। यह बीमारी के स्रोत पर ही रोक लगाने का तरीका है। इसके साथ ही समाज की भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। जिम्मेदारी से पशु पालन और समय पर टीकाकरण से कई जानें बचाई जा सकती हैं। जागरूकता अभियान इस दिशा में अहम भूमिका निभाते हैं। इसी उद्देश्य को लेकर राजस्थान के कोटा शहर में एक बड़ा अभियान आयोजित किया गया।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य था रेबीज़ के खिलाफ निवारक टीकाकरण को बढ़ावा देना। अभियान को इस तरह तैयार किया गया कि कम समय में अधिक से अधिक पालतू पशुओं तक पहुंचा जा सके। साथ ही लोगों को यह समझाया जाए कि शुरुआती सुरक्षा कितनी महत्वपूर्ण है। 1 मार्च

2026 को पेट्स हेल्थ केयर सेंटर और ओ माई पेट से जुड़े डॉ विलास राव और सोहेल बेग ने एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया। उन्होंने एक दिन में सबसे अधिक पालतू पशुओं को एंटी-रेबीज़ टीका लगाने का कीर्तिमान बनाया। छह घंटे के भीतर कुल 1,089 पालतू पशुओं का टीकाकरण किया गया। यह उपलब्धि एक संगठित और तेज़ अभियान का परिणाम थी।

इस रिकॉर्ड की पुष्टि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा की गई। निर्णायक डॉ भुवनेश मथुरिया ने आयोजकों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए। यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि सही योजना और सहयोग से बड़े लक्ष्य कम समय में हासिल किए जा सकते हैं। अभियान के सफल संचालन के पीछे मजबूत तैयारी रही। पंजीकरण, टीकाकरण और निगरानी के लिए अलग-अलग टीमों को जिम्मेदारी दी गई। पूरी प्रक्रिया सुव्यवस्थित रही। पालतू पशु मालिकों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि समाज में जागरूकता बढ़ रही है और लोग अपने पालतू पशुओं के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर हो रहे हैं।

कोटा में एक टीकाकरण अभियान ने रेबीज़ रोकथाम की आवश्यकता को रेखांकित किया। पशुओं के टीकाकरण, जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से जनस्वास्थ्य को मजबूत करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम रहा।

भारत में अभी भी टीकाकरण कवरेज में कई कमियां हैं। कई पालतू और आवारा पशु बिना टीकाकरण के रहते हैं। इससे संक्रमण का खतरा बना रहता है। नियमित अभियान इस स्थिति को सुधारने में मदद कर सकते हैं। ऐसे प्रयास समुदाय और पशु चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच विश्वास भी मजबूत करते हैं।

इस दिशा में अन्य शहरों में भी पहल की गई। जयपुर में वेटरनरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की स्टूडेंट विंग ने 14-15 मार्च 2026 को 'हेल्दी पॉज़ जयपुर - रेबीज़ टीकाकरण एवं कॉलर ड्राइव' का आयोजन किया। इस अभियान में टीकाकरण के साथ-साथ जागरूकता और प्रशिक्षण पर भी ध्यान दिया गया। वेटरनरी छात्र और स्वयंसेवक इसमें सक्रिय रूप से शामिल हुए।

इस तरह के कार्यक्रम युवा पेशेवरों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। वे जमीनी स्तर पर काम करने की समझ विकसित करते हैं। स्वयंसेवक टीकाकरण और जागरूकता गतिविधियों में सहयोग करते हैं। इससे दीर्घकालिक रोग नियंत्रण की दिशा में मजबूत आधार तैयार होता है। यह 'वन हैल्थ' की अवधारणा को भी बढ़ावा देता है, जिसमें मानव और पशु स्वास्थ्य को एक साथ देखा जाता है।

वेटरनरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया इस पूरे तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह देशभर के पशु चिकित्सकों को समर्थन प्रदान करता है। यह संगठन एग्रीवेट रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन के अंतर्गत कार्य करता है और विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं से पंजीकृत है। इसके प्रयास पशु स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याण पर केंद्रित हैं।

रेबीज़ की रोकथाम के लिए बहुस्तरीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है। केवल टीकाकरण पर्याप्त नहीं है। इसके साथ जागरूकता भी जरूरी है। लोगों को कुत्ते के काटने के बाद प्राथमिक उपचार के बारे में जानकारी होनी चाहिए। पोस्ट-एक्सपोजर उपचार तक पहुंच भी आसान होनी चाहिए। स्वास्थ्य और पशु चिकित्सा क्षेत्रों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है।

डॉ विलास राव ने कहा, "रेबीज़ के प्रसार की श्रृंखला को तोड़ने और इंसानों तथा पशुओं दोनों की सुरक्षा के लिए बड़े स्तर पर टीकाकरण ही

सबसे प्रभावी उपाय है।" कोटा का यह अभियान दिखाता है कि केंद्रित प्रयास से बड़ा प्रभाव उत्पन्न किया जा सकता है। यह बताता है कि सीमित समय में बड़ी संख्या को कवर करना संभव है।

भारत ने आने वाले वर्षों में रेबीज़ उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। नियमित टीकाकरण अभियान इस मिशन का मुख्य आधार रहेंगे। जागरूकता को लगातार बढ़ाना होगा। हर पहल इस दिशा में एक नई ऊर्जा जोड़ती है।

कोटा में बना यह रिकॉर्ड इस बात का उदाहरण है कि सही दिशा में सामूहिक प्रयास क्या परिणाम दे सकते हैं। यह पेशेवरों की प्रतिबद्धता और नागरिकों की भागीदारी दोनों को दर्शाता है। आगे का रास्ता इसी तरह के संगठित और निरंतर प्रयासों की मांग करता है, ताकि देशभर में रेबीज़ को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सके।





गणेश भोग का विशाल लहू

हर उत्सव अपने साथ एक खास स्वाद लेकर आता है। वैसे भी, देश में क्षेत्रीय व्यंजनों का महत्व केवल स्वाद तक सीमित नहीं है। भोजन परंपरा, आस्था और सामूहिक स्मृति का हिस्सा होता है। जैसे कि गणेश उत्सव में लहू केवल मिठाई नहीं रहता। वो भोग, कृतज्ञता और सामूहिक उल्लास का प्रतीक बन जाता है। इसी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में एक अभूतपूर्व आयोजन देखने को मिला।



27 अगस्त 2025 को गणेश चतुर्थी के अवसर पर शेफ अश्वर पाल सिंह ने गणेश उत्सव के दौरान बनाया गया अब तक का सबसे भारी लड्डू तैयार कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यह लड्डू 4,442 किलोग्राम वजन की था और इसे 4 सीजन्स ईवेंट मैनेजमेंट के सहयोग से तैयार किया गया। यह आयोजन केवल एक पाक प्रयोग नहीं था। यह तो एक तरह से गणेश भक्ति और सामुदायिक सहभागिता का उत्सव ही बन गया।

यह विशाल लड्डू पारंपरिक सामग्री से बनाया गया था। बेसन इसकी मूल सामग्री रही। घी ने उसमें समृद्धि जोड़ी। चीनी ने मिठास को संतुलित किया। सूखे मेवों ने स्वाद और बनावट को पूर्णता दी। आकार की बात करें तो लड्डू लगभग सात फीट ऊंचा और पांच फीट चौड़ा था। इसे तैयार करने में छह दिन लगे, जिसमें निरंतर मेहनत, योजना और अनुभव की आवश्यकता पड़ी।

इस आयोजन का केंद्र गणेश-भोग यात्रा रही। भक्त बड़ी संख्या में एकत्र हुए। लड्डू को विधिपूर्वक भगवान गणेश को अर्पित किया गया। इसके बाद भोग का वितरण किया गया, ताकि यह परंपरा केवल प्रदर्शन तक सीमित न रहे। लड्डू का उद्देश्य अंततः साझा करना था, और उसी भावना के साथ इसे भक्तों में वितरित किया गया।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के लिए यह आयोजन विशेष महत्व रखता है। द्वीपों की सांस्कृतिक पहचान में सामूहिक उत्सव और भोजन की भूमिका हमेशा रही है। इतने बड़े स्तर पर गणेश भोग का आयोजन होना स्थानीय परंपराओं को राष्ट्रीय मंच पर लाने जैसा रहा। इस उपलब्धि की आधिकारिक पुष्टि 29 नवंबर 2025 को की गई, जिसके बाद

गणेश उत्सव के दौरान अंडमान में तैयार हुआ विशाल लड्डू भारतीय खाद्य परंपराओं का प्रतीक बना। इस रिकॉर्ड उपलब्धि ने भक्ति, सामूहिक सहभागिता और पाक-कौशल को एक सूत्र में बांध दिया और उत्सव को एक नया आयाम दिया।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स दोनों ने इसे मान्यता प्रदान की।

शेफ अश्वर पाल सिंह पहले भी बड़े लड्डू तैयार करने के लिए पहचाने जाते रहे हैं। इससे पहले उनके नाम एक और भारी बेसन लड्डू का रिकॉर्ड दर्ज है। इस बार उन्होंने अपने ही पुराने मानक को पीछे छोड़ दिया। इतने बड़े स्तर पर मिठाई तैयार करना केवल सामग्री बढ़ाने का काम नहीं होता। तापमान नियंत्रण, संरचनात्मक मजबूती और स्वच्छता जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान देना पड़ता है।

पूरे निर्माण के दौरान खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई। लड्डू को इस उद्देश्य से बनाया गया था कि वो भोग के रूप में वितरित हो सके। इसलिए स्वच्छता मानकों और प्रक्रिया की पवित्रता को बनाए रखा गया। आयोजन में शामिल टीम ने हर चरण पर समन्वय बनाए रखा।

अपनी उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए शेफ अश्वर पाल सिंह ने कहा, “यह लड्डू भक्ति और टीमवर्क से बना है। मेरा उद्देश्य गणेश उत्सव की परंपरा का सम्मान करना और यह दिखाना था कि भारतीय भोजन किसी भी स्तर पर लोगों को जोड़ सकता है।” इस रिकॉर्ड का महत्व वैसे भी केवल इसके वजन में नहीं था। इसका महत्व उस सांस्कृतिक संदर्भ में था, जिसमें इसे बनाया गया। यह लड्डू किसी मंच पर सजाया गया प्रतीक नहीं रहा। यह पूजा, यात्रा और वितरण का हिस्सा बना। इसने परंपरा और आधुनिक आयोजन क्षमता के बीच संतुलन दिखाया।

भारत में त्योहारों के साथ जुड़ी मिठाइयां क्षेत्र बदलने के साथ रूप बदलती हैं, लेकिन भाव वही रहता है। इस विशाल लड्डू ने यह सिद्ध किया कि परंपरा को बड़े पैमाने पर भी निभाया जा सकता है, बिना उसकी आत्मा को खोए।

गणेश उत्सव के समापन के बाद भी इस आयोजन की चर्चा बनी रही। लोगों के लिए यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं रहा, बल्कि एक ऐसा क्षण था, जिसमें भक्ति, स्वाद और सामूहिक आनंद एक साथ प्रकट हुए। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के लोगों के लिए गणेश भोग के उद्देश्य से तैयार किया गया यह लड्डू हमेशा एक गौरवपूर्ण यादगार बनकर उनके दिलों में रहेगा।



रोकथाम से बदली तस्वीर

सर्वाइकल कैंसर देश में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। हर वर्ष हजारों महिलाएं इस बीमारी का सामना करती हैं। समस्या का बड़ा कारण देर से पहचान है। कई मामलों में रोग का पता तब चलता है जब वो उन्नत अवस्था में पहुंच चुका होता है। जागरूकता की कमी और नियमित जांच का अभाव इस स्थिति को और जटिल बनाता है। जबकि सच यह है कि यदि समय पर जांच हो जाए तो इस बीमारी को रोका भी जा सकता है और ठीक भी किया जा सकता है।

इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए जनवरी 2026 में एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान शुरू किया गया। गुरुग्राम, हरियाणा स्थित पाथकाइंड डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने 19-31 जनवरी 2026 तक देशभर में सर्वाइकल कैंसर जागरूकता अभियान चलाया। यह अभियान वर्ल्ड सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस वीक के साथ जुड़ा हुआ था। सीमित समय में इतने बड़े स्तर पर काम करना अपने आप में एक चुनौती थी; लेकिन इस पहल ने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया।

इस अभियान के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में कुल 1,591 जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। ये शिविर बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक पहुंचे। इस प्रयास को 14 मार्च 2026 को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता दी गई। यह रिकॉर्ड इस बात का प्रमाण है कि योजना और क्रियान्वयन दोनों स्तरों पर यह पहल प्रभावी रही।

अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं तक स्पष्ट और सरल जानकारी पहुंचाना था। शिविरों में सर्वाइकल कैंसर के कारणों को विस्तार से समझाया गया। ह्यूमन पैपिलोमा वायरस की भूमिका को सरल भाषा में बताया गया। महिलाओं को नियमित जांच की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें यह समझाया गया कि समय पर जांच उनके जीवन को बचा सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने मौके पर ही उनके सवालों के जवाब दिए।

सर्वाइकल कैंसर धीरे-धीरे विकसित होता है। यही इसकी रोकथाम का सबसे बड़ा अवसर भी है। पैप स्मीयर जैसे परीक्षण शुरूआती बदलावों को पहचान सकते हैं। यदि समय रहते इन बदलावों को पकड़ लिया जाए तो बीमारी को आगे बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके अलावा एचपीवी वैक्सीन भी इस जोखिम को कम करती है। फिर भी इन उपायों के बारे में जानकारी हर क्षेत्र तक समान रूप से नहीं पहुंच पाती। इस अंतर को कम करने के लिए यह अभियान डिजाइन किया गया था।

शिविरों में सामुदायिक भागीदारी भी देखने को मिली। स्थानीय स्तर पर लोगों ने इन कार्यक्रमों में रुचि दिखाई। महिलाओं ने खुलकर सवाल पूछे और अपनी चिंताओं को साझा किया। कई महिलाओं ने आगे जांच कराने की इच्छा भी जताई। इस तरह यह पहल केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं रही; बल्कि व्यवहार में बदलाव लाने की दिशा में भी आगे बढ़ी।

इस अभियान की सफलता के पीछे मजबूत समन्वय रहा। अलग-अलग राज्यों में काम कर रही टीमों को एक साथ जोड़ना आसान नहीं था। लॉजिस्टिक्स, संचार और चिकित्सा सहायता को एक साथ व्यवस्थित करना पड़ा। प्रशिक्षित स्टाफ की मौजूदगी ने यह सुनिश्चित किया कि हर स्थान पर सही और उपयोगी जानकारी पहुंचे। यह पाथकाइंड डायग्नोस्टिक्स की वर्षों में विकसित क्षमता को भी दर्शाता है।

पाथकाइंड डायग्नोस्टिक्स देशभर में अपने डायग्नोस्टिक सेंटर के माध्यम से सेवाएं प्रदान करता है। यह संस्था गुणवत्तापूर्ण जांच और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जानी जाती है। इस तरह के अभियान इसकी भूमिका को और विस्तृत करते हैं। यह केवल जांच तक सीमित नहीं रहता; बल्कि लोगों को जागरूक करने का भी काम करता है।

इस पहल को प्रतिभागियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। बड़ी संख्या में महिलाएं इन शिविरों में पहुंचीं। उन्होंने स्वास्थ्य विशेषज्ञों से सीधे बातचीत की। इस तरह के खुले संवाद से हिचकिचाहट कम होती है। कई बार सामाजिक झिझक के कारण महिलाएं जांच कराने से बचती हैं। ऐसे शिविर उन्हें सहज माहौल प्रदान करते हैं।

पाथकाइंड डायग्नोस्टिक्स के एक प्रतिनिधि ने कहा, “हमारा उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा महिलाओं तक स्पष्ट जानकारी पहुंचाना था; हमें विश्वास है कि समय पर जांच जीवन बचा सकती है।” यह अभियान वैश्विक प्रयासों के साथ भी जुड़ा हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी संस्थाएं लगातार जागरूकता, टीकाकरण और नियमित जांच पर जोर देती रही हैं। भारत जैसे बड़े और विविध देश में ऐसे प्रयासों की निरंतर आवश्यकता है। बड़े स्तर पर चलाए गए अभियान इस दिशा में गति प्रदान करते हैं।

यह उपलब्धि केवल एक रिकॉर्ड नहीं है। यह एक संदेश है कि संगठित प्रयास से बदलाव संभव है। जागरूकता से कार्रवाई होती है। कार्रवाई से समय पर पहचान होती है। और समय पर पहचान जीवन बचाती है। यह सीधा संबंध इस अभियान में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

पाथकाइंड का यह प्रयास दिखाता है कि सीमित समय में भी व्यापक प्रभाव डाला जा सकता है। इसने एक ऐसे विषय को केंद्र में लाया जो अक्सर चर्चा से बाहर रह जाता है। इस पहल ने यह भी दिखाया कि निजी स्वास्थ्य संस्थाएं भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य लक्ष्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

सर्वाइकल कैंसर रोके जाने योग्य और उपचार योग्य है; यदि इसे समय पर पहचाना जाए। यही इस अभियान का मूल संदेश था।



लंबी ड्राइव का नया अध्याय

महिलाएं शहरों और हाईवे पर तेजी से ड्राइविंग करने लगी हैं। रोजमर्रा सफर के साथ-साथ लंबी यात्राओं में भी उनकी भागीदारी बढ़ रही है। यह बदलाव महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक दिखाई दे रहा है। सड़कों पर उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। फिर भी लंबी दूरी की ड्राइविंग को लेकर झिझक मौजूद है। सुरक्षा और क्षमता से जुड़े सवाल अक्सर सामने आते हैं। बिना मांगे सलाह मिलती है। रात में ड्राइविंग और लंबी हाईवे यात्रा को लेकर संकोच बना रहता है। कई महिलाएं लंबी रोड ट्रिप से बचती हैं। सामाजिक धारणाएं अभी भी निर्णयों को प्रभावित करती हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए प्रेरक उदाहरण जरूरी होते हैं।

इसी दिशा में एक बड़ा कदम एक राष्ट्रीय स्तर की यात्रा के रूप में सामने आया। एम्बार्क मोटरवर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड ने महिलाओं का एक विशेष काफिला निकाला। यात्रा 8 मार्च 2026 को गुजरात के भुज से शुरू हुई और 21 मार्च 2026 को अरुणाचल प्रदेश के किबिथू में

समाप्त हुई। काफिला हाईवे, मैदान और पहाड़ी रास्तों से होकर गुजरा। काफिले में 12 कारें थीं, जिन्हें महिलाएं चला रही थीं। कुल 40 से अधिक प्रतिभागियों ने इस अभियान में भाग लिया।

यात्रा 4,500 किलोमीटर से अधिक लंबी थी। हर दिन ड्राइवरों ने लंबी दूरी तय की। जैसे-जैसे काफिला पूर्वोत्तर भारत की ओर बढ़ा, रास्ते अधिक चुनौतीपूर्ण होते गए। संकरे रास्ते और तीखे मोड़ ड्राइविंग कौशल की परीक्षा लेते रहे। इसके बावजूद सभी प्रतिभागियों ने संयम और दक्षता के साथ यात्रा पूरी की।

इस प्रयास ने 'भारत के पश्चिमी छोर से पूर्वी छोर तक महिलाओं द्वारा संचालित सबसे बड़ा काफिले' का रिकॉर्ड स्थापित किया। 24 मार्च 2026 को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने इस उपलब्धि की पुष्टि की। निर्णायक रितेश चांदपुरा ने आयोजकों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

इस यात्रा के लिए विस्तृत योजना बनाई गई थी। हर दो घंटे के अंतराल पर विश्राम स्थल तय किए गए थे। मेडिकल सहायता और वाहन खराब होने की स्थिति के लिए पहले से व्यवस्था की गई थी। सभी वाहनों में वॉकी-टॉकी के माध्यम से संपर्क बना हुआ था। पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षा और समन्वय को प्राथमिकता दी गई।

यह काफिला जयपुर, लखनऊ, पटना, सिलीगुड़ी, गुवाहाटी और ईटानगर जैसे शहरों से होकर गुजरा। जहां भी यह काफिला पहुंचा, लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ। लोग रुककर इस अभियान को देखते और सराहते रहे। इस यात्रा ने विभिन्न क्षेत्रों में महिला ड्राइवरों की उपस्थिति को मजबूत रूप से सामने रखा।



किबिथू की ओर अंतिम चरण सबसे चुनौतीपूर्ण था। काफिला भारत-चीन सीमा के पास वालोंग तक पहुंचा। यहां का पहाड़ी इलाका बेहद कठिन था। ड्राइवरों को पूरी एकाग्रता और नियंत्रण के साथ वाहन चलाना पड़ा। यह यात्रा केवल दूरी तय करने का प्रयास नहीं थी; बल्कि यह मानसिक और शारीरिक क्षमता की परीक्षा भी थी।

यह पहल एम्बार्क की 'बोल्ड रूट सीरीज' का हिस्सा थी। कंपनी की संस्थापक मेधा जोसेफ और सुजल पटवर्धन ने यात्रा की रूपरेखा तैयार की। दोनों के पास लंबी दूरी की ड्राइविंग का अनुभव था। उन्होंने अभियान को इस तरह डिजाइन किया कि प्रतिभागियों को केवल ड्राइविंग पर ध्यान देना पड़े और बाकी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित रहें।

यात्रा का प्रभाव केवल सड़क तक सीमित नहीं रहा। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। कई महिलाओं ने पहली बार इतनी लंबी दूरी की ड्राइविंग की। इस अनुभव ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया। साथ ही महिला ड्राइवरों का एक नेटवर्क भी तैयार हुआ। अलग-अलग क्षेत्रों से गुजरने का अनुभव उनके लिए नया और समृद्ध करने वाला रहा।

यह अभियान एक सामाजिक संदेश भी लेकर आया। इसने उस धारणा को चुनौती दी कि हाईवे केवल पुरुषों के लिए हैं। जब महिलाएं राज्यों के पार ड्राइव करती हैं, तो सोच में बदलाव आता है। युवा महिलाओं को नए अवसर दिखाई देते हैं। परिवार भी ऐसे प्रयासों को समर्थन देने के लिए प्रेरित होते हैं। मेधा जोसेफ ने कहा, "जब महिलाएं एक साथ पूरे देश में ड्राइव करती हैं, तो वे यह बदल देती हैं कि सड़क किसकी है और उस पर किसका अधिकार है।"

भारत में सड़क नेटवर्क लगातार विस्तार कर रहा है। इसके साथ नए अवसर भी सामने आ रहे हैं। यदि महिलाएं इस क्षेत्र में पूरी भागीदारी निभाती हैं, तो यह विकास और मजबूत होगा। इसके लिए प्रशिक्षण, जागरूकता और सामाजिक सहयोग आवश्यक है। भुज से किबिथू तक का यह काफिला एक महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर सामने आया है। यह योजना, साहस और सामूहिक प्रयास का परिणाम है। यह पहल सोच में बदलाव का संकेत देती है। भारत की सड़कों पर अब नए ड्राइवर आगे बढ़ रहे हैं। यह यात्रा आने वाले समय में और भी महिलाओं को प्रेरित करेगी कि वे स्टीयरिंग थामें और लंबी यात्राओं का हिस्सा बनें।

भुज से किबिथू तक निकले ऑल-विमेन काफिले ने 4,500 किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर रिकॉर्ड बनाया। अभियान ने धारणाओं को चुनौती दी और विविध परिस्थितियों में लंबी दूरी की ड्राइविंग के प्रति आत्मविश्वास मजबूत किया।





सोलह हजार फीट पर मोनोरेल

अरुणाचल प्रदेश का तवांग क्षेत्र अपनी कठोर जलवायु और बर्फ से ढकी पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। यहां तापमान अचानक गिर जाता है। कई महीनों तक बर्फबारी और खराब मौसम बना रहता है। इलाका दुर्गम और अलग-थलग रहता है। ऐसे हालात में आवाजाही बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाती है। पारंपरिक परिवहन व्यवस्था सीमित पड़ जाती है। इन परिस्थितियों में मोनोरेल एक महत्वपूर्ण सहारा बनकर उभरी है।

कामेंग हिमालय की अग्रिम चौकियों पर तैनात सैनिकों को नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती होती है। सड़कों पर बर्फ और भूस्खलन के कारण अक्सर मार्ग बंद हो जाते हैं। हेलीकॉप्टर की उड़ान मौसम पर निर्भर रहती है। पैदल परिवहन धीमा और जोखिम भरा होता है। ऐसे में सेना को एक ऐसे सिस्टम की जरूरत थी, जो हर परिस्थिति में

भरोसेमंद हो और आपूर्ति को निरंतर बनाए रख सके। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स का बहुत महत्व है।

इस चुनौती का समाधान भारतीय सेना ने अपने स्तर पर तैयार किया। 10 इंजीनियर रेजिमेंट ने एक स्वदेशी मोनोरेल प्रणाली विकसित की। इस परियोजना की शुरुआत 6 अक्टूबर 2025 को 16,000 फीट ऊंचाई पर की गई। यह कार्य एक छोटी टीम ने संभाला, जिसमें एक अधिकारी, एक जूनियर कमीशंड अधिकारी और 15 जवान शामिल थे।

टीम ने बेहद कठिन परिस्थितियों में काम किया। ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर कम था। मौसम कभी भी बदल सकता था। पहाड़ी भूभाग में काम करते समय सटीकता और संतुलन जरूरी था। इन सभी चुनौतियों



के बावजूद परियोजना को 6 नवंबर 2025 तक पूरा कर लिया गया। यह उपलब्धि तकनीकी दक्षता और अनुशासित कार्यप्रणाली का प्रमाण है।

मोनोरेल प्रणाली अब चौबीसों घंटे आपूर्ति सुनिश्चित करती है। एक बार में 300 किलोग्राम से अधिक वजन ले जाने की क्षमता इसे अत्यंत उपयोगी बनाती है। राशन, ईंधन, गोला-बारूद और अन्य आवश्यक सामग्री आसानी से अग्रिम चौकियों तक पहुंचाई जा सकती है। इससे दूरस्थ स्थानों पर तैनात सैनिकों की जरूरतें समय पर पूरी होती हैं।

इस प्रणाली की खासियत यह है कि यह हर मौसम में काम कर सकती है। बर्फबारी, बारिश या तूफान इसकी गति को रोक नहीं पाते। इसे चलाने के लिए निरंतर मानव निगरानी की आवश्यकता नहीं होती। यह विश्वसनीयता इसे सैनिकों के लिए एक मजबूत सहारा बनाती है। इससे अनिश्चित परिवहन साधनों पर निर्भरता कम होती है।

मोनोरेल केवल आपूर्ति तक सीमित नहीं है। यह घायल सैनिकों की निकासी में भी मदद करती है। कठिन परिस्थितियों में जहां हेलीकॉप्टर का उपयोग संभव नहीं होता, वहां यह प्रणाली एक सुरक्षित विकल्प प्रदान करती है। इससे आपात स्थिति में प्रतिक्रिया समय कम होता है और जोखिम भी घटता है। इस परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू आत्मनिर्भरता है। इस प्रणाली की योजना और निर्माण पूरी तरह सेना के भीतर किया गया। यह जमीनी जरूरतों के आधार पर विकसित समाधान है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रणाली वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप हो।

27 मार्च 2026 को इस उपलब्धि को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स दोनों द्वारा मान्यता दी गई। इसे 'भारतीय सेना द्वारा उच्चतम ऊंचाई पर मोनोरेल निर्माण' के रूप में दर्ज किया गया। 28 मार्च 2026 को आईबीआर कार्यालय में नेहा त्यागी ने भारतीय सेना के अधिकारी एन. के. संदीप को पदक और प्रमाण पत्र

तवांग में भारतीय सेना के इंजीनियरों ने अत्यधिक ऊंचाई पर मोनोरेल बनाकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया। इस प्रणाली ने कठिन भूभाग में निरंतर आपूर्ति, तेज़ निकासी और भरोसेमंद लॉजिस्टिक्स को संभव बनाया।

प्रदान किए। यह सम्मान इस परियोजना के तकनीकी और व्यावहारिक महत्व को दर्शाता है। लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत का कहना है कि "यह प्रणाली अग्रिम चौकियों तक निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करती है और कठिनतम परिस्थितियों में हमारी तैयारी को मजबूत बनाती है।"

मोनोरेल ने सेना के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत किया है। यह दूरस्थ चौकियों को आपूर्ति केंद्रों से जोड़ती है। इससे संसाधनों का प्रबंधन बेहतर होता है। समय पर आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लंबे समय तक तैनाती संभव हो पाती है। आधुनिक रक्षा संचालन में इस प्रकार के नवाचार अत्यंत आवश्यक हैं। हर भूभाग अपनी अलग चुनौती लेकर आता है। ऐसे में अनुकूल और स्थानीय समाधान जरूरी होते हैं। स्वदेशी तकनीक का उपयोग बाहरी निर्भरता को कम करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है।



रेलवे पुल से मिली रफ्तार

गर्डर बोझ संभालते हैं और रेलवे नेटवर्क में कंपोजिट गर्डर वायाडक्ट का महत्व बहुत अधिक होता है। ऐसे ढांचे रेल मार्गों को व्यस्त जंक्शनों और क्रॉसिंग से ऊपर उठाकर ले जाते हैं। इससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुचारु होती है। यातायात अवरोध कम होते हैं। सुरक्षा भी बेहतर होती है। आधुनिक रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर में इस प्रकार के पुलों का उपयोग तेजी से बढ़ा है।

कंपोजिट गर्डर वायाडक्ट की संरचना विशेष इंजीनियरिंग सिद्धांतों पर आधारित होती है। इसमें इस्पात के गर्डर और रीइनफोर्सड कंक्रीट डेक को शियर कनेक्टरों के माध्यम से जोड़ा जाता है। इससे दोनों सामग्री एक संयुक्त संरचना के रूप में काम करती हैं। परिणामस्वरूप संरचना अधिक मजबूत और स्थिर बनती है। यह भारी रेल भार और लगातार गतिशील दबाव को सहन कर सकती है।

भारत में बढ़ती रेल आवाजाही ने ऐसे समाधानों की आवश्यकता को और बढ़ा दिया है। देश के कई प्रमुख रेल मार्गों पर माल और यात्री ट्रेनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विशेषकर औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े गलियारों में ट्रेनों की भीड़ अक्सर परिचालन को प्रभावित करती है। ऐसे में ग्रेड सेपरेटर और वायाडक्ट परियोजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मध्य प्रदेश के कटनी में इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना विकसित की गई। एल एंड टी जियो स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई ने

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के अंतर्गत कार्य करते हुए 'किसी संगठन द्वारा निर्मित सबसे लंबे कंपोजिट गर्डर वायाडक्ट' का रिकॉर्ड स्थापित किया। यह परियोजना कटनी रेलवे ग्रेड सेपरेटर परियोजना का हिस्सा है।

इस परियोजना का अप-लाइन सेक्शन 15.85 किलोमीटर लंबा है। इसे भारत के सबसे लंबे रेलवे वायाडक्ट के रूप में माना जा रहा है। इस संरचना में 7.04 किलोमीटर लंबाई के रेल वायाडक्ट शामिल हैं, जिनमें कंपोजिट और ओपन वेब गर्डर का उपयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त रिटेंनिंग वॉल, रेल ट्रैक के लिए लैंड वर्क और अन्य नागरिक निर्माण कार्य भी इस परियोजना का हिस्सा हैं।

कटनी ग्रेड सेपरेटर का उद्देश्य सिंगरौली-बिलासपुर-बीना रेल गलियारे में भीड़ कम करना है। यह मार्ग मध्य भारत के महत्वपूर्ण औद्योगिक और कोयला परिवहन क्षेत्रों को जोड़ता है। यहां भारी मालगाड़ियां लगातार चलती हैं। पहले विभिन्न रेल मार्गों के मिलने के कारण यातायात में रुकावटें आती थीं। वायाडक्ट बनने के बाद रेल यातायात को ऊंचाई पर ले जाया गया है। इससे विभिन्न लाइनों के बीच टकराव की स्थिति कम हुई है। ट्रेनें अधिक सुचारु रूप से चल सकती हैं। इससे परिचालन दक्षता में सुधार हुआ है।

इस परियोजना के निर्माण में प्रीकास्ट और कास्ट-इन-सिटू तकनीकों का संयोजन किया गया। इससे निर्माण की गति तेज हुई और संरचना

मध्य प्रदेश के कटनी जिले में निर्मित 15.85 किलोमीटर लंबे कंपोजिट गर्डर रेलवे वायाडक्ट ने व्यस्त फ्राइट कॉरीडोर में रेल यातायात सुगम बनाया। इस परियोजना ने रेल संचालन की दक्षता और सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान की है।

की मजबूती भी बनी रही। मजबूत पिलर और नींव प्रणाली इस पुल को सहारा देती है। इसे उच्च गति वाली ट्रेनों के भार को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

परियोजना के पूर्ण होने के बाद इसकी विस्तृत जांच की गई। अगस्त 2025 में सीआरएस निरीक्षण किया गया। इसके बाद 130 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से स्पीड ट्रायल किया गया। परीक्षण सफल रहने के बाद यह सेक्शन नियमित संचालन के लिए तैयार घोषित किया गया। 29 अगस्त 2025 को इस खंड को औपचारिक रूप से रेल संचालन के लिए खोल दिया गया। इसके बाद से इस मार्ग पर ट्रेन संचालन अधिक

व्यवस्थित हो गया है। मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों को इससे लाभ मिला है।

इस उपलब्धि की पुष्टि 23 दिसंबर 2025 को हुई। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने इस परियोजना को 'किसी संगठन द्वारा निर्मित सबसे लंबे कंपोजिट गर्डर वायाडक्ट' के रूप में मान्यता दी। रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह परियोजना आधुनिक संरचनात्मक इंजीनियरिंग और सटीक निर्माण प्रबंधन का उदाहरण है, जो भारत के व्यस्त रेल गलियारों में सुरक्षित और तेज रेल संचालन सुनिश्चित करती है।

रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर में इस प्रकार की परियोजनाएं दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ती हैं। जब रेल मार्गों को ऊंचाई पर ले जाया जाता है, तो नेटवर्क की क्षमता बढ़ती है। यातायात प्रवाह बेहतर होता है। औद्योगिक परिवहन भी तेज होता है। कटनी का यह 15.85 किलोमीटर लंबा वायाडक्ट भारतीय रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर की प्रगति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन गया है। यह परियोजना दर्शाती है कि उन्नत इंजीनियरिंग और बड़े पैमाने की योजना के माध्यम से देश के परिवहन नेटवर्क को नई दिशा दी जा सकती है।

यह परियोजना भविष्य की रेल योजनाओं के लिए एक संदर्भ बिंदु बन सकती है। इसी प्रकार के वायाडक्ट अन्य व्यस्त जंक्शनों पर भी विकसित किए जा सकते हैं। इससे नेटवर्क पर दबाव कम होगा। समय की बचत होगी। ईंधन की खपत भी घटेगी। पर्यावरणीय प्रभाव नियंत्रित रहेगा। इस संरचना ने न केवल यातायात को सुगम किया; बल्कि इसने योजना और निष्पादन के बीच संतुलन भी दिखाया। बड़े प्रोजेक्ट समय पर पूरे किए जा सकते हैं। सही तकनीक से गुणवत्ता बनी रहती है। कटनी वायाडक्ट इस सोच का प्रमाण है। यह आने वाले वर्षों में भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण को गति देगा।



ARMY MEDICAL CORPS MOTORCYCLE EXPEDITION



पहियों पर सेना के चिकित्सक

हमारे देश की सैन्य स्वास्थ्य व्यवस्था के केंद्र में स्थित है आर्मी मेडिकल कॉर्प्स, दिल्ली। इसकी भूमिका युद्धक्षेत्र की चिकित्सा से लेकर शांतिकालीन देखभाल तक फैली हुई है। डॉक्टर, पैरामेडिक्स और सहायक स्टाफ विभिन्न परिस्थितियों में सेवा देते हैं। उनका कार्य अक्सर नज़र से दूर रहता है। अप्रैल 2022 में, कॉर्प्स ने अपने लोगों को सम्मानित करने के लिए एक अनोखा तरीका चुना। आज़ादी के अमृत महोत्सव और आर्मी मेडिकल कॉर्प्स के 258वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक बहु-राज्य मोटरसाइकिल अभियान शुरू किया गया।

इस अभियान को 3 अप्रैल 2022 को सर्ज वाइस एडमिरल रजत दत्ता, महानिदेशक सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाएं, ने हरी झंडी दिखाई। यात्रा की शुरुआत नेशनल वॉर मेमोरियल पर उन चिकित्सा कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई, जिन्होंने सेवा के दौरान अपने प्राण न्योछावर किए। अभियान ने 18 दिनों में 10,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की।

यात्रा मार्ग 12 राज्यों से होकर गुज़रा, जिनमें पूर्वोत्तर के सात राज्य शामिल थे। लगभग 5,500 किलोमीटर का सफर जंगलों और पहाड़ी इलाकों से होकर था। सवारों को बदलते मौसम, कठिन सड़कों और लंबी राइडिंग का सामना करना पड़ा। यह मिशन योजना, अनुशासन और शारीरिक सहनशक्ति की मांग करता था।

टीम में आर्मी मेडिकल कॉर्प्स के दस स्वयंसेवक शामिल थे। इसमें अधिकारी, जूनियर कमीशंड ऑफिसर और अन्य रैंक के सदस्य थे। सभी

प्रतिभागी चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े थे। अभियान का नेतृत्व कर्नल राजेश डब्ल्यू. अथाऊ ने किया, जो सेना मेडल से सम्मानित और अनुभवी पर्वतारोही हैं। उच्च हिमालयी अभियानों का उनका अनुभव मार्ग प्रबंधन और सुरक्षा में सहायक रहा।

इस अभियान का उद्देश्य केवल दूरी तय करना नहीं था। यात्रा के दौरान टीम ने लगभग 75 आर्मी यूनिट्स का दौरा किया। इनमें वे चिकित्सा यूनिट्स शामिल थीं जो दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में तैनात थीं। सवारों ने डॉक्टरों और पैरामेडिक्स से संवाद किया। उन्होंने कोविड महामारी के दौरान दी गई सेवाओं के लिए सराहना व्यक्त की। मोटरसाइकिलों पर साथियों की उपस्थिति का प्रतीकात्मक महत्व था।

महामारी के वर्षों में आर्मी मेडिकल कॉर्प्स ने निरंतर दबाव में कार्य किया। फील्ड अस्पताल, क्वारंटाइन केंद्र और आपातकालीन प्रतिक्रियाएं रोज़मर्रा के कार्य बन गए थे। यह अभियान एक चलती-फिरती कृतज्ञता का संकेत बना। इसने नेतृत्व को फ्रंटलाइन केयरगिवर्स से जोड़ा।

यात्रा का समापन लखनऊ में हुआ। योजना थी कि तीनों सेनाओं के प्रमुख इसे औपचारिक रूप से समापन देंगे। यह समापन एक तीव्र कार्यक्रम का अंत था। हर दिन ईंधन, विश्राम, रखरखाव और चिकित्सा तैयारी का समन्वय आवश्यक था। मोटरसाइकिलों ने विविध भूभागों में भरोसेमंद प्रदर्शन किया।

बाद में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने इस उपलब्धि को मान्यता दी। 22 दिसंबर 2025 को इसे रक्षा टीम द्वारा किया गया सबसे लंबा बहु-

आर्मी मेडिकल कॉर्प्स ने पूरे भारत में एक ऐतिहासिक मोटरसाइकिल अभियान पूरा किया, जिसने सेवा का सम्मान किया, फील्ड मेडिकल यूनिट्स को प्रेरित किया और दूरस्थ क्षेत्रों में देखभाल की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

राज्य मोटरसाइकिल अभियान घोषित किया गया। इस मान्यता ने आर्मी मेडिकल कॉर्प्स को एक विशिष्ट रिकॉर्ड श्रेणी में स्थान दिया। कॉर्प्स का आदर्श वाक्य है “सर्वे सन्तु निरामया”। यह वाक्य स्वास्थ्य और उपचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अभियान ने इस सिद्धांत को गतिशील रूप दिया।

कर्नल राजेश डब्ल्यू. अथाऊ ने कहा, “यह अभियान हमारे उन चिकित्सा साथियों तक पहुंचने के लिए था, जहां वे सेवा देते हैं। यह



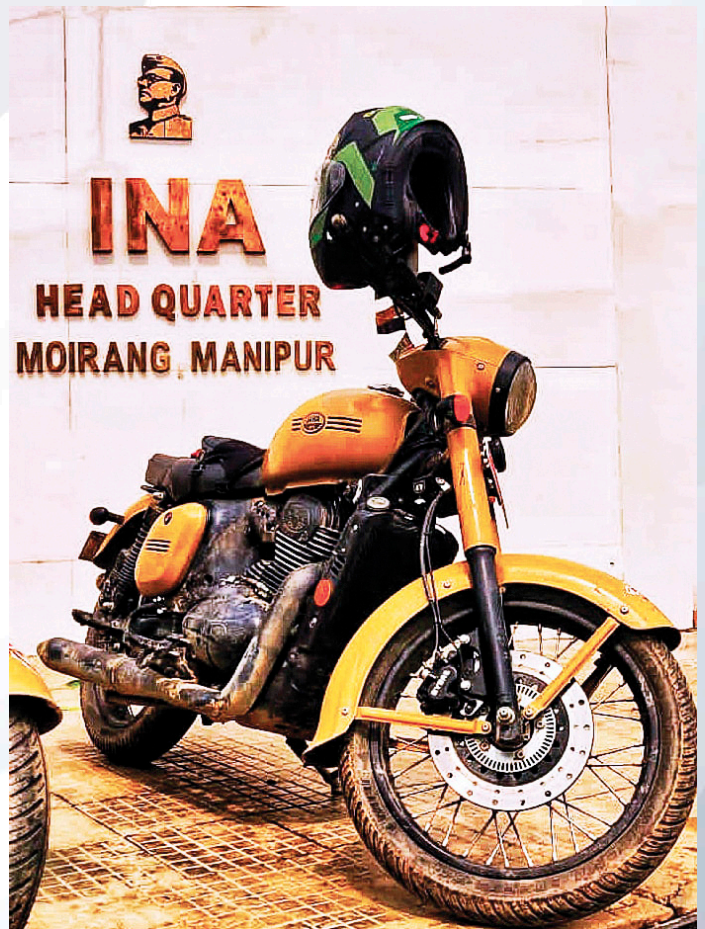
राइड सम्मान, प्रेरणा और साझा उद्देश्य की भावना को हर यूनिट तक ले गई।”

अभियान ने दिल्ली स्थित आर्मी मेडिकल कॉर्प्स की व्यापक संरचना को भी रेखांकित किया। आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज़ जैसी संस्थाएं भविष्य के सैन्य डॉक्टरों को प्रशिक्षित करती हैं। शिक्षा, सेवा और संचालन की तत्परता एक-दूसरे से जुड़ी रहती हैं। मोटरसाइकिल यात्रा ने इस निरंतरता को सुदृढ़ किया।

ऐसे अभियानों के लिए स्वैच्छिक भावना आवश्यक होती है। भागीदारी अनिवार्य नहीं थी। प्रत्येक सवार ने समय और ऊर्जा का स्वेच्छा से निवेश किया। उनका प्रयास दायित्व से अधिक व्यक्तिगत विश्वास का प्रतिबिंब था। इसी कारण मार्ग में जिन यूनिट्स तक संदेश पहुंचा, वो अधिक प्रभावी रहा। सैन्य परंपरा में मोटरसाइकिल अभियानों का विशेष स्थान है। वे सहनशक्ति और टीमवर्क की परीक्षा लेते हैं।

सवारों ने उपचारकर्ताओं की पहचान को आगे रखा। इस रिकॉर्ड ने दिखाया कि गति कैसे अर्थ को साथ ले जा सकती है। इसने यह भी दिखाया कि सम्मान सड़कों पर चल सकता है, केवल समारोहों तक सीमित नहीं रहता। आर्मी मेडिकल कॉर्प्स के लिए यह अभियान साझा अनुभव का एक अध्याय जोड़ता है। यह इतिहास का सम्मान करता है। वर्तमान को प्रेरित करता है। और भविष्य की उन पहलों के लिए एक संदर्भ स्थापित करता है, जो सेवा, पहुंच और अनुशासित क्रियान्वयन को एक साथ जोड़ती हैं।







विज्ञान चेतना का जनांदोलन

बदलती दुनिया में छात्रों के भीतर वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना अब बेहद आवश्यक हो गया है। आज की शिक्षा केवल तथ्यों को याद करने तक सीमित नहीं रही। कक्षाओं का स्वरूप बदल रहा है। सीखने की प्रक्रिया अब अनुभव, प्रयोग और समझ पर आधारित होती जा रही है। छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे सवाल पूछें, खोज करें और अपने ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों में लागू करें। यही बदलाव आंध्र प्रदेश में एक बड़े विज्ञान अभियान के रूप में स्पष्ट दिखाई दिया।

आंध्र प्रदेश के अमरावती स्थित साइंस सिटी ने एक राज्यव्यापी कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 29,423 छात्रों ने एक साथ अलग-अलग स्थानों पर विज्ञान प्रयोग किए। आयोजन केवल एक गतिविधि नहीं था; बल्कि हजारों विद्यार्थियों को एक साथ जोड़ने वाला एक बड़ा शैक्षणिक प्रयास था।

इस उपलब्धि को एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता दी गई। इसे विभिन्न स्थानों पर एक साथ विज्ञान

प्रयोग करने वाले छात्रों की सबसे बड़ी संख्या के रूप में दर्ज किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान को रोचक और सक्रिय बनाना था। छात्रों ने विज्ञान और तकनीक, जीवन विज्ञान, ऊर्जा और बिजली, गणित, भौतिकी, स्मार्ट प्लांटेशन और कृषि से जुड़े प्रयोग किए। ये विषय रोजमर्रा के जीवन से जुड़े हुए थे। छात्रों ने खुद इन प्रयोगों को करके समझा कि सिद्धांत कैसे व्यवहार में बदलते हैं। इस प्रक्रिया ने उनकी समझ को गहरा किया।

राज्य के विभिन्न स्कूलों से छात्रों ने इसमें भाग लिया। शहरों और गांवों दोनों से विद्यार्थियों की भागीदारी रही। हर कक्षा एक प्रयोगशाला में बदल गई। साधारण विचारों को मॉडल में बदला गया। छात्रों ने अपने हाथों से काम किया। शिक्षकों ने मार्गदर्शन दिया; लेकिन नेतृत्व छात्रों के हाथ में रहा। इससे उनमें आत्मविश्वास और जिज्ञासा दोनों विकसित हुए।

यह कार्यक्रम साइंस समग्र महोत्सव 2K26 से भी जुड़ा हुआ था। इस महोत्सव ने छात्रों को अपने विचार प्रस्तुत करने का मंच दिया। कुल

आंध्र प्रदेश में 29,423 छात्रों ने एक साथ विज्ञान प्रयोग कर नया रिकॉर्ड बनाया। इस पहल ने प्रयोग आधारित शिक्षा, और वैज्ञानिक सोच को राज्य में मजबूत दिशा दी। पूरे कार्यक्रम में साइंस सिटी ऑफ आंध्र प्रदेश की केंद्रीय भूमिका रही।

26 जिलों से 29,423 छात्रों ने इसमें भाग लिया। उन्होंने टीम बनाकर ऐसे प्रोजेक्ट तैयार किए जो वास्तविक जीवन की समस्याओं से जुड़े थे। इस प्रक्रिया ने उन्हें समाधान खोजने की दिशा में सोचने के लिए प्रेरित किया।

चयन प्रक्रिया कई चरणों में हुई। पहले स्कूल स्तर पर प्रोजेक्ट चुने गए। इसके बाद मंडल, जिला और राज्य स्तर पर मूल्यांकन किया गया। विशेषज्ञों ने प्रत्येक प्रोजेक्ट को समझ, व्यवहारिकता, नवाचार और टीमवर्क के आधार पर परखा। इस प्रक्रिया ने पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की।

इस पहल का प्रभाव छात्रों के व्यवहार में साफ दिखाई दिया। उन्होंने विज्ञान को केवल किताबों तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने प्रयोग किए, परिणाम देखे और निष्कर्ष निकाले। यह अनुभव उनके लिए नया और प्रेरणादायक था। उन्होंने अपने आसपास की समस्याओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने की कोशिश की।

साइंस सिटी ऑफ आंध्र प्रदेश संस्था लंबे समय से अनुभव आधारित शिक्षा को बढ़ावा दे रही है। इस पहल ने उसकी सोच को और मजबूत किया। इतनी बड़ी संख्या में छात्रों को जोड़ने के लिए विस्तृत तैयारी की गई। स्कूलों ने समय का समन्वय किया। आवश्यक सामग्री पहले से उपलब्ध कराई गई। डिजिटल माध्यमों का उपयोग गतिविधियों को रिकॉर्ड और मॉनिटर करने के लिए किया गया। यह पूरी प्रक्रिया सुव्यवस्थित और स्पष्ट रही।

साइंस सिटी ऑफ आंध्र प्रदेश के सीईओ वेंकटेश्वरलु केसिनेनी ने कहा, “हमारा उद्देश्य ऐसा मंच तैयार करना था जहां छात्र विज्ञान को अनुभव के रूप में समझ सकें। यह रिकॉर्ड उनकी जिज्ञासा और भागीदारी का प्रमाण है।” एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा इस उपलब्धि की पुष्टि की गई। प्रतिभागियों की संख्या और गतिविधियों का सत्यापन किया गया। इसके बाद निर्णायक वर्षा लख्यानी ने पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

यह पहल समावेशिता दर्शाती है। विभिन्न क्षेत्रों से आए छात्रों को समान अवसर मिला। इससे अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आए। आंध्र प्रदेश

के इस प्रयास ने दिखाया कि विज्ञान को छात्रों के करीब कैसे लाया जा सकता है। जब छात्र खुद प्रयोग करते हैं तो उनकी सोच विकसित होती है। वे आत्मविश्वास के साथ सीखते हैं। यह अनुभव उनके भविष्य के करियर और जीवन दोनों को प्रभावित कर सकता है।

यह उपलब्धि एक बड़े बदलाव का संकेत है। शिक्षा अब केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं है; बल्कि सोच और समझ विकसित करने का साधन बन रही है। यह पहल विज्ञान को केंद्र में रखकर बनाई गई।



कब्ज पर खुला संवाद

कब्ज पाचन संबंधी शिकायतों में से एक प्रमुख समस्या है। यह समस्या रोज़मर्रा की सहजता को प्रभावित करती है। दिनचर्या को बाधित करती है। कई मरीज हिचकिचाहट महसूस करते हैं। वे बातचीत टालते हैं। क्लिनिकों में यह समस्या अक्सर अनकही रह जाती है। यह खामोशी असुविधा बढ़ाती है। इलाज में भी देरी होती है। मधुमेह और उच्च रक्तचाप से जुड़ा रहे लोगों में इसका बोझ और बढ़ जाता है। दवाएं, आहार और कम गतिशीलता जोखिम बढ़ाते हैं। फिर भी बातचीत सीमित रहती है।

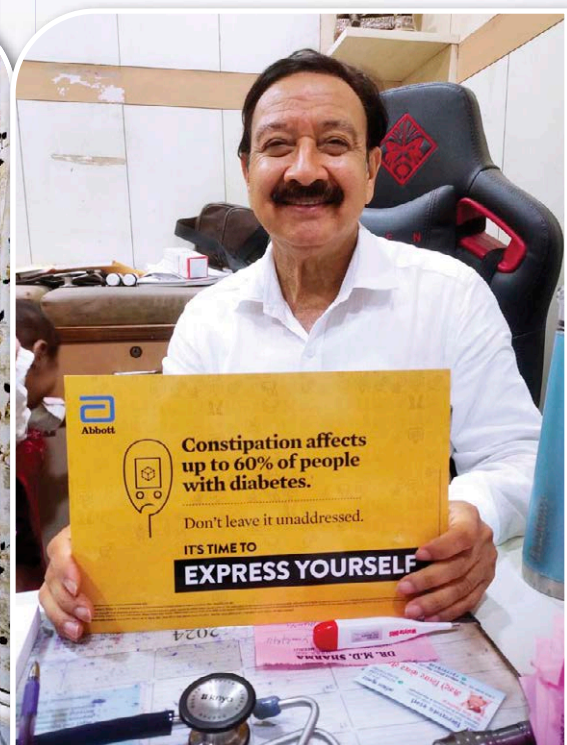
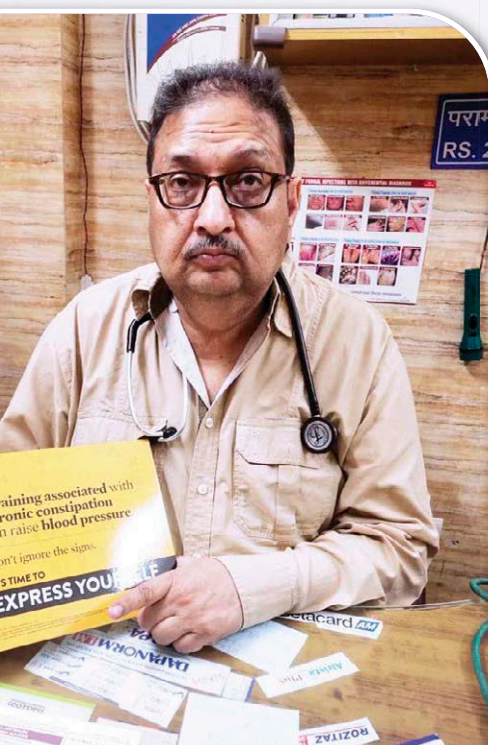
चिकित्सकीय समझ लंबे समय से स्पष्ट है। कब्ज दुर्लभ नहीं है। यह मामूली भी नहीं है। यह जीवनशैली में असंतुलन का संकेत हो सकता है। यह अंतर्निहित बीमारियों को भी दर्शा सकता है। नियमित संवाद से शुरुआती प्रबंधन संभव होता है। डॉक्टर यह जानते हैं। मरीज अक्सर पहले बोलते नहीं हैं। संवाद की यही खाई कुछ महीने पहले शुरू हुई एक बड़ी राष्ट्रीय पहल का केंद्र बनी।

एबॉट इंडिया लिमिटेड ने “एक्सप्रेस योरसेल्फ – लेट्स टॉक कॉन्स्टिपेशन” शीर्षक से मरीज जागरूकता अभियान का नेतृत्व किया।

इस पहल का उद्देश्य कब्ज पर बातचीत को सामान्य बनाना था। इसने डॉक्टरों को संवाद के लिए आमंत्रित करने के लिए प्रेरित किया। गरिमा और स्पष्टता पर जोर रहा। अभियान 7 सितंबर से 6 नवंबर 2025 तक चला। इस अवधि में भारत के विभिन्न स्थानों पर 8,582 स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लिया।

इस रिकॉर्ड को कब्ज पर खुली बातचीत की वकालत करने वाले सबसे अधिक एचसीपी के रूप में मान्यता मिली। एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की निर्णायक लता टैक ने पदक और रिकॉर्ड प्रमाणपत्र प्रदान किया, जिससे अभियान के पैमाने और उद्देश्य की औपचारिक मान्यता हुई। यह अभियान क्लिनिकों, अस्पतालों और सामुदायिक प्रैक्टिस तक पहुंचा। विभिन्न विशेषज्ञताओं के डॉक्टर जुड़े। फिजिशियन, डायबेटोलॉजिस्ट और जनरल प्रैक्टीशनर ने योगदान दिया। ध्यान मरीज-डॉक्टर संवाद पर रहा। डॉक्टरों ने मरीजों को खुलकर बोलने के लिए प्रोत्साहित किया। सरल सवाल से बातचीत शुरू हुई। लक्षणों पर बिना किसी जजमेंट के चर्चा हुई।

कब्ज की समस्या हर आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित करती है। कम फाइबर वाला आहार जोखिम बढ़ाता है। पर्याप्त पानी न पीने से समस्या



बढ़ती है। निष्क्रिय आदतें लक्षणों को बढ़ाती हैं। कुछ दवाएं आंतों की गति धीमी करती हैं। मधुमेह आंतों की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकता है। उच्च रक्तचाप के इलाज में प्रयुक्त दवाएं भी मल त्याग के पैटर्न बदल सकती हैं। बातचीत के बिना मरीज गलत तरीके से स्वयं प्रबंधन करते हैं।

अभियान ने इस वास्तविकता को संबोधित किया। डॉक्टरों ने रोज़मर्रा की आदतों पर चर्चा की। फाइबर सेवन समझाया गया। तरल पदार्थ की मात्रा की समीक्षा हुई। शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित किया गया। दवाओं के इतिहास का आकलन किया गया। मरीजों को लगा कि उनकी बात सुनी जा रही है। बोलने से चिंता कम हुई। कई लोगों ने समझा कि इस स्थिति का प्रबंधन संभव है।

कई डॉक्टरों ने सक्रिय रूप से पहल का समर्थन किया। डॉ. सुब्रत कुमार भट्टाचार्य, डॉ. आशीम साहा, डॉ. रामकृष्ण बनिक, डॉ. बी. एस. चौधरी, डॉ. इंद्रजीत पॉल, डॉ. गितेश भट्टाचार्य, डॉ. एस. जैन और डॉ. नित्यानंद घोष उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने जागरूकता प्रयास में भाग लिया। उनकी भागीदारी इस साझा समझ को दर्शाती है कि मरीज की सहजता संवाद से शुरू होती है।

एबॉट इंडिया दशकों से स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत है। इसकी उपस्थिति डायग्नोस्टिक्स, दवाओं और मरीज शिक्षा तक फैली है। कब्ज अभियान इसके रोज़मर्रा के स्वास्थ्य मुद्दों पर फोकस के अनुरूप था। दुर्लभ स्थितियों को उजागर करने के बजाय, पहल ने उस आम चिंता को संबोधित किया जो जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करती है।

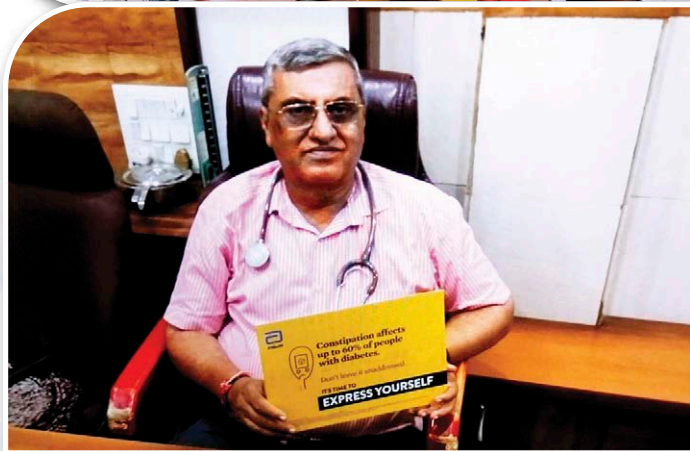
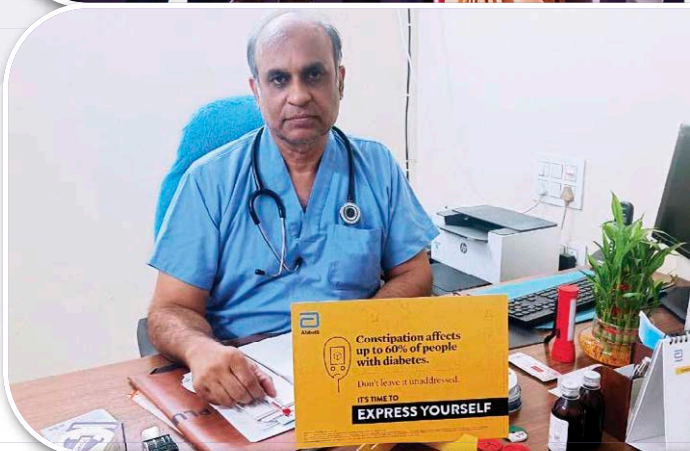
अभियान की संरचना व्यावहारिक रही। शैक्षणिक सामग्री ने परामर्श को सहारा दिया। संदेशों में भय नहीं था। सामान्यीकरण पर ध्यान रहा। डॉक्टरों ने सुना। मरीजों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। कई लोगों ने वर्षों से अनदेखी की गई चिंताओं को साझा किया। क्लिनिकल दृष्टि से खुली चर्चा परिणाम बेहतर करती है। शुरुआती हस्तक्षेप जटिलताओं को कम करता है। जीवनशैली संबंधी मार्गदर्शन तब सबसे प्रभावी होता है जब मरीज कारण समझते हैं। विश्वास से अनुपालन मजबूत होता है। डॉक्टरों को भी लाभ होता है। स्पष्ट संवाद समय बचाता है। फॉलो-अप आसान होता है।

एबॉट इंडिया के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि ने कहा, “कब्ज लाखों लोगों को प्रभावित करता है, फिर भी इसके चारों ओर खामोशी रहती है। इस अभियान ने डॉक्टरों को सहानुभूति और स्पष्टता के साथ बातचीत का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया। जब मरीज सहज होकर बोलते हैं, तो देखभाल बेहतर होती है।”

इस रिकॉर्ड ने पेशेवर एकजुटता को रेखांकित किया। डॉक्टर साथ आए। कोई एकल आयोजन नहीं था। अभियान कई हफ्तों तक चला। दिखावे की जगह निरंतरता रही। यह सतत दृष्टिकोण उद्देश्य के अनुरूप था।

भागीदारी का पैमाना महत्वपूर्ण रहा। 8,582 डॉक्टर हजारों क्लिनिकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। हर बातचीत परिवारों तक पहुंची। हर परामर्श ने तरंगें पैदा कीं। जागरूकता क्लिनिक कक्ष से बाहर तक फैली। मरीजों ने घर पर भी इस विषय पर चर्चा की। धीरे-धीरे कलंक कम हुआ। कब्ज शुरुआती चरण में संबोधित होने पर प्रबंधनीय रहता है। खामोशी इसे बिगाड़ती है। इस अभियान ने दिखाया कि चिकित्सा नेतृत्व स्वर बदल सकता है।

एक राष्ट्रव्यापी चिकित्सा अभियान कब्ज को खुले संवाद में लेकर आया, जब 8,582 डॉक्टर एक मरीज जागरूकता पहल से जुड़े। इस अभियान से एक आम लेकिन उपेक्षित स्थिति पर क्लिनिकल बातचीत का ढांचा बदला।



पाचन स्वास्थ्य पर फोकस

बदलती जीवनशैली, अनियमित भोजन, तनाव और नींद की कमी ने एसिड रिफ्लक्स जैसी स्थितियों को आम बना दिया है। कई लोग लक्षणों को हल्का मानकर टाल देते हैं। जलन, खट्टी डकार, सीने में असहजता और बार-बार होने वाली अपच अक्सर अनदेखी रह जाती है। नियमित स्क्रीनिंग इन छिपे संकेतों को सामने लाने का सबसे प्रभावी तरीका है। शुरुआती पहचान आगे होने वाली जटिलताओं को रोक सकती है।

चिकित्सकीय रूप से यह स्पष्ट है कि लंबे समय तक अनुपचारित रिफ्लक्स केवल असुविधा तक सीमित नहीं रहता। यह नींद को प्रभावित करता है। कार्यक्षमता घटाता है। कुछ मामलों में यह श्वसन समस्याओं, गले के संक्रमण और अन्य पाचन विकारों को भी बढ़ा सकता है। इसके बावजूद बहुत से मरीज जांच कराने में देर कर देते हैं। जागरूकता की कमी और सामान्य झिझक इसके प्रमुख कारण हैं। इसी अंतर को पाटने के लिए देशव्यापी स्तर पर एक संगठित प्रयास किया गया।

सन फार्मास्युटिकल्स लेबोरेटरीज लिमिटेड ने इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाया। कंपनी ने 3 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 के बीच पाचन स्वास्थ्य से जुड़ा एक व्यापक स्क्रीनिंग और जागरूकता अभियान चलाया। इस अवधि में देशभर के 11,022 स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लिया। उनके माध्यम से 1,59,040 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई। इस पहल का उद्देश्य था समय रहते पहचान करना और मरीजों को आगे की

देखभाल के लिए प्रेरित करना। एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने 3 जनवरी 2026 को इस उपलब्धि की पुष्टि की।

इस अभियान को स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा संचालित सबसे बड़े पाचन रिफ्लक्स स्क्रीनिंग और जागरूकता कार्यक्रम के रूप में मान्यता मिली। इतनी बड़ी संख्या में स्क्रीनिंग के लिए समन्वय आवश्यक था। क्लीनिक, अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रक्रिया को सुव्यवस्थित रखा गया। सरल प्रश्नावली और प्रारंभिक मूल्यांकन के माध्यम से मरीजों की स्थिति समझी गई। कई लोगों के लिए यह पहली बार था जब उन्होंने अपने लक्षणों पर खुलकर बात की।

अभियान का फोकस केवल संख्या तक सीमित नहीं रहा। मरीजों को यह समझाया गया कि बार-बार होने वाली जलन सामान्य नहीं है। जीवनशैली में छोटे बदलाव भी बड़ा असर डाल सकते हैं। भोजन के समय, मसालेदार खाद्य पदार्थों का सेवन, देर रात खाना और मोटापा जैसे कारकों पर चर्चा हुई। जरूरत पड़ने पर आगे की जांच और चिकित्सकीय सलाह लेने पर जोर दिया गया।

वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और आईबीडी विशेषज्ञ डॉ. किरण पेड्डी ने कहा, “पाचन से जुड़ी समस्याएं धीरे-धीरे बढ़ती रहती हैं। स्क्रीनिंग से हम उन्हें शुरुआती स्तर पर पकड़ सकते हैं। सही समय पर सलाह और उपचार से मरीजों का जीवन बेहतर हो सकता है।” उनका मानना है कि



खुली बातचीत और नियमित जांच से बीमारी की दिशा बदली जा सकती है।

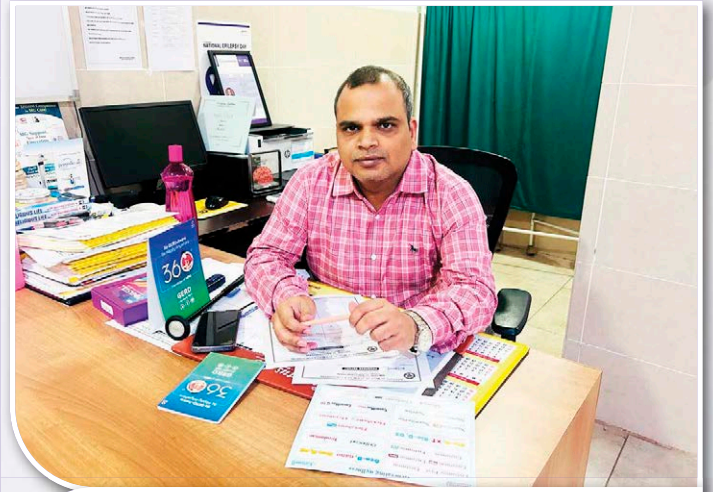
सन फार्मा का स्वास्थ्य क्षेत्र में लंबा अनुभव इस पहल में झलका। कंपनी का जोर केवल उपचार पर नहीं, बल्कि रोकथाम और जागरूकता पर भी रहा है। इस अभियान ने यही दृष्टिकोण अपनाया। मरीजों तक जांच को पहुंचाकर अस्पताल आने से पहले ही जोखिम की पहचान करने का प्रयास किया गया। इससे चिकित्सकों और मरीजों के बीच संवाद मजबूत हुआ।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की निर्णायक कश्मीरा शाह ने मुंबई में सन फार्मा के अधिकारियों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस पहल से स्पष्ट हुआ कि पाचन स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। कई मरीज वर्षों तक लक्षण सहते रहते हैं। स्क्रीनिंग उन्हें अपनी स्थिति समझने का अवसर देती है। समय पर हस्तक्षेप से दवाओं की आवश्यकता कम हो सकती है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बन सकती है।

देशभर में की गई 1,59,040 स्क्रीनिंग्स हर व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं। हर बातचीत संभावित जटिलता को टाल सकती है। यह अभियान दिखाता है कि जब स्वास्थ्य पेशेवर एक साथ आते हैं, तो रोकथाम को व्यापक स्तर पर लागू किया जा सकता है। पाचन स्वास्थ्य अब हाशिए का विषय नहीं रहा। यह राष्ट्रीय प्रयास इसे मुख्यधारा में ले आया। रिकॉर्ड पुस्तकों में दर्ज यह उपलब्धि भविष्य की पहल के लिए एक संदर्भ बनेगी। असली प्रभाव उन मरीजों में दिखेगा जिन्होंने समय रहते जांच कराई और अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक कदम उठाया।

यह पहल आगे की रणनीतियों के लिए एक आधार तैयार करती है। स्क्रीनिंग को नियमित अभ्यास बनाया जा सकता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर इसे जोड़ा जा सकता है। डिजिटल टूल्स के माध्यम से लक्षणों की पहचान और फॉलो-अप आसान हो सकता है। टेलीमेडिसिन के जरिए विशेषज्ञ सलाह दूर-दराज स्थानों तक पहुंच सकती है। कार्यस्थलों

और शिक्षण संस्थानों में जागरूकता सत्र बढ़ाए जा सकते हैं। इससे युवा वर्ग भी समय रहते सतर्क होगा। पोषण पर ध्यान देना भी जरूरी है। संतुलित आहार, नियमित समय और पर्याप्त नींद से जोखिम कम होता है। छोटे बदलाव लंबे समय में बड़ा असर डालते हैं। सामुदायिक स्तर पर सहयोग बढ़े तो प्रभाव और गहरा होगा। यह अभियान दिखाता है कि रोकथाम को प्राथमिकता देने से स्वास्थ्य प्रणाली पर दबाव घट सकता है। समय पर पहचान उपचार को सरल बनाती है। जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है। आगे भी ऐसे संगठित प्रयास जारी रहने चाहिए।



देशभर में पाचन स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित हुआ जब हजारों स्वास्थ्य पेशेवरों ने एक साथ स्क्रीनिंग और जागरूकता अभियान चलाया। इस पहल ने समय रहते समस्या की पहचान और रोकथाम के महत्व को सामने रखा।

स्क्रीनिंग बताएगी दिल का हाल

हमारे देश में हृदय संबंधी स्वास्थ्य जोखिम लगातार बढ़ रहे हैं। ये जोखिम अक्सर बिना लक्षणों के चुपचाप आगे बढ़ते हैं। इस चुनौती के केंद्र में लिपिड असंतुलन है। बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड स्तर रक्त वाहिकाओं पर दबाव डालते हैं। ये प्लाक बनने की प्रक्रिया को तेज करते हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है। कई लोग अपने लिपिड स्तर से अनजान रहते हैं। फिटनेस गतिविधियां सहनशक्ति बढ़ा सकती हैं, फिर भी छिपी हुई लिपिड गड़बड़ियां बनी रह सकती हैं। इस अदृश्य जोखिम को समय रहते पहचानने का सबसे सरल तरीका नियमित स्क्रीनिंग है।

चिकित्सकीय प्रमाण लंबे समय से लिपिड स्तर और हृदय परिणामों के बीच संबंध को दर्शाते हैं। उच्च एलडीएल कोलेस्ट्रॉल धमनियों की दीवारों को नुकसान पहुंचाता है। कम एचडीएल कोलेस्ट्रॉल सुरक्षा को कमजोर करता है। बढ़े हुए ट्राइग्लिसराइड चयापचय तनाव को बढ़ाते हैं। ये कारक अक्सर मधुमेह, मोटापा और निष्क्रिय जीवनशैली के साथ पाए जाते हैं। इसके बावजूद लिपिड परीक्षण अक्सर देर से कराया जाता है। मरीज जटिलताएं आने के बाद इलाज के लिए पहुंचते हैं। निवारक स्क्रीनिंग को अब भी क्लिनिक के बाहर पर्याप्त ध्यान नहीं मिलता।

इसी अंतर ने 2025 के अंत में एक बड़े आउटरीच प्रयास को आकार दिया। एलेम्बिक फ़ार्मास्यूटिकल्स ने एक लिपिड स्क्रीनिंग अभियान आयोजित किया, जिसने विभिन्न क्षेत्रों और आयु वर्गों के मरीजों तक पहुंच बनाई। यह अभियान 20 सितंबर से 29 अक्टूबर 2025 तक चला। इस अवधि में 28,772 मरीजों की लिपिड स्क्रीनिंग की गई। उद्देश्य स्पष्ट रहा। लिपिड गड़बड़ियों की समय पर पहचान। समय रहते चिकित्सकीय सलाह को प्रोत्साहन। जागरूकता और हस्तक्षेप के माध्यम से दीर्घकालिक हृदय जोखिम को कम करना। एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने इस उपलब्धि की पुष्टि की।

इस रिकॉर्ड ने एक ही आउटरीच अभियान में किए गए सर्वाधिक लिपिड स्क्रीनिंग को मान्यता दी। इतने बड़े स्तर पर आयोजन के लिए सावधानीपूर्वक समन्वय आवश्यक था। स्क्रीनिंग केंद्र व्यवस्थित रूप से स्थापित किए गए। डेटा संग्रह में एकरूपता रखी गई। मरीजों को परिणामों की बुनियादी जानकारी दी गई। कई लोगों ने पहली बार लिपिड जांच कराई। यह अभियान केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहा। इसने आहार, व्यायाम और फॉलो-अप देखभाल पर संवाद शुरू किया।



लिपिड स्क्रीनिंग ऐसी जानकारी देती है, जो सामान्य जांचों में छूट सकती है। रक्तचाप सामान्य दिख सकता है। वजन स्वीकार्य लग सकता है। फिर भी लिपिड स्तर छिपे जोखिम को उजागर कर देते हैं। समय पर पहचान से जीवनशैली में बदलाव संभव होता है, इससे पहले कि दवाओं की आवश्यकता पड़े। जब दवाएं जरूरी हों, तो उन्हें जल्दी शुरू किया जा सकता है। यह क्रम हृदय प्रणाली को होने वाले कुल नुकसान को कम करता है। इसलिए स्क्रीनिंग एक निवारक साधन के रूप में कार्य करती है, न कि केवल निदान का अंतिम बिंदु।

एलेम्बिक फ़ार्मास्यूटिकल्स ने इस पहल में अपने लंबे स्वास्थ्य-केंद्रित दृष्टिकोण को शामिल किया। 1907 में स्थापित यह कंपनी निर्माण, अनुसंधान और रोगी-केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी पहचान बना चुकी है। वडोदरा, पैनलाव और बड़ी स्थित इसकी इकाइयां बड़े पैमाने पर संचालन को सहारा देती हैं। लिपिड स्क्रीनिंग अभियान व्यावहारिक स्वास्थ्य प्रभाव पर इसके फोकस के अनुरूप रहा। आउटरीच ने जांच को अस्पताल की प्रतीक्षा के बजाय समुदायों के करीब पहुंचाया।

कार्यक्रम की सुलभता पर मरीजों की प्रतिक्रिया सकारात्मक रही। कई प्रतिभागियों के परिवार में हृदय रोग का इतिहास था। कुछ मधुमेह या उच्च रक्तचाप से जूझ रहे थे। कुछ स्वयं को पूरी तरह स्वस्थ मानते थे। स्क्रीनिंग के परिणामों ने अक्सर आत्ममंथन को प्रेरित किया। सरल व्याख्याओं से मरीजों को आंकड़े समझ आए। सामान्य परिणामों से आश्वासन मिला। दोनों ही स्थितियों में जागरूकता बढ़ी।

लिपिड विकारों का प्रबंधन निरंतरता मांगता है। स्क्रीनिंग एक शुरुआत है। परिणाम का निर्धारण फॉलो-अप करता है। डॉक्टर आहार में बदलाव की सलाह दे सकते हैं। शारीरिक गतिविधि की योजनाएं स्पष्ट होती हैं। दवाओं के निर्णय अधिक सूचित बनते हैं। अभियान ने इसी क्रम को मजबूत किया। प्रतिभागियों को परिणामों की व्याख्या और अगले कदमों के लिए चिकित्सकों से परामर्श लेने को कहा गया। यह आउटरीच क्लिनिकल देखभाल का विकल्प नहीं था। यह उसका समर्थन था।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की निर्णायक कश्मीरा शाह ने एलेम्बिक फ़ार्मास्यूटिकल्स के अधिकारियों को पदक और प्रमाणपत्र प्रदान किया।

एलेम्बिक फ़ार्मास्यूटिकल्स के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि ने पहल पर विचार साझा करते हुए कहा, “लिपिड विकार वर्षों तक चुपचाप बढ़ते रहते हैं। हमारा उद्देश्य स्क्रीनिंग को लोगों के करीब लाना और समय पर कार्रवाई को प्रोत्साहित करना था। जब मरीज अपने आंकड़े जानते हैं, तो वे अपने हृदय स्वास्थ्य की बेहतर रक्षा कर सकते हैं।”

यह अभियान स्वास्थ्य-आउटरीच में एक व्यापक बदलाव को भी दर्शाता है। रोकथाम अब उपचार के साथ ध्यान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही है। स्क्रीनिंग शिविर चिकित्सकीय ज्ञान को सार्वजनिक पहुंच में बदलते हैं। ये जागरूकता और कार्रवाई के बीच की दूरी को कम करते हैं। भारत में हृदय रोग मृत्यु का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। इसमें लिपिड असंतुलन की केंद्रीय भूमिका है।



एक राष्ट्रीय लिपिड स्क्रीनिंग अभियान ने हृदय रोग की रोकथाम को चर्चा में ला दिया। एलेम्बिक ने करीब तीस हजार लोगों तक पहुंच बनाई और यह दिखाया कि लिपिड असंतुलन की समय पर पहचान कैसे बदलाव ला सकती है।

मेडिकल आउटरीच हुई डिजिटल

एक गंभीर लेकिन अक्सर कम पहचानी जाने वाली स्वास्थ्य चुनौती है मेनिंगोकोकल मेनिन्जाइटिस, जो तेजी से बढ़ती है। इसके लक्षण अचानक सामने आ सकते हैं। बुखार, सिरदर्द, गर्दन में अकड़न और भ्रम कुछ ही घंटों में गंभीर रूप ले सकते हैं। इलाज में देरी जानलेवा साबित हो सकती है। जो मरीज बच जाते हैं, उन्हें लंबे समय तक जटिलताओं का सामना करना पड़ सकता है। इस जोखिम के बावजूद जागरूकता समान रूप से नहीं पहुंच पाई है। कई परिवार शुरुआती चेतावनी संकेतों को पहचान नहीं पाते। टीकाकरण के जरिए बचाव संभव है। लेकिन जानकारी समय पर समुदायों तक नहीं पहुंच पाती।

इसी जागरूकता के अंतर ने वर्ष 2025 के अंत में एक राष्ट्रीय पहल को आकार दिया। डॉ. रेड्डीज़ लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड ने “रेस टू डिफीट मेनिंगोकोकल मेनिन्जाइटिस” नामक अभियान का नेतृत्व किया। इस पहल का उद्देश्य सरल माध्यम के जरिए स्पष्ट और समय पर जानकारी पहुंचाना था। स्वास्थ्य पेशेवरों को छोटे वीडियो संदेश रिकॉर्ड करने के लिए आमंत्रित किया गया। हर संदेश में जागरूकता, शुरुआती लक्षणों और रोकथाम पर ध्यान दिया गया। इस प्रयास में चिकित्सा विशेषज्ञों की सीधी आवाज जनता तक पहुंची।

अक्टूबर 2025 से दिसंबर 2025 के बीच देश भर से कुल 2,026 स्वास्थ्य पेशेवर इस अभियान में शामिल हुए। डॉक्टरों, बाल रोग विशेषज्ञों और अन्य चिकित्सकों ने वीडियो संदेश रिकॉर्ड किए। सामग्री में यह स्पष्ट किया गया कि मेनिंगोकोकल मेनिन्जाइटिस एक वैक्सीन से रोकी जा सकने वाली बीमारी है। एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने 6 जनवरी 2026 को इस उपलब्धि की पुष्टि की। यह रिकॉर्ड मेनिंगोकोकल मेनिन्जाइटिस पर जागरूकता फैलाने के लिए वीडियो संदेश रिकॉर्ड करने वाले स्वास्थ्य पेशेवरों की सर्वाधिक संख्या को मान्यता देता है।

मेनिंगोकोकल मेनिन्जाइटिस नाइसिरिया मेनिन्जिटिडिस नामक बैक्टीरिया से होता है। यह नजदीकी संपर्क से फैलता है। भीड़भाड़ वाली जगहों पर खतरा बढ़ जाता है। बच्चे, किशोर और युवा अधिक संवेदनशील रहते हैं। समय पर पहचान जीवन बचा सकती है। इलाज के लिए तुरंत अस्पताल में भर्ती जरूरी होती है। टीकाकरण से संक्रमण और प्रकोप का जोखिम कम होता है। इसके बावजूद कई लोग टीके की उपलब्धता या बीमारी की गंभीरता से अनजान रहते हैं।

इस अभियान ने डिजिटल माध्यम के जरिए इन वास्तविकताओं को संबोधित किया। वीडियो संदेशों ने डॉक्टरों को क्लिनिक से बाहर संवाद



करने का अवसर दिया। छोटे वीडियो सोशल प्लेटफॉर्म और पेशेवर नेटवर्क के माध्यम से फैलते गए। इस स्वरूप ने दोहराव और याददाश्त को मजबूत किया। दर्शकों ने अलग-अलग डॉक्टरों से एक जैसी सलाह सुनी। एकसमान संदेशों से भ्रम कम हुआ। भाषा सरल रखी गई। स्वर शांत और जानकारीपूर्ण रहा।

डॉ. रेड्डीज़ लेबोरेटरीज लंबे समय से फार्मास्युटिकल शोध और जनस्वास्थ्य शिक्षा में सक्रिय रही है। कंपनी की उपस्थिति वैश्विक बाजारों में है। शिक्षा इसकी आउटरीच का अहम हिस्सा है। मेनिंगोकोकल अभियान इसी दिशा में आगे बढ़ा। केवल मुद्रित सामग्री तक सीमित रहने के बजाय वीडियो का उपयोग किया गया। चेहरों और आवाज़ों ने भरोसा बनाया। चिकित्सा विशेषज्ञता अधिक सुलभ बनी।

इस पहल के लिए समन्वय जरूरी था। प्रतिभागियों का पंजीकरण किया गया। वीडियो दिशानिर्देश तय किए गए ताकि संदेशों का फोकस एक जैसा रहे। तकनीकी शब्दों से बचा गया। पहचान और रोकथाम पर जोर दिया गया। हर स्वास्थ्य पेशेवर ने एक छोटा योगदान दिया।

एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के निर्णायक ए. आर. सागर ने डॉ. रेड्डीज़ लेबोरेटरीज के अधिकारियों को पदक और प्रमाणपत्र प्रदान किया। डॉ. रेड्डीज़ लेबोरेटरीज के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि ने कहा, “मेनिंगोकोकल मेनिन्जाइटिस बहुत तेजी से बढ़ता है और जागरूकता को उससे भी तेज़ होना चाहिए। स्वास्थ्य पेशेवरों को एक मंच पर लाकर हमने रोकथाम के संदेशों को स्पष्ट और तात्कालिक बनाने का प्रयास किया।”

रिकॉर्डेड संदेशों का उपयोग व्यावहारिक रहा। डॉक्टर बिना यात्रा किए इसमें भाग ले सके। समय की बाधाएं कम हुईं। भौगोलिक विविधता बढ़ी। शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के चिकित्सक समान रूप से जुड़े। इससे उन इलाकों तक भी पहुंच बनी, जहां विशेषज्ञ देखभाल सीमित हो सकती है। जनस्वास्थ्य संवाद के सामने लगातार चुनौतियां रहती हैं। गलत जानकारी

मेनिंगोकोकल मेनिन्जाइटिस पर जागरूकता फैलाने के लिए देशभर में एक डिजिटल पहल शुरू की गई, जिसमें दो हजार से अधिक स्वास्थ्य पेशेवरों ने रिकॉर्डेड वीडियो संदेशों के माध्यम से जोखिम और टीकाकरण की भूमिका पर बात की।

तेजी से फैलती है। भरोसेमंद आवाज़ें अहम होती हैं। डॉक्टरों को सीधे बोलते सुनना विश्वास पैदा करता है। वीडियो संदेश परिवारों के भीतर भी साझा किए जा सके। माता-पिता आगे भेजते हैं। शिक्षक चर्चा करते हैं। बातचीत चिकित्सा दायरों से बाहर शुरू होती है।

इस अभियान ने टीकाकरण पर संवाद के महत्व को भी रेखांकित किया। वैक्सीन से रोकी जा सकने वाली बीमारियां उपकरणों की कमी से नहीं, बल्कि जागरूकता की कमी से बनी रहती हैं। मेनिंगोकोकल मेनिन्जाइटिस इसी श्रेणी में आता है। शिक्षा और टीकाकरण कार्यक्रम मिलकर जोखिम कम करते हैं।

2,026 की संख्या केवल भागीदारी नहीं दर्शाती। हर स्वास्थ्य पेशेवर सैकड़ों मरीजों से संपर्क करता है। हर संदेश फैसलों को प्रभावित करता है। इसका असर अभियान अवधि से आगे तक जाता है। आज मिली जागरूकता कल की प्रतिक्रिया तय करती है।





Maximum anti-clockwise nose hula hoop spins performed on inline skates by a child

The record for performing the maximum number of anti-clockwise nose hula hoop spins on inline skates was set by **Aashvi Vashista** (born on September 23, 2015) of Ranchi, Jharkhand. She performed 226 anti-clockwise nose hula hoop spins, while balancing on inline skates, in 3 minutes and 46 seconds, at the age of 10 years, 5 months and 8 days, as confirmed on March 3, 2026.



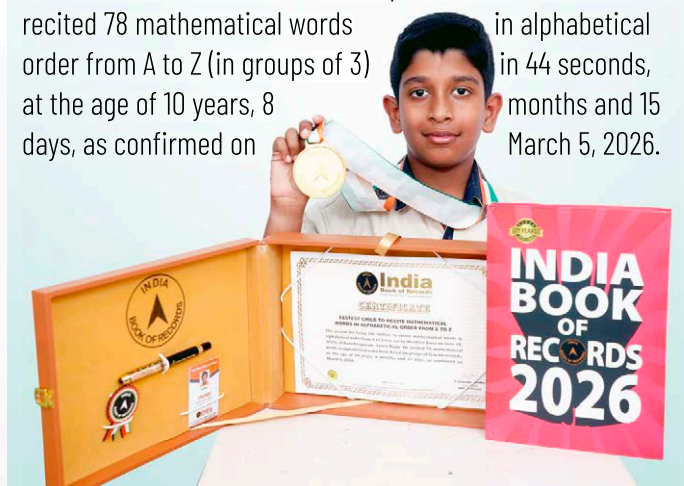
Youngest Black Belt holder in Karate with 10 Kata

The record for being the youngest Black Belt holder in Karate with 10 Kata was set by **Prisha Kashyap Patel** (born on May 24, 2018) of Kolhapur, Maharashtra. She achieved the First Dan Black Belt in Karate with 10 Kata (Kata, a Japanese word, is used to describe specific sequences of motion in Karate) from 'Ichalkaranji Amateur Tae Kwon-Do Academy', Ichalkaranji, on May 4, 2025, at the age of 6 years, 11 months and 10 days, as confirmed on March 7, 2026.



Fastest child to recite mathematical words in alphabetical order from A to Z

The record for being the fastest to recite mathematical words in alphabetical order from A to Z was set by **Maadhav** (born on June 18, 2015) of Kancheepuram, Tamil Nadu. He recited 78 mathematical words in alphabetical order from A to Z (in groups of 3) in 44 seconds, at the age of 10 years, 8 months and 15 days, as confirmed on March 5, 2026.



Maximum teachers' portraits made by a teen

The record for making the maximum number of teachers' portraits was set by **Shikha K. P.** (born on October 6, 2012) of Malappuram, Kerala. She made detailed portraits of 110 teachers on A4 sized sheets of paper, comprising 41 male and 69 female teachers of her school Panakkadu Thangal Memorial Higher Secondary School, Thazhekodé, using pencils, at the age of 13 years, 4 months and 27 days, as confirmed on March 5, 2026.



Longest duration to perform roller skating by a kid

The record for performing roller skating for the longest duration was set by **Ridham Gupta** (born on November 3, 2021) of Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh. He skated for 12 hours non-stop (with breaks after every one hour) in the 'Stamina Skating Competition-2026' on February 8, 2026 (organised by Titanium Roller Skating Club, Barmer), at the age of 4 years, 3 months and 5 days, as confirmed on March 7, 2026.



Maximum medals won in Taekwondo by a sibling trio

This certificate is awarded to **Pia Valia** for winning the maximum number of medals in Taekwondo, along with her two siblings. They won 63 medals (31 gold, 20 silver and 12 bronze) in Taekwondo at state, national and international tournaments during the years 2025 and 2026, as confirmed on March 2, 2026.



Maximum poetry books authored in English by a teen

The record for authoring the maximum number of poetry books in English was set by **Julfina Ali** (born on December 11, 2011) of Kolkata, West Bengal. She authored 4 poetry books in English titled 'The Epic Poetry' (ISBN: 978-81-95772-08-7), published by Nayak Enterprises, and 'Written Emotions' (ISBN: 978-81-98831-03-3), published by Coffee Houser Charpase, among others, at the age of 14 years, 3 months and 1 day, as confirmed on March 12, 2026.



Maximum Ghoomar dance spins performed by a child in one minute

The record for performing the maximum number of Ghoomar dance spins in one minute was set by **Ishika Bagri** (born on October 11, 2014) of Jodhpur, Rajasthan. She performed 80 Ghoomar dance spins (rotational movements) in one minute, at the age of 11 years, 4 months and 30 days, as confirmed on March 10, 2026.



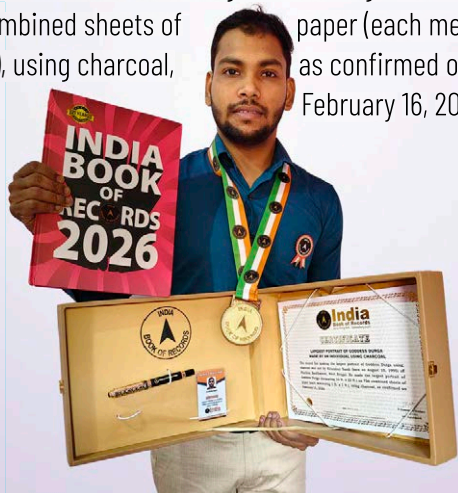
Mehndi design made on the longest cloth by an individual

The record for making a mehndi design on the longest cloth was set by **Akanksha Patel** (born on March 16, 2001) of Barabanki, Uttar Pradesh. She made an intricate mehndi design on the longest cloth, measuring 39.1 feet x 3 feet, in 13 hours and 51 minutes, depicting traditional dance forms, including Ghoomar, Garba, Kathakali and others, using 46 mehndi cones, as confirmed on February 5, 2026.



Largest portrait of Goddess Durga made by an individual using charcoal

The record for making the largest portrait of Goddess Durga using charcoal was set by **Kiranmoy Nandi** (born on August 10, 1995) of Paschim Bardhaman, West Bengal. He made the largest portrait of Goddess Durga (measuring 33 ft. x 22 ft.) on 726 combined sheets of paper (each measuring 1 ft. x 1 ft.), using charcoal, as confirmed on February 16, 2026.



Fastest kid to recall the capitals of all countries in alphabetical order

The record for being the fastest to recall the capitals of all countries in alphabetical order was set by **Nithara Renjith** (born on March 29, 2020) of Ernakulam, Kerala. She recalled the capitals of all 195 (UN recognised) countries in alphabetical order in 2 minutes, 15 seconds and 23 milliseconds (on hearing the names of the countries), at the age of 5 years, 10 months and 25 days, as confirmed on February 23, 2026.



Youngest to pronounce a long English word

The record for being the youngest to pronounce a long English word was set by **Munish Sudhir Chahande** (born on September 23, 2022) of Nagpur, Maharashtra. He pronounced a 45-lettered long word 'pneumonoultramicroscopicsilicovolcanoconiosis', from the Oxford English Dictionary, in 7 seconds, at the age of 3 years, 5 months and 10 days, as confirmed on March 5, 2026.



Maximum addition sums of single-digit numbers answered orally by a toddler

The record for orally answering the maximum number of addition sums of single-digit numbers was set by **Isha Polimera** (born on July 26, 2023) of Hyderabad, Telangana. He orally answered 79 single-digit addition sums in 4 minutes and 58 seconds, on hearing the sums, at the age of 2 years, 6 months and 15 days, as confirmed on February 10, 2026.



Fastest kid to recite all shlokas from Chapter 11 of the Bhagavad Gita

The record for being the fastest to recite all shlokas from Chapter 11 of the Bhagavad Gita was set by **Utsavi Amit Singh** (born on June 3, 2020) of Bengaluru, Karnataka. She recited all 55 shlokas from Chapter 11 of the Bhagavad Gita in 10 minutes and 30 seconds, at the age of 5 years, 8 months and 17 days, as confirmed on February 20, 2026.



Fastest toddler to identify 50 car brands

The record for being the fastest to identify 50 car brands was set by **Ishaan Sacheenkumar Patil** (born on March 11, 2023) of Bagalkot, Karnataka. He identified and recalled the names of 50 national and international car brands in 1 minute, 20 seconds and 47 milliseconds by viewing the pictures of cars in a book, at the age of 2 years, 11 months and 17 days, as confirmed on February 28, 2026.



Fastest kid to identify minerals in alphabetical order from A to Z

The record for being the fastest to identify minerals in alphabetical order from A to Z was set by **Nhydhuruvan Subramanian M.** (born on September 25, 2020) of Coimbatore, Tamil Nadu. He identified 26 minerals in alphabetical order from A to Z in 1 minute and 5 seconds by viewing associated images on a TV screen, at the age of 5 years, 5 months and 1 day, as confirmed on February 26, 2026.



Maximum medals won in Taekwondo by a sibling trio

This certificate is awarded to **Prisha Valia** for winning the maximum number of medals in Taekwondo, along with her two siblings. They won 63 medals (31 gold, 20 silver and 12 bronze) in Taekwondo at state, national and international tournaments during the years 2025 and 2026, as confirmed on March 2, 2026.



Fastest kid to write all the letters of the English alphabet from A to Z ambidextrously

The record for being the fastest to write all the letters of the English alphabet from A to Z, ambidextrously was set by **Advait Vikas Patade** (born on September 21, 2019) of Pune, Maharashtra. He wrote all 26 small cursive letters of the English alphabet from A to Z, simultaneously, with both hands (ambidextrously) on a sheet of paper in 34.10 seconds, using a pen, at the age of 6 years, 4 months and 28 days, as confirmed on February 18, 2026.



Fastest individual to drape a saree

The record for being the fastest to drape a saree was set by **Mowmitha** (born on July 9, 1997) of Coimbatore, Tamil Nadu. She draped a 5.5 metre (6 yards) long saree in 15 seconds, as confirmed on February 17, 2026.



Fastest child to recite Roman numbers from 1 to 100

The record for being the fastest to recite Roman numbers from 1 to 100 was set by **Shreya Dipak Sadanshio** (born on February 26, 2016) of Akola, Maharashtra. She recited Roman numbers from 1 to 100 in 42 seconds, at the age of 9 years, 11 months and 17 days, as confirmed on February 12, 2026.



Fastest child to draw and colour an A4-size picture of Lord Hanuman blindfolded

The record for being the fastest to draw and colour an A4-size picture of Lord Hanuman blindfolded was set by **Charvi Puneeth** (born on August 5, 2015) of Bengaluru, Karnataka. She drew and coloured an A4-size picture of Lord Hanuman, blindfolded, in 17 minutes and 48 seconds, using crayons, at the age of 10 years, 6 months and 14 days, as confirmed on February 19, 2026.



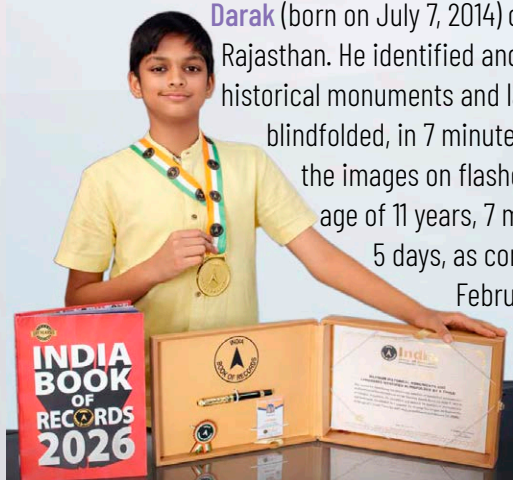
Fastest kid to count from 1 to 20 in Sanskrit

The record for being the fastest to count from 1 to 20 in Sanskrit was set by **Himaksh Aggarwal** (born on February 15, 2022) of Jalandhar, Punjab. He counted from 1 to 20 in Sanskrit in 20 seconds, at the age of 4 years and 19 days, as confirmed on March 6, 2026.



Maximum historical monuments and landmarks identified blindfolded by a child

The record for identifying the maximum number of historical monuments and landmarks blindfolded was set by **Tanmay Darak** (born on July 7, 2014) of Udaipur, Rajasthan. He identified and named 76 historical monuments and landmarks, blindfolded, in 7 minutes, by viewing the images on flashcards, at the age of 11 years, 7 months and 5 days, as confirmed on February 12, 2026.



Maximum wooden boards broken with a Nunchaku in one minute by a child

The record for breaking the maximum number of wooden boards with a Nunchaku in one minute was set by **Vedika Chandubhai Baldha** (born on July 9, 2018) of Ahmedabad, Gujarat. She broke 50 wooden boards (each board measuring 11 inches in length, 8 inches in width and 6 mm in thickness) with a Nunchaku in one minute, using her right hand (under the guidance of Athletes Sports Academy, Ahmedabad), at the age of 7 years, 6 months and 25 days, as confirmed on February 3, 2026.



Maximum certificates, medals and trophies won by a child for Karate

The record for winning the maximum number of certificates, medals and trophies for Karate was set by **Aayush Nandan** (born on February 13, 2015) of Hassan, Karnataka. He won 80 certificates, 22 medals and 20 trophies for participating in 22 state-level and national-level Karate championships, from November 3, 2019 to January 5, 2025, at the age of 9 years, 10 months and 23 days, as confirmed on February 6, 2026.



Longest duration to run barefoot on an athletic track by an individual

The record for running barefoot on an athletic track for the longest duration was set by **Nilesh Rajendra Wadkar** (born on March 26, 1988) of Mumbai, Maharashtra. He ran 81.2 km barefoot in 12 hours on February 7, 2026, on an athletic track at a stadium in Dombivli, Maharashtra, for the social initiative 'Run So They Can Walk', aimed at supporting footwear donation for underprivileged children, as confirmed on February 23, 2026.



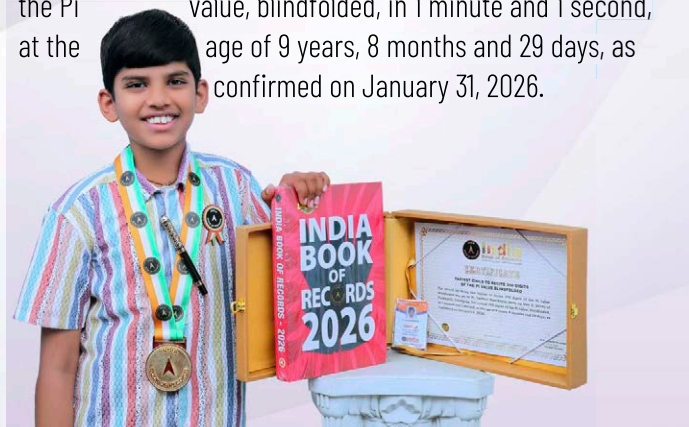
Maximum medals won in Taekwondo by a sibling trio

The record for winning the maximum number of medals in Taekwondo by a sibling trio was set by **Viaan Valia** (born on August 25, 2016) of Mumbai, Maharashtra, along with his two sisters. They won 63 medals (31 gold, 20 silver and 12 bronze) in Taekwondo at state, national and international tournaments during the years 2025 and 2026, at the age of 9 years, 6 months and 8 days, as confirmed on March 2, 2026.



Fastest child to recite 350 digits of the Pi value blindfolded

The record for being the fastest to recite 350 digits of the Pi value blindfolded was set by **K. Vaibhav Manikanth** (born on May 2, 2016) of Peddapalli, Telangana. He recited 350 digits of the Pi value, blindfolded, in 1 minute and 1 second, at the age of 9 years, 8 months and 29 days, as confirmed on January 31, 2026.



Maximum distance covered on an electric bicycle by an individual

The record for covering the maximum distance on an electric bicycle was set by **Prashant Iranna Patil** (born on September 11, 1990) of Kalaburagi, Karnataka. He covered a distance of 28.53 km, on an electric bicycle (Emotorad Doodle V3 model), in 1 hour, 4 minutes and 27 seconds, while pedalling from PVP School University Quarters Signal to Mayaganahalli, Bengaluru, as confirmed on February 16, 2026.



Fastest toddler to identify 100 pictures

The record for being the fastest to identify 100 pictures was set by **Prayan Maanju** (born on February 15, 2023) of Jhunjhunu, Rajasthan. He identified and named 100 pictures of animals, fruits, vegetables, vehicles, shapes, parts of the body and letters of the English alphabet, among others, in 3 minutes and 19 seconds, at the age of 2 years, 11 months and 23 days, as confirmed on February 7, 2026.



Fastest toddler to recall sea creatures from A to Z

The record for being the fastest to recall sea creatures from A to Z was set by **Diago Denson** (born on August 31, 2023) of Kanyakumari, Tamil Nadu. He recalled the names of 26 sea creatures in alphabetical order from A to Z in 1 minute and 2 seconds, at the age of 2 years, 5 months and 6 days, as confirmed on February 6, 2026.



Fastest kid to recite all constellations

The record for being the fastest to recite all constellations was set by **S. Thanvik** (born on July 18, 2021) of Tiruvallur, Tamil Nadu. He recited all 88 constellations in 57 seconds, at the age of 4 years, 7 months and 12 days, as confirmed on March 2, 2026.



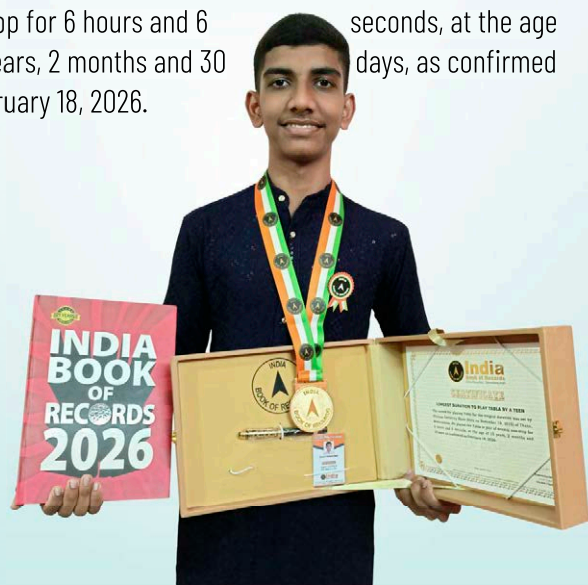
Maximum questions answered on Hindu Mythology by a kid

The record for answering the maximum number of questions on Hindu Mythology was set by **Sannidhi Bitragunta** (born on April 27, 2019) of Chennai, Tamil Nadu. She answered 215 questions on Hindu Mythology in 12 minutes and 40 seconds, at the age of 6 years, 9 months and 17 days, as confirmed on February 13, 2026.



Longest duration to play Tabla by a teen

The record for playing Tabla for the longest duration was set by **Shreyas Dattatray Bhoir** (born on November 19, 2010) of Thane, Maharashtra. He played the Tabla (a pair of drums) non-stop for 6 hours and 6 seconds, at the age of 15 years, 2 months and 30 days, as confirmed on February 18, 2026.



Youngest to rappel down Kokankada cliff at Harishchandra Fort

The record for being the youngest to rappel down Kokankada cliff at Harishchandra Fort was set by **Prithviraj Shital Dashrath Patekar** (born on February 13, 2020) of Pune, Maharashtra. He started rappelling down Kokankada cliff at 1.00 p.m., descended a distance of 1,800 feet, and ended the rappelling at 1.35 p.m. on January 18, 2026 (under the guidance of a trekking guide), at the age of 5 years, 11 months and 5 days, as confirmed on February 9, 2026.



Maximum chain stitches crocheted in one minute by a child

The record for crocheting the maximum number of chain stitches in one minute was set by **Gianna Elisabeth Reny** (born on April 23, 2014) of Ernakulum, Kerala. She crocheted 105 chain stitches in one minute, using dark orange coloured yarn and a crochet hook, at the age of 11 years, 10 months and 1 day, as confirmed on February 24, 2026.



Alphabet of maximum languages written by a kid

The record for writing the alphabet of the maximum number of languages was set by **Sresthangshu Ghosh** (born on July 19, 2020) of Darjeeling, West Bengal. He wrote the alphabet of 19 languages, including English, Serbian, Russian, Hebrew, Greek, Ukrainian, Kazakh, Filipino, German and others, in 49 minutes and 26 seconds, using pencil and paper, at the age of 5 years, 7 months and 14 days, as confirmed on March 5, 2026.



Maximum multiples of a two-digit number recited by a child

The record for recalling the maximum number of multiples of a two-digit number was set by **Diwakar Das** (born on July 21, 2014) of Purnea, Bihar. He recalled 120 multiples of the two-digit number 24 in 1 minute and 33 seconds, at the age of 11 years, 6 months and 28 days, as confirmed on February 18, 2026.



Maximum hula hoop knee spins on one leg performed in one minute by an individual

The record for performing the maximum number of hula hoop knee spins on one leg in one minute was set by **Ryana Singh** (born on March 3, 2003) of Delhi. She performed 191 anticlockwise hula hoop knee spins in one minute, with simultaneous crisscross hand weaves, while standing on her left leg, as confirmed on February 18, 2026.



Maximum snakes named blindfolded in 30 seconds by a kid

The record for naming the maximum number of snakes blindfolded in 30 seconds was set by **A. Pranith Rishi** (born on January 21, 2020) of Kancheepuram, Tamil Nadu. He named 30 snakes, blindfolded, in 30 seconds, at the age of 5 years, 11 months and 17 days, as confirmed on January 7, 2026.



Maximum gold medals won in a single national powerlifting championship by a septuagenarian

The record for winning the maximum number of gold medals in a single national powerlifting championship was set by **Desaraju Venkata Sankara Rao** (born on June 17, 1953) of Bhadradi Kothagudem, Telangana. Having undergone bypass heart surgery in 2012, he won four gold medals in the National Masters Classic & Equipped Powerlifting Championship 2025 (under 83 kg category) at Kozhikode (Kerala), held from August 2, 2025 to August 7, 2025 (organised by Powerlifting India), at the age of 72 years, 1 month and 21 days, as confirmed on January 23, 2026.



Maximum single-digit addition and subtraction sums with multiple terms solved orally by a child

The record for orally solving the maximum number of single-digit addition and subtraction sums with multiple terms was set by **Aarvi Ajay** (born on November 18, 2016) of Mumbai Suburban, Maharashtra. She orally answered 14 single-digit addition and subtraction sums, each consisting of 20 multiple terms, in 7 minutes and 53 seconds, using the Abacus speed calculation technique, at the age of 9 years, 3 months and 13 days, as confirmed on March 3, 2026.



Longest duration to play the Keytar by an individual

The record for playing the Keytar for the longest duration was set by **Rittu P. Fredy** (born on October 6, 1999) of Thiruvananthapuram, Kerala. She played the Keytar (a keyboard instrument that is supported by a strap around the neck) non-stop for 30 minutes and 48 seconds, as confirmed on January 24, 2026.



Youngest to participate in a ceremonial display of Indian flags on the summit of Kedarkantha

The record for being the youngest to participate in a ceremonial display of Indian flags on the summit of Kedarkantha was set by **Hridaya Amit Chavan** (born on February 13, 2014) of Mumbai, Maharashtra. She participated in a ceremonial display of 76 Indian flags on the summit of Kedarkantha (at an altitude of 12,500 feet) on January 19, 2026, to commemorate the 76th Indian Republic Day, at the age of 11 years, 11 months and 6 days, as confirmed on February 26, 2026.



Youngest to hold the dead hang position on a monkey bar

The record for being the youngest to hold the dead hang position on a monkey bar was set by **Srisa Simika** (born on March 10, 2024) of Sundergarh, Odisha. She held the dead hang position on a monkey bar for 1 minute and 46 seconds, at the age of 2 years and 1 day, as confirmed on March 11, 2026.



Maximum multiplication sums of single and double digit numbers answered orally by a toddler

The record for orally answering the maximum number of multiplication sums of single and double digit numbers was set by **Isha Polimera** (born on July 26, 2023) of Hyderabad, Telangana. He orally answered 92 multiplication sums of single and double digit numbers, in 5 minutes and 37 seconds, on hearing the sums, at the age of 2 years, 7 months and 7 days, as confirmed on March 5, 2026.



Youngest to perform Kuchipudi dance on a brass plate while balancing a pot on her head

The record for being the youngest to perform Kuchipudi dance on a brass plate while balancing a pot on her head was set by **Sayooja Sreejith** (born on October 26, 2018) of Thrissur, Kerala. She performed Kuchipudi dance by executing Panchajathi Jathis (in traditional attire) on a brass plate for 2 minutes, while balancing a pot on her head, at the age of 7 years, 4 months and 9 days, as confirmed on March 7, 2026.



Alphabetical letters of maximum languages written by a kid in mirror writing

The record for writing the alphabetical letters of the maximum number of languages in mirror writing was set by **Sresthangshu Ghosh** (born on July 19, 2020) of Darjeeling, West Bengal. He wrote the alphabetical letters of 15 languages in mirror writing, including Serbian, Russian, Ukrainian, Kazakh, Filipino, German and others in 38 minutes and 43 seconds, at the age of 5 years, 7 months and 17 days, as confirmed on March 5, 2026.



Maximum types of dental equipment identified by a child

The record for identifying the maximum types of dental equipment was set by **Kiyansh Juneja** (born on July 30, 2016) of Karnal, Haryana. He identified 100 types of dental equipment in 3 minutes and 6 seconds, by pointing to the associated surgical equipment according to their names, at the age of 9 years, 5 months and 24 days, as confirmed on January 23, 2026.



Maximum half-stretched punches performed on a monkey bar by a child

The record for performing the maximum number of half-stretched punches on a monkey bar was set by **Anaisha Nair** (born on September 26, 2018) of Thiruvananthapuram, Kerala. She performed 2375 half-stretched punches (hands not fully stretched) with both bare hands on a punching pad, while standing on a monkey bar (length: 4.5 m, width: 0.6 m and height from the ground: 2 m) in 19 minutes and 16 seconds, at the age of 7 years, 4 months and 14 days, as confirmed on February 9, 2026.



Longest continuous multi-trade skill demonstration programme conducted by an educational institution

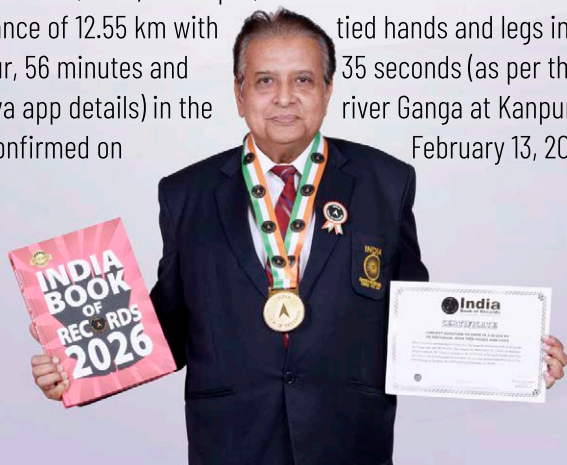
The record for conducting the longest continuous multi-trade skill demonstration programme was set by **Krishi Udyog Mool Shikshan Sanstha (Karhati) Baramati** of Pune, Maharashtra.

The longest multi-trade skill demonstration programme, consisting of 84 students, 14 staff members and 11 supporting members, was conducted non-stop for 30 hours (1 day and 6 hours) from 8 a.m. on February 27, 2026 to 2 p.m. on February 28, 2026. The event was organised as a tribute to the leadership and inspiration of Honourable late Ajit Pawar (President of Krishi Udyog Mool Shikshan Sanstha and Deputy Chief Minister of Maharashtra), as confirmed on March 5, 2026.



Longest duration to swim in a river by an individual with tied hands and legs

The record for swimming in a river for the longest duration with tied hands and legs was set by **Pankaj Jain** (born on November 8, 1968) of Kanpur, Uttar Pradesh. He swam a distance of 12.55 km with tied hands and legs in 1 hour, 56 minutes and 35 seconds (as per the strava app details) in the river Ganga at Kanpur, as confirmed on February 13, 2026.



Maximum boarding passes collected by an individual

The record for collecting the maximum number of boarding passes was set by **Gaurav Bajaj** (born on May 11, 1981) of Shillong, Meghalaya. He has collected 394 boarding passes, of domestic and international flights, from May 9, 2002 to February 1, 2026, as confirmed on February 12, 2026.



Maximum anti-clockwise hula hoop spins performed around the waist by a kid while balancing on a pillar

The record for performing the maximum number of anti-clockwise hula hoop spins around the waist while balancing on a pillar was set by **A. Ruhana** (born on June 3, 2020) of Coimbatore, Tamil Nadu. She performed 536 anti-clockwise hula hoop spins around her waist in 4 minutes and 58 seconds while balancing on a pillar (measuring 11.02 inches x 14.17 inches x 25.55 inches) on the terrace of her house, at the age of 5 years, 8 months and 9 days, as confirmed on February 12, 2026.



Fastest kid to identify individual outline shapes of all the states of USA

The record for being the fastest to identify individual outline shapes of all the states of USA was set by **Ridwin Vilas Chaher** (born on August 28, 2021) of Raigad, Maharashtra (presently residing in Wisconsin, USA). He identified the individual outline shapes and recalled the names of all 50 states of the United States of America in 1 minute, 7 seconds and 72 milliseconds by viewing the individual foam shapes, at the age of 4 years, 4 months and 19 days, as confirmed on January 16, 2026.



Maximum blouse pieces cut in different patterns by an individual

The record for cutting the maximum number of blouse pieces, in different patterns, was set by **Nisha Rajput** (born on July 10, 1987) of New Delhi. She cut 57 blouse pieces of different patterns, including frill, halter, corset and princess cut, among others, in 15 minutes and 16 milliseconds, as confirmed on January 22, 2026.



Hindi mirrored texts written by an individual for maximum years

The record for writing Hindi mirrored texts for the maximum number of years was set by **Pallavi Pare Chouksey** (born on May 21, 1984) of Narmadapuram, Madhya Pradesh. She has written Hindi mirrored texts of devotional scriptures, comprising Shri Ramcharitmanas, Shrimad Bhagavad Gita and the Bible (New Testament), along with other miscellaneous topics, for 25 years from 2000 to date, and continues to work on other similar projects, verified at the office of India Book of Records, Faridabad, as confirmed on March 24, 2026.



Longest duration to perform the Raja Bhujangasana yoga pose on a monkey bar by a child

The record for performing the Raja Bhujangasana yoga pose on a monkey bar for the longest duration was set by **Amyra Sharma** (born on June 11, 2018) of Panipat, Haryana. She performed the Raja Bhujangasana yoga pose (King Cobra pose) on a monkey bar (measuring 4.5 m in length, 0.6 m in width and 2 m in height from the ground) for 15 minutes and 28 seconds, at the age of 7 years, 7 months and 27 days, as confirmed on February 7, 2026.



Maximum prehistoric animals' names recited by a kid

The record for reciting the names of the maximum number of prehistoric animals was set by **Kridhay Arya N.** (born on April 25, 2022) of Bengaluru, Karnataka. He recited the names of 32 prehistoric animals in 41 seconds, at the age of 3 years, 9 months and 2 days, as confirmed on January 27, 2026.



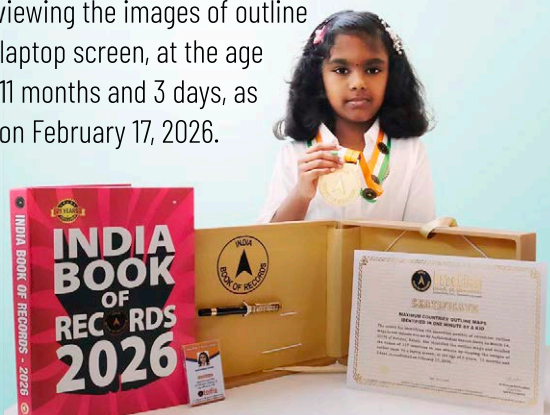
Maximum forearm twists performed with dumbbells in one minute by a teen

The record for performing the maximum number of forearm twists with dumbbells in one minute was set by **Abhi Ram Kanaparthi** (born on December 7, 2006) of Tirupati, Andhra Pradesh. He performed 170 forearm twists simultaneously with both arms (180 degrees each) in one minute, holding a 4 kg dumbbell in each hand, at the age of 19 years, 2 months and 7 days, as confirmed on February 14, 2026.



Maximum countries' outline maps identified in one minute by a kid

The record for identifying the maximum number of countries' outline maps in one minute was set by **Aadhilakshmi Sanesh** (born on March 14, 2019) of Kannur, Kerala. She identified the outline maps and recalled the names of 117 countries in one minute by viewing the images of outline maps on a laptop screen, at the age of 6 years, 11 months and 3 days, as confirmed on February 17, 2026.



Fastest kid to recite the names of all the Jain tirthankaras

The record for being the fastest to recite the names of all the Jain tirthankaras was set by **Samvida Jain** (born on March 25, 2020) of Surat, Gujarat. She recited the names of all 24 Jain tirthankaras in 30 seconds, at the age of 5 years, 11 months and 16 days, as confirmed on March 10, 2026.



Fastest kid to recall 50 inventors' names

The record for being the fastest to recall the names of inventors was set by **Adith Amal Krishna** (born on March 2, 2022) of Thiruvananthapuram, Kerala. He recalled the names of 50 inventors in 1 minute and 21 seconds, by hearing the inventions, at the age of 3 years, 11 months and 16 days, as confirmed on February 18, 2026.



Smallest model of a road roller made by a teen using cardboard

The record for making the smallest model of a road roller using cardboard was set by **Muhammed Alfin S.** (born on March 27, 2011) of Thiruvananthapuram, Kerala. He made the smallest model of a road roller (measuring 1.5 cm x 1.4 cm), using cardboard, waste material and colours, at the age of 14 years, 10 months and 28 days, as confirmed on February 24, 2026.



Maximum times the name 'Nehru' written to make a typographic portrait of Pandit Jawaharlal Nehru by a teen

The record for writing the name 'Nehru' for the maximum number of times to make a typographic portrait of Pandit Jawaharlal Nehru was set by **Sanjay A.** (born on March 30, 2012) of Kancheepuram, Tamil Nadu. He wrote the name 'Nehru' 889 times, in English, to make a typographic portrait of Pandit Jawaharlal Nehru, on an A4 size sheet, using a black pen, at the age of 13 years, 9 months and 28 days, as confirmed on January 27, 2026.



Maximum anticlockwise hula hoop spins performed around the waist by a kid

The record for performing the maximum number of anticlockwise hula hoop spins around the waist was set by **Hemitha M.** (born on October 11, 2020) of Bengaluru Rural, Karnataka. She performed 9,200 anticlockwise hula hoop spins around the waist in 1 hour, 32 minutes and 35 seconds, at the age of 5 years, 4 months and 6 days, as confirmed on February 17, 2026.



Maximum NISM certification examinations cleared by an individual

The record for clearing the maximum number of NISM certification examinations was set by **Batchu Prudhvi** (born on May 6, 2002) of Guntur, Andhra Pradesh. He cleared 11 certification examinations conducted by the National Institute of Securities Markets (NISM) from December 2025 to March 2026, as confirmed on March 13, 2026.



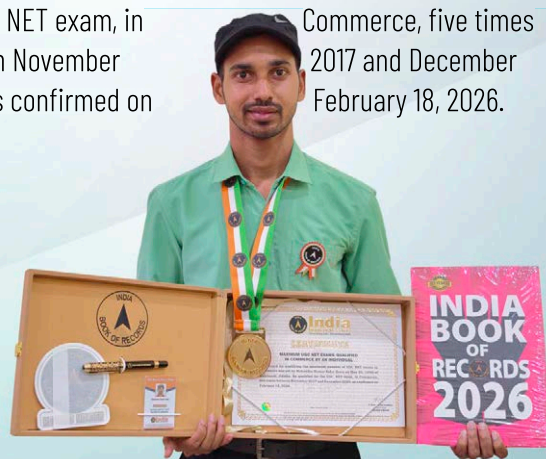
Maximum outlined flags of countries with their colours identified and named by a kid in alphabetical order

The record for identifying and naming the outlined flags of the maximum number of countries with their colours in alphabetical order was set by **N. Viswak** (born on October 18, 2019) of Vellore, Tamil Nadu. He identified the outlined flags and recalled the names of 173 countries with their colours, alphabetically, in 20 minutes and 30 seconds by viewing the images of outlined flags on sheets of paper, at the age of 6 years, 3 months and 2 days, as confirmed on January 20, 2026.



Maximum UGC NET exams qualified in Commerce by an individual

The record for qualifying the maximum number of UGC NET exams in Commerce was set by **Mahendra Kumar Sahu** (born on May 23, 1995) of Kalahandi, Odisha. He qualified for the UGC NET exam, in Commerce, five times between November 2017 and December 2025, as confirmed on February 18, 2026.



Maximum Physics formulae recalled by a child

The record for recalling the maximum number of Physics formulae was set by **Samara Sinha** (born on March 10, 2015) of North 24 Parganas, West Bengal. She recalled 95 Physics formulae of Mechanics, Circular Motion, Gravitation, Oscillations and Waves, Heat and Thermodynamics, Optics, Electricity and Magnetism in 9 minutes and 16 seconds, at the age of 10 years, 9 months and 29 days, as confirmed on January 8, 2026.



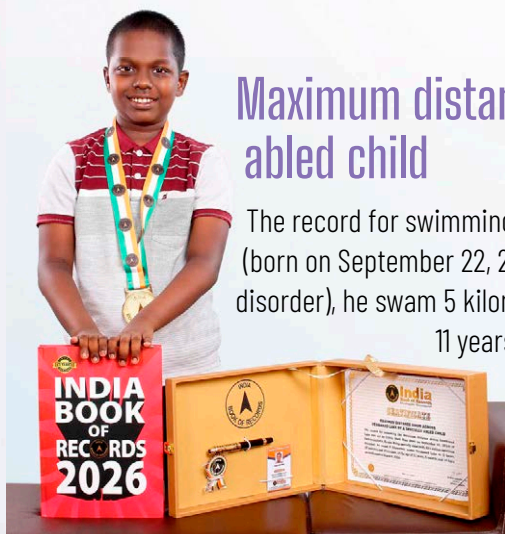
Fastest teen to recite the names of the books of the Bible

The record for being the fastest to recite the names of the books of the Bible was set by **Neela Praharsha Kiran** (born on June 1, 2011) of Medchal-Malkajgiri, Telangana. He recited the names of 66 books of the Bible (39 from the Old Testament and 27 from the New Testament) in 18.87 seconds, at the age of 14 years, 8 months and 19 days, as confirmed on February 20, 2026.



Maximum distance swum across Vembanad Lake by a specially abled child

The record for swimming the maximum distance across Vembanad Lake was set by **Calvin Mark Binu** (born on September 22, 2014) of Pathanamthitta, Kerala. Being specially abled (with 80% autism spectrum disorder), he swam 5 kilometres across Vembanad Lake in 2 hours, 27 minutes and 10 seconds, at the age of 11 years, 5 months and 15 days, as confirmed on March 9, 2026.



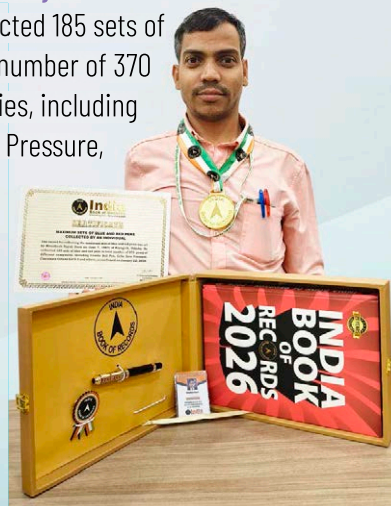
Fastest couple to drive through the world's longest road tunnel

The record for being the fastest couple to drive through the world's longest road tunnel was set by **A.M. Ramakrishnan** (born on May 18, 1959) of Palakkad, Kerala, along with his wife. The couple entered the Laerdal Tunnel in Norway from the Aurland side at 12.36 p.m. and exited on the Bergen side at 1.02 p.m. on August 23, 2025, covering the tunnel's total length of 24.51 km in 26 minutes (at an average speed of approximately 57.6 km/h), as confirmed on December 10, 2025.



Maximum sets of blue and red pens collected by an individual

The record for collecting the maximum sets of blue and red pens was set by **Hrusikesh Nayak** (born on June 7, 1987) of Nayagarh, Odisha. He collected 185 sets of blue and red pens (a total number of 370 pens) of different companies, including Camlin Ball Pen, Cello Zero Pressure, Classmate Octane Gel 0.5 and others, as confirmed on January 22, 2026.



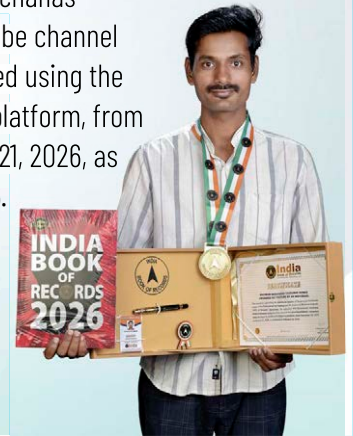
Longest duration to perform nail art with extensions on female clients

The record for performing nail art with extensions on female clients for the longest duration was set by **Bhumika Ghiya** (born on September 6, 1992) of Vadodara, Gujarat. She performed nail art with extensions on 33 female clients for 11 hours on December 8, 2025. The nail art consisted of nail cutting and shaping, nail buffing, application of nail extensions and nail paint, as confirmed on February 14, 2026.



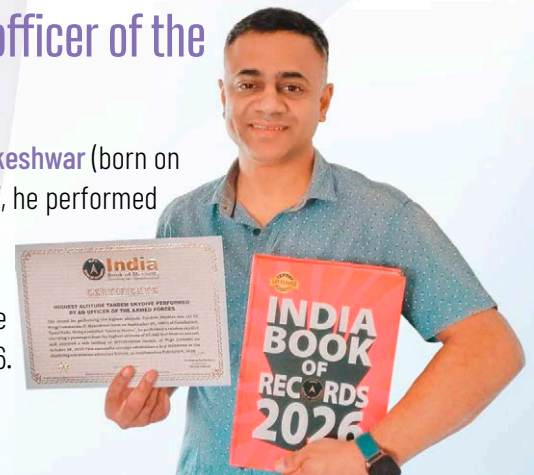
Maximum Basavanna Vachanas songs uploaded on YouTube by an individual

The record for uploading the maximum number of Basavanna Vachanas songs on YouTube was set by **Fakkirgouda M. Hadimani** (born on July 25, 1993) of Belagavi, Karnataka. He uploaded 409 Basavanna Vachanas songs in Kannada, on his YouTube channel 'GoudrusarkarAiBeats', composed using the Suno AI (Artificial Intelligence) platform, from December 28, 2025 to January 21, 2026, as confirmed on February 18, 2026.



Highest altitude Tandem Skydive performed by an officer of the Armed Forces

The record for performing the highest altitude Tandem Skydive was set by **P. Makeshwar** (born on September 25, 1981) of Coimbatore, Tamil Nadu. Being a certified 'Tandem Master', he performed a tandem skydive (carrying a passenger) from the highest altitude of 27,460 feet from an aircraft and executed a safe landing on mountainous terrain, at Puga (Ladakh) on October 28, 2025. This successful attempt establishes a key milestone in the skydiving and aviation adventure history, as confirmed on February 6, 2026.



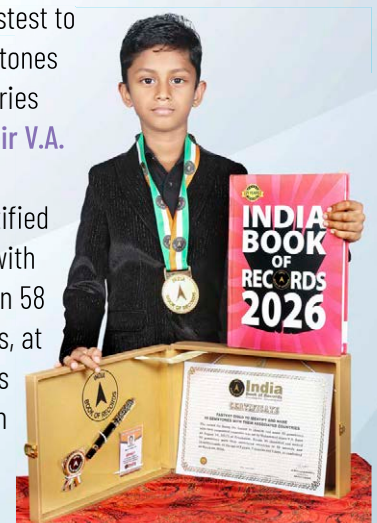
Smallest letters of the National Anthem written on a postage stamp by an individual

The record for writing the smallest letters of the National Anthem on a postage stamp was set by **Vinayak Kashiram Dhande** (born on June 2, 1969) of Akola, Maharashtra. He wrote the smallest letters (each 1 mm in height) of the complete National Anthem on the reverse side of a postage stamp (measuring 2 cm x 2.5 cm) in 4 minutes 50 seconds, using a black pen, as confirmed on February 28, 2026.



Fastest child to identify and name 50 gemstones with their associated countries

The record for being the fastest to identify and name 50 gemstones with their associated countries was set by **Muhammad Almir V.A.** (born on August 15, 2017) of Ernakulam, Kerala. He identified and named 50 gemstones with their associated countries in 58 seconds and 16 milliseconds, at the age of 8 years, 7 months and 9 days, as confirmed on March 24, 2026.



Longest duration to sit on a stool by an individual

The record for sitting on a stool for the longest duration was set by **Ansh** (born on October 2, 2005) of Bhatinda, Punjab. He sat on a stool in a room, continuously, for 4 hours, 15 minutes and 23 seconds, as confirmed on January 9, 2026.



Fastest teen to draw calligraphy images of letters from A to Z blindfolded

The record for being the fastest to draw calligraphy images of letters from A to Z blindfolded was set by **Kunisha Kumawat** (born on December 1, 2012) of Udaipur, Rajasthan. She drew 26 calligraphy images of letters from A to Z, blindfolded, on different sheets of paper, in 21 minutes and 13 seconds, using sketch pens, at the age of 13 years, 1 month and 27 days, as confirmed on January 28, 2026.



Fastest toddler to recall the capitals of 50 countries

The record for being the fastest to recall the capitals of 50 countries was set by **Raghav Panchal** (born on August 21, 2023) of Kota, Rajasthan. He recalled the capitals of 50 countries in 2 minutes, 22 seconds and 96 milliseconds, at the age of 2 years, 6 months and 13 days, as confirmed on March 6, 2026.

Binomial scientific names of maximum animals and reptiles recalled by a child

The record for recalling the binomial scientific names of the maximum number of animals and reptiles was set by **Mahaasri A.** (born on April 22, 2013) of Coimbatore, Tamil Nadu. She recalled the binomial scientific names of 84 animals and reptiles in 1 minute, 28 seconds and 42 milliseconds, at the age of 12 years, 8 months and 22 days, as confirmed on January 13, 2026.



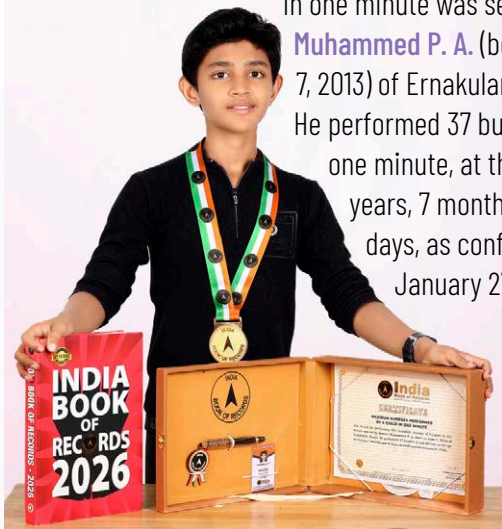
Fastest child to recite all letters of the Tamil alphabet

The record for being the fastest to recite all letters of the Tamil alphabet was set by **Inara D.** (born on April 10, 2013) of Madurai, Tamil Nadu. She recited all 247 letters of the Tamil alphabet in 24.45 seconds, at the age of 12 years, 8 months and 17 days, as confirmed on December 27, 2025.



Maximum burpees performed by a child in one minute

The record for performing the maximum number of burpees in one minute was set by **Hanaan Muhammed P. A.** (born on June 7, 2013) of Ernakulam, Kerala. He performed 37 burpees in one minute, at the age of 12 years, 7 months and 20 days, as confirmed on January 27, 2026.



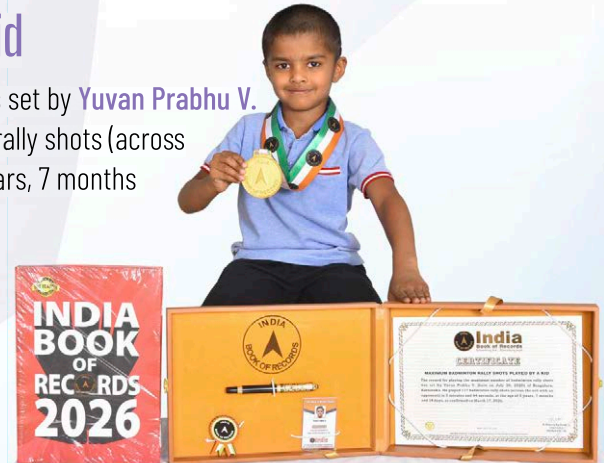
Fastest child to crochet a coin purse

The record for being the fastest to crochet a coin purse was set by **P.A. Varnika** (born on February 19, 2014) of Kallakurichi, Tamil Nadu. She crocheted a coin purse (measuring 11 cm x 9 cm) in 27 minutes, 7 seconds and 91 milliseconds, using a crochet needle and coloured wool, at the age of 11 years, 11 months and 30 days, as confirmed on February 18, 2026.



Maximum badminton rally shots played by a kid

The record for playing the maximum number of badminton rally shots was set by **Yuvan Prabhu V.** (born on July 30, 2020) of Bengaluru, Karnataka. He played 117 badminton rally shots (across the net with an opponent) in 5 minutes and 44 seconds, at the age of 5 years, 7 months and 18 days, as confirmed on March 17, 2026.



Fastest child to recite one hundred computer abbreviations while performing hula hoop spins simultaneously

The record for being the fastest to recite one hundred computer abbreviations while performing hula hoop spins, simultaneously, was set by **Hamsika Felicia** (born on January 13, 2017) of Sivaganga, Tamil Nadu. She recited 100 computer abbreviations while performing hula hoop spins, simultaneously, in 7 minutes and 40 seconds, at the age of 9 years and 1 day, as confirmed on January 14, 2026.



Largest spinal disc surgically removed by a surgeon

The record for surgically removing the largest spinal disc was set by **Dr. Saraj Kumar Singh** (born on February 25, 1985) of Patna, Bihar. As a surgeon, he operated on a 55-year-old male patient and surgically removed the largest spinal disc (measuring 8 cm x 3 cm x 1 cm) at AIIMS (Patna) on September 25, 2023, as confirmed on February 16, 2026.





IBR Achievers

2026

P. Adhiyan (born on September 18, 2020) of Tiruvannamalai, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 11 multiplication tables from 1 to 11 in 2 minutes, at the age of 5 years and 5 months, as confirmed on March 2, 2026.



Kritin R. (born on August 2, 2024) of Bengaluru, Karnataka is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 24 logos of national and international brands of cars, 18 animals, 12 titles of nursery rhymes, 11 fruits, flags of 11 countries and 11 parts of the body, at the age of 1 year and 7 months, as confirmed on March 5, 2026.



Vivan Surya (born on April 13, 2016) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for reciting the entire 'Vishnu Sahasranamam' (in Sanskrit) in 12 minutes and 38 seconds, at the age of 9 years and 10 months, as confirmed on March 6, 2026.



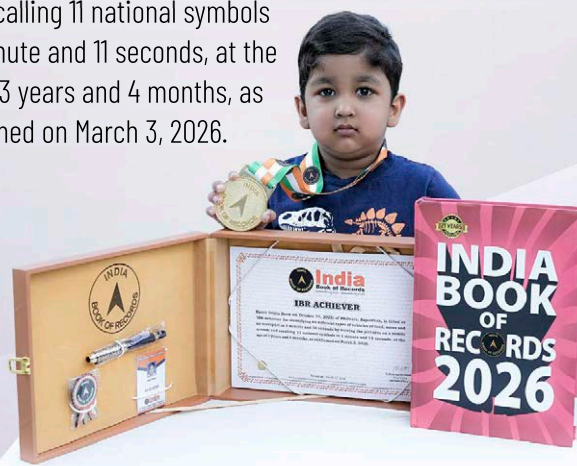
Purvagya Parag Chaudhari (born on February 8, 2024) of Chandrapur, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 7 fruits, 14 animals, 10 colours and 19 parts of the body; reciting 5 English nursery rhymes and 26 letters of the English alphabet; counting numbers from 1 to 10 in English and 1 to 18 in Marathi, at the age of 2 years, as confirmed on March 5, 2026.



Sreemayi Subeesh (born on July 19, 2024) of Kannur, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 20 animals, 11 birds, 11 vehicles, 10 fruits, 6 vegetables, 9 parts of the body, 8 colours, 3 actions and 29 miscellaneous items; mimicking the sounds of 5 animals and 3 birds; and recalling 12 greeting words, at the age of 1 year and 7 months, as confirmed on March 3, 2026.



Rishit Drolia (born on October 23, 2022) of Bhilwara, Rajasthan, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 43 different types of vehicles of land, water and air transport in 1 minute and 56 seconds by viewing the pictures on a mobile screen; and recalling 11 national symbols in 1 minute and 11 seconds, at the age of 3 years and 4 months, as confirmed on March 3, 2026.



Mohammed Arshad (born on August 1, 2018) of Warangal, Telangana, is titled as 'IBR Achiever' for reciting the names of 180 (UN recognised) countries, along with the capitals and currencies, in 5 minutes and 26 seconds, at the age of 7 years and 7 months, as confirmed on March 11, 2026.



Yogna Saira (born on March 25, 2022) of Surat, Gujarat, is titled as 'IBR Achiever' for identifying the flags and recalling the names of all 195 (UN recognised) countries in 6 minutes and 38 seconds by viewing the images of flags on a chart sheet, at the age of 3 years and 11 months, as confirmed on March 2, 2026.



Lyon Matis (born on May 17, 2024) of Puducherry, is titled as 'IBR Achiever' for lifting and holding 2 dumbbells (weighing 2 kg each) in both hands for 7 seconds, at the age of 1 year and 9 months, as confirmed on March 11, 2026.



Emir Ezdan K. (born on May 17, 2024) of Palakkad, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 5 vegetables, 6 apparels, 7 kitchen items, 9 daily use items, 9 vehicles, 10 fruits, 12 parts of the body, 12 food items, 16 creatures, 4 birds and 26 household items, at the age of 1 year and 9 months, as confirmed on March 5, 2026.



Nihara Nimish Shah (born on November 18, 2019) of Mumbai Suburban, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for delivering a speech at TEDx Talks for a duration of 11 minutes and 40 seconds on the topic 'Innovative Parenting in Future AI Driven World' (at NES International School, Mumbai) on January 17, 2026, at the age of 6 years and 2 months, as confirmed on March 7, 2026.



Kumaran Sampath (born on February 3, 1973) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for taking 4 wickets on 4 consecutive balls, all clean bowled, in the quarter final match of the Hindu Trophy, playing against State Bank of Mysore team, representing BEL Sports Club, at Chinnaswamy Stadium (Bengaluru) in July 1998, as confirmed on March 3, 2026.



Eshan A.R. (born on November 22, 2021) of Pathanamthitta, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying the pictures on 94 flashcards and recalling the names of animals, vegetables, vehicles, fruits, parts of the body, food items and miscellaneous objects in 5 minutes, at the age of 4 years and 3 months, as confirmed on March 10, 2026.



Ditya Mahtani (born on December 12, 2022) of Kolkata, West Bengal, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 4 famous personalities, 4 musical instruments, 5 comic characters, 6 vehicles, 7 wonders of the world, 8 planets, 12 shapes, 12 colours, 16 fruits, 19 parts of the body, 36 creatures and 38 miscellaneous items; answering 15 G.K. questions; reciting 2 mantras; recalling 12 elements of the periodic table and 8 national symbols, at the age of 3 years and 2 months, as confirmed on March 9, 2026.



Karn Mithunbhai Parmar (born on July 5, 2024) of Surat, Gujarat, is titled as 'IBR Achiever' for reciting letters of the English alphabet; identifying 20 wild animals, 10 pet animals, 20 birds, 18 fruits, 20 vegetables, 15 vehicles and 18 shapes, at the age of 1 year and 8 months, as confirmed on March 14, 2026.



Krishna Singhal (born on April 19, 2022) of Jaipur, Rajasthan, is titled as 'IBR Achiever' for recalling the capitals of 50 countries in 1 minute and 8 seconds, at the age of 3 years and 10 months, as confirmed on March 7, 2026.



Nyha Yashlyn (born on May 27, 2021) of Kozhikode, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 12 parts of the body; reciting days of the week, months in a year (in English and Malayalam), 8 planets, one celestial body and 7 colours of the rainbow; and answering 10 G.K. questions related to India, at the age of 4 years and 9 months, as confirmed on March 3, 2026.



Omysha Dhani (born on May 28, 2022) of Dehradun, Uttarakhand, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 6 shapes, 20 parts of the body, 7 cartoon characters and 20 animals; reciting 5 sense organs, 8 planets and 6 English nursery rhymes; counting numbers from 1 to 30; and writing letters of the English alphabet from A to Z, at the age of 3 years and 9 months, as confirmed on March 16, 2026.



Amyra Mahreen (born on May 26, 2023) of Paschim Bardhaman, West Bengal, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 12 insects, 16 fruits, 16 vegetables, 16 birds, 16 flowers, 16 colours, 16 vehicles and 28 animals; recalling months in a year, days of the week and 26 letters of the English alphabet with associated words; singing the National Anthem; counting numbers from 1 to 20; and reciting 16 English nursery rhymes, at the age of 2 years and 9 months, as confirmed on March 11, 2026.



Aashvi De (born on December 8, 2023) of South Tripura, Tripura, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 20 animals, 20 fruits, 20 vegetables, 10 colours, 12 parts of the body, 20 actions, 12 emotions and flags of 20 countries; recalling alphabetical words from A to Z, numbers from 1 to 10 and days of the week; and mimicking the sounds of 9 animals, at the age of 2 years and 3 months, as confirmed on March 9, 2026.



Dhairya Gupta (born on September 9, 2019) of Delhi, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming the flags of 107 countries in 3 minutes and 24 seconds by viewing the pictures of flags on flashcards, at the age of 6 years and 6 months, as confirmed on March 14, 2026.



Iksh Gandhe (born on November 7, 2021) of Hyderabad, Telangana, is titled as 'IBR Achiever' for reciting all 118 elements in the periodic table in 1 minute and 19 seconds, at the age of 4 years and 4 months, as confirmed on March 11, 2026.



Jarpula Dhevansh (born on April 29, 2023) of Mahabubnagar, Telangana, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 12 vegetables, 12 miscellaneous objects, 10 animals, 10 fruits and 7 Wonders of the World, at the age of 2 years and 10 months, as confirmed on March 7, 2026.



Jiyansh D. (born on January 11, 2024) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for recalling words in alphabetical order from A to Z in 1 minute and 1 second, at the age of 2 years and 1 month, as confirmed on March 6, 2026.



Aldrich Fin A. Amar (born on May 28, 2023) of Kozhikode, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 22 animals, 10 birds, 14 other creatures, 11 vehicles, 11 vegetables, 13 fruits, 12 colours, 13 internal organs and 14 parts of the body; counting numbers from 1 to 10, at the age of 2 years and 8 months, as confirmed on February 13, 2026.



Majeti Maanhitha (born on May 27, 2023) of Vijayawada, Andhra Pradesh, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 17 birds, 16 fruits, 3 shapes, 16 vegetables, 12 vehicles, 10 colours and 14 parts of the body; reciting 5 shlokas, 2 English nursery rhymes, months in a year, days of the week and all 26 letters of the English alphabet with associated words; and counting numbers from 1 to 20, at the age of 2 years and 8 months, as confirmed on February 16, 2026.



Tiara Meera Rahul (born on June 30, 2022) of Pathanamthitta, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and recalling the names of 19 animals, 15 parts of the body, 64 miscellaneous items, 15 fruits and 8 planets; reciting 26 letters of the English alphabet with associated words, at the age of 3 years and 7 months, as confirmed on February 16, 2026.



Aadhya Darshan Mangukiya (born on July 22, 2022) of Surat, Gujarat, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 22 mantras, including the Gayatri Mantra, Krishna Mantra, Mahamrityunjaya Mantra, Shanti Mantra, Hanuman Mantra, Devi Mantra and Durga Mantra, among others, at the age of 3 years and 6 months, as confirmed on February 5, 2026.



Prathulan S Anand (born on February 9, 2023) of Kancheepuram, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 10 Tamil Thirukkural in 1 minute and 12 seconds, at the age of 2 years and 11 months, as confirmed on January 31, 2026.



Taksh Nikhil Ruikar (born on April 27, 2023) of Dharashiv, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 9 colours, 9 mathematical symbols, 7 sea animals, 10 vehicles, 12 fruits and 16 parts of the body; recalling 8 national symbols, months in a year, days of the week, and all alphabetical words from A to Z, at the age of 2 years and 9 months, as confirmed on February 18, 2026.



S. N. Arya (born on September 30, 2023) of Coimbatore, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for riding a brakeless balance bicycle (without pedals and supporting wheels) on a road for a distance of 0.21 km in 1 minute and 5 seconds, at the age of 2 years and 4 months, as confirmed on February 14, 2026.



Niza Lafzi P. (born on August 30, 2017) of Palakkad, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 15 food items, 15 cartoon characters, 15 parts of the body, 15 home appliances, 15 animals, 15 vehicles, 15 actions, 15 colours and 15 fruits; recalling 4 seasons, 14 districts of Kerala, 10 lakes of Kerala, 7 continents and 15 facts about India, at the age of 8 years and 5 months, as confirmed on February 4, 2026.



Advaith Mayon P. (born on April 10, 2021) of Tirunelveli, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 10 multiplication tables (from 1 to 10) in 3 minutes and 56 seconds, at the age of 4 years and 9 months, as confirmed on February 5, 2026.



Midhush Shourya (born on November 29, 2018) of Mandya, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for reciting all 118 elements of the periodic table in 1 minute, 4 seconds and 20 milliseconds, at the age of 7 years and 2 months, as confirmed on February 12, 2026.



Barun Kumar Sethi (born on June 17, 2023) of Balasore, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 59 animals, young ones of 20 animals, 16 vehicles, 15 shapes, 20 freedom fighters, 15 musical instruments and 10 parts of the body; counting from 1 to 30; recalling 26 letters of the English alphabet, 7 continents, 8 planets, 17 national symbols and 28 states with capitals; reciting 6 shlokas, 4 English nursery rhymes; and singing the National song, at the age of 2 years and 7 months, as confirmed on February 13, 2026.



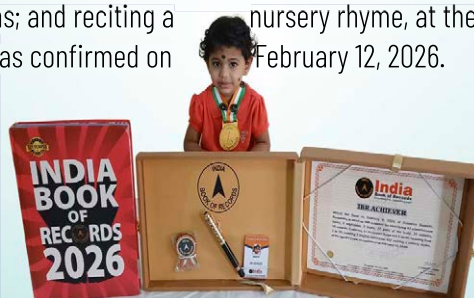
Akshath K. (born on April 25, 2020) of Kancheepuram, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for solving six 4 x 4 Sudoku puzzles, on a sheet of paper, in 3 minutes and 22 seconds, using a pencil, at the age of 5 years and 9 months, as confirmed on February 23, 2026.



Vedanshi Mehulbhai Dudhat (born on November 27, 2023) of Surat, Gujarat, is titled as 'IBR Achiever' for performing 21 yoga poses in 3 minutes and 54 seconds, at the age of 2 years and 2 months, as confirmed on February 17, 2026.



Shiyali Rai (born on February 9, 2024) of Dakshina Kannada, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 42 miscellaneous items, 5 vegetables, 3 fruits, 17 parts of the body, 10 vehicles, 10 animals, 6 colours, 11 electronic items and 5 birds; counting from 1 to 10; recalling 5 English antonyms; and reciting a nursery rhyme, at the age of 2 years, as confirmed on February 12, 2026.



Kiyan Mandal (born on March 11, 2022) of South 24 Parganas, West Bengal, is titled as 'IBR achiever' for reciting 3 Bengali nursery rhymes; identifying 13 vegetables; translating 28 fruits, 18 professions, 20 vehicles, 19 flowers, 21 creatures and 21 animals from English to Bengali; and recalling the capitals of 30 countries, at the age of 3 years and 11 months, as confirmed on February 20, 2026.



Chainika Kaur Virdi (born on June 22, 2012) of Mumbai, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for participating in the Republic Day 2026 Triathlon (consisting of 42 km cycling, 42 km skating and 21 km running) and achieving a 'Certificate of Appreciation' along with a medal (organised by MK's Club of Sports and Art), at the age of 13 years and 7 months, as confirmed on January 31, 2026.



Veeha Swapnil Junnarkar (born on May 26, 2017) of Pune, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 38 flashcards, blindfolded, and recalling the names of miscellaneous images of animals, vehicles, letters of the English alphabet, fruits, shapes, colours and numbers, among others, in one minute by swiftly moving the shuffled flashcards, at the age of 8 years and 8 months, as confirmed on January 29, 2026.



Nayanika Biswas (born on February 23, 2019) of Bilaspur, Chhattisgarh, is titled as 'IBR Achiever' for writing 50 odd numbers from 1 to 100, in 1 minute and 40 seconds, in a notebook, using a pencil, at the age of 6 years and 11 months, as confirmed on January 28, 2026.



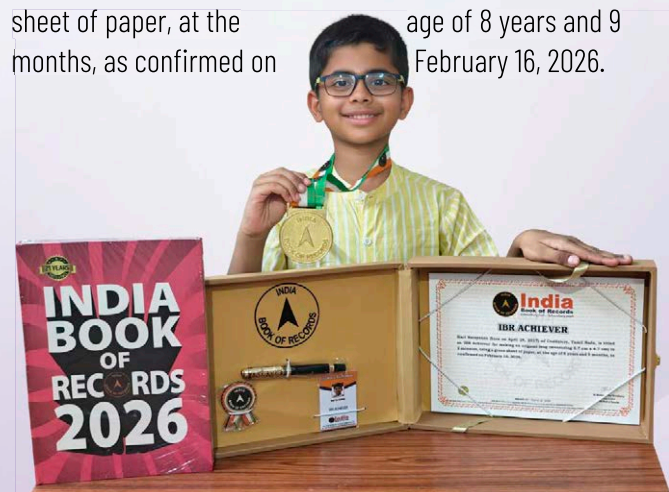
Ayra Zefrin (born on March 24, 2023) of Palakkad, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and recalling the names of 61 animals, 20 vegetables, 25 fruits, 19 birds, 20 professionals, 27 vehicles, 16 shapes, 18 colours, 24 parts of the body, 32 actions, 21 opposite words and 8 planets; reciting days of the week, months in a year and 26 letters of the English alphabet; answering 8 G.K. questions; counting from 1 to 10; and solving 3 puzzles, at the age of 2 years and 10 months, as confirmed on February 17, 2026.



Yogit Suhan (born on March 5, 2024) of Thane, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 10 deities, 11 colours, 11 miscellaneous items, 11 shapes, 13 car brands, 18 parts of the body, 20 vegetables, 24 fruits, 25 animals, 20 vehicles, 8 birds, 19 food items, all letters of the English alphabet with associated words; reciting 2 nursery rhymes; arranging 25 pieces of shapes; and stacking 6 coloured rings, at the age of 1 year and 11 months, as confirmed on February 14, 2026.



Hari Narayanan (born on April 28, 2017) of Cuddalore, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for making an origami frog (measuring 8.7 cm x 4.7 cm) in 2 minutes, using a green sheet of paper, at the age of 8 years and 9 months, as confirmed on February 16, 2026.



Bhaanish Sharma (born on November 27, 2022) of Ghaziabad, Uttar Pradesh, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 31 animals, 13 birds, 20 vegetables, 13 fruits and 9 colours; recalling the names of 5 seasons and 8 national symbols, at the age of 3 years and 2 months, as confirmed on February 16, 2026.



Avyan N. Jain (born on July 6, 2023) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 42 animals, 30 vehicles, 29 vegetables, 20 fruits, 8 shapes, 10 colours, 12 insects, 14 aquatic animals, 15 birds and 100 miscellaneous items; counting from 1 to 10; reciting 26 letters of the English alphabet, days of the week, 3 English nursery rhymes, 8 planets, 22 Tirthankaras and 10 national symbols, at the age of 2 years and 7 months, as confirmed on February 25, 2026.



Saanvika Das (born on February 10, 2023) of Ganjam, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 13 vehicles, 23 vegetables, 12 animals, 16 birds, 19 fruits, 12 colours, 20 shapes, 13 mathematical symbols, 23 parts of the body, 12 deities, 11 antonyms and 12 professions; reciting 26 letters of the English alphabet, 8 planets, days of the week and months in a year; translating the names of 14 family relations from Odia to English; and counting numbers from 1 to 20, at the age of 2 years and 11 months, as confirmed on February 6, 2026.



Shehza Mehar (born on September 11, 2020) of Kasaragod, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 16 animals, 19 fruits, 17 vegetables, 8 shapes, 6 national symbols, 17 letters of the Arabic alphabet, 17 vehicles, 5 types of plants and 17 parts of the body; reading 14 Malayalam and 21 English words; counting from 1 to 100; recalling days of the week; and spelling numbers from 1 to 5, at the age of 5 years and 5 months, as confirmed on February 11, 2026.



Vedhanth Sudheep (born on May 12, 2023) of Kozhikode, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 20 vehicles, 12 insects, 15 parts of the body, 15 vegetables, 20 fruits, 20 birds, 10 home appliances, 30 animals, 12 water animals, 12 flowers and 60 miscellaneous items; reciting 6 English nursery rhymes, months in a year and letters of the English alphabet, at the age of 2 years and 9 months, as confirmed on February 18, 2026.



Hamda Hassnain (born on March 27, 2024) of Udupi, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 10 shapes, 22 parts of the body, 14 actions, 51 animals and birds; reciting all letters of English and Arabic alphabet with associated words; recalling 8 English words from spellings; imitating the sounds of 11 animals; and counting numbers from 1 to 15, at the age of 1 year and 10 months, as confirmed on February 20, 2026.



Shaan Baidya (born on December 29, 2023) of Dakshin Dinajpur, West Bengal, is titled as 'IBR Achiever' for translating 10 fruits, 12 vegetables, 12 birds, 10 animals, 10 insects and 6 types of fish from English to Bengali; recalling the names of 18 chapters of the 'Srimad Bhagavad Gita'; answering 9 G.K. questions; and reciting 2 Bengali nursery rhymes, at the age of 2 years and 1 month, as confirmed on February 12, 2026.



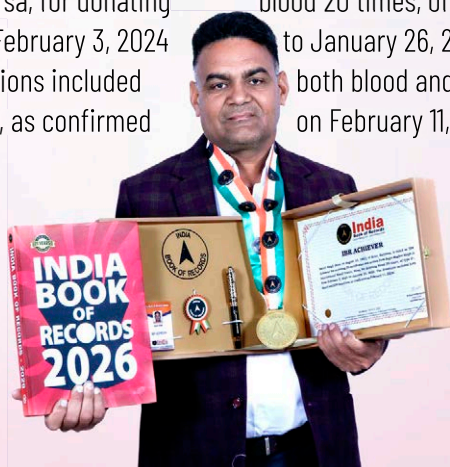
Zuan Salim Muhammed (born on November 23, 2017) of Ernakulam, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for solving a 2 x 2 Rubik's Cube in 1 minute and 31 seconds while mentally solving 15 addition and subtraction sums in continuation ($8 + 2 = 10$, $10 + 5 = 15$, $15 - 3 = 12$ $32 + 1 = 33$, $33 - 4 = 29$, $29 + 1 = 30$) by responding to the questions, at the age of 8 years and 2 months, as confirmed on February 18, 2026.



Arav Ranjan Goud (born on February 12, 2024) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 30 animals, 22 birds, 22 vegetables, 22 fruits, 16 vehicles, 8 freedom fighters, 8 actions, 10 parts of the body and 101 household items; imitating the sounds of 6 animals; recalling 4 national symbols; and performing 30 jumps (in 15 seconds), at the age of 1 year and 11 months, as confirmed on January 31, 2026.



Satvir Singh (born on August 10, 1981) of Sirsa, Haryana, is titled as 'IBR Achiever' for receiving 20 certificates and medals from Bapu Maghar Singh Ji International Blood Centre, Sirsa, for donating blood 20 times, of type O+, from February 3, 2024 to January 26, 2026. The donations included both blood and SDP donations, as confirmed on February 11, 2026.



K. John Solomon (born on July 30, 2022) of Virudhunagar, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming the flags of 195 (UN recognised) countries in 5 minutes and 43 seconds by viewing the flags on flashcards, at the age of 3 years and 6 months, as confirmed on February 17, 2026.



Jasteena K. Shiju (born on February 25, 2021) of Malappuram, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for reciting the names of all the 14 districts of Kerala in 6 seconds, at the age of 5 years, as confirmed on February 25, 2026.



Satvik Mazumder (born on June 18, 2024) of Andaman and Nicobar Islands, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 18 vehicles, 20 food items, 20 animals, 15 fruits, 18 vegetables, 14 parts of the body and 21 alphabetical pictures; recalling 26 letters of the English alphabet and 6 action words; counting from 1 to 10; stacking 5 coloured rings and arranging 25 shapes, at the age of 1 year and 7 months, as confirmed on February 12, 2026.



K. Pradeepan (born on August 29, 2020) of Tiruchirappalli, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying the flags and recalling the names of all 195 (UN recognised) countries in 1 minute and 29 seconds by viewing pictures of flags on a laptop screen, at the age of 5 years and 5 months, as confirmed on February 18, 2026.



Kathlyn Miriam Shah (born on March 27, 2024) of Thiruvananthapuram, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 28 birds, 28 animals, 12 sea creatures, 10 colours, 20 vegetables, 18 parts of the body and 19 fruits; reciting 26 letters of the English alphabet, 10 Bible verses and days of the week; counting numbers from 1 to 10; performing 5 actions; and mimicking the sounds of 13 animals, at the age of 1 year and 10 months, as confirmed on February 20, 2026.



Aayush Saisravan (born on January 30, 2021) of Mumbai, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for solving a jigsaw puzzle named 'The Lion King' (consisting of 108 pieces) in 27 minutes and 43 seconds, at the age of 5 years, as confirmed on February 19, 2026.



Aahaan Modi (born on June 18, 2020) of Pune, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for identifying the flags and recalling the names of 195 (UN recognised) countries in 2 minutes, 49 seconds and 82 milliseconds by viewing the pictures of the flags on a large screen, at the age of 5 years and 8 months, as confirmed on February 23, 2026.



Aadhyashree (born on October 2, 2023) of Surat, Gujarat, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 14 vegetables, 14 animals and 20 parts of the body; reciting 11 shlokas, days of the week and months in a year; recalling alphabetical words from A to Z and capitals of 16 Indian states; counting numbers from 1 to 30 in English and 1 to 10 in Hindi and Telugu; and answering 12 G.K. questions, at the age of 2 years and 4 months, as confirmed on February 25, 2026.



Nairit Ghosh (born on October 27, 2022) of Howrah, West Bengal, is titled as 'IBR Achiever' for identifying the flags of 149 countries, 36 famous personalities, 25 fruits, 25 vegetables, 25 animals, 25 vehicles, 25 birds, 25 flowers, 18 shapes, 12 colours, 8 planets and 35 parts of the body; locating 28 Indian states, 8 union territories and 23 districts of West Bengal on a map; counting from 1 to 100; recalling days of the week, months in a year, capitals of 121 countries and 28 Indian states, and 3 months, as confirmed on February 12, 2026.



Archit Sachin Singalkar (born on April 16, 2017) of Thane, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for identifying the flags and recalling the names of 195 (UN recognised) countries alphabetically from A to Z in 4 minutes and 19 seconds by viewing the images of flags on a TV screen, at the age of 8 years and 9 months, as confirmed on February 14, 2026.



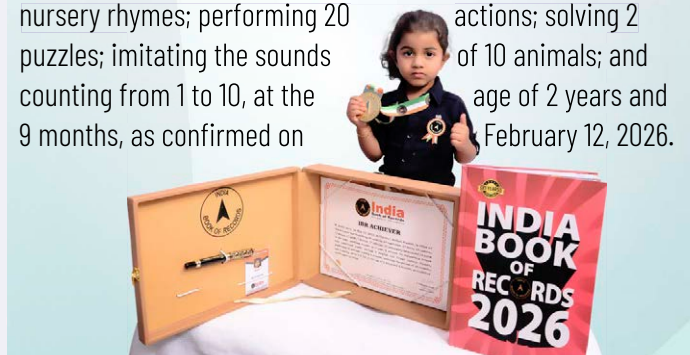
Aarav A. (born on March 16, 2020) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for achieving 16 medals in Taekwondo, consisting of 7 gold, 5 silver and 4 bronze medals, in various district, state and national level Taekwondo championships between 2024 and 2026, and 4 gold medals in inline skating between 2025 and 2026, at the age of 5 years and 11 months, as confirmed on February 16, 2026.



Manvitha N. (born on March 22, 2024) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 18 parts of the body, 16 fruits, 12 vegetables and 26 letters of the English alphabet; reciting days of the week and 2 English nursery rhymes; performing 17 actions; and imitating the sounds of 9 animals, at the age of 1 year and 10 months, as confirmed on February 20, 2026.



M. Krithi (born on May 12, 2023) of Chittoor, Andhra Pradesh, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 30 animals, 20 vegetables, 27 fruits, 12 colours, 11 shapes, 11 birds, 7 flowers, 17 vehicles, 15 community helpers and 15 parts of the body; recalling months in a year, 8 planets, 26 alphabetical letters with associated words; reciting 8 English and Telugu nursery rhymes; performing 20 actions; solving 2 puzzles; imitating the sounds of 10 animals; and counting from 1 to 10, at the age of 2 years and 9 months, as confirmed on February 12, 2026.



Anika Wadhwa (born on March 14, 2024) of Amritsar, Punjab, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 50 miscellaneous items, 33 animals, 12 birds, 21 fruits, 15 vegetables, 12 colours, 10 vehicles, 9 shapes and 10 parts of the body; reciting 4 nursery rhymes and letters of the English alphabet; counting numbers from 1 to 10 in English and Hindi; imitating the sounds of 8 animals; and solving 2 puzzles, at the age of 1 year and 11 months, as confirmed on February 25, 2026.



Ivana D. (born on September 6, 2023) of Madurai, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 13 vehicles, 13 parts of the body, 7 birds and 15 animals; reciting days of the week, months in a year and 26 letters of the English alphabet; and counting numbers from 1 to 10, at the age of 2 years and 5 months, as confirmed on February 18, 2026.



Rudra Prathiksha (born on August 22, 2023) of Thanjavur, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 8 shapes; recalling all letters of English and Tamil alphabet, 7 domestic animals, 6 wild animals, 8 birds, 8 fruits, 8 vegetables, 8 colours and 20 parts of the body; and counting numbers from 1 to 20, at the age of 2 years and 5 months, as confirmed on February 20, 2026.



A. K. Reya Padma (born on February 29, 2024) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 15 animals in 1 minute and 35 seconds; recalling associated words of the letters of the English alphabet from A to Z in 1 minute and 38 seconds, at the age of 1 year and 11 months, as confirmed on February 28, 2026.





Ihaan Shaurya (born on January 2, 2023) of Kannur, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 35 animals, 18 birds, 10 colours, 10 shapes, 18 fruits, 17 vehicles and 15 car logos; reciting months _____ in a year; and counting numbers from 1 to 49, at _____ the age of 3 years and 1 month, as confirmed on _____ February 20, 2026.



Jiyana A. (born on March 6, 2024) of Chennai, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 12 vehicles, 8 animals, 7 shapes, 7 parts of the body, 8 vegetables, 8 fruits, 8 household items, 8 food items, 8 colours and 8 toys; counting from 1 to 10, at the age of 1 year and 11 months, as confirmed on February 11, 2026.



Muhamed Razin (born on September 21, 2021) of Kozhikode, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 16 countries by the flags, 35 vehicles, 15 flowers, 25 shapes, 35 fruits, 5 organs, 13 professionals, 24 colours, 16 insects, 27 vegetables, 24 birds, 32 parts of the body, 32 animals, 8 planets and 12 types of houses; counting from 1 to 50; recalling 14 districts of Kerala, days of the week, months in a year and 26 letters of the English alphabet with associated words, at the _____ age of 4 years and 4 months, as confirmed on _____ February 10, 2026.



S. Jeevan (born on November 26, 2014) of Ballari, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and recalling the colours and numbers of 100 UNO cards, blindfolded, in 4 minutes and 4 seconds by touching the cards, at the age of 11 years and 3 months, _____ as confirmed on _____ February 27, 2026.



Niharika Jena (born on September 13, 2021) of Jajpur, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 16 parts of the body; recalling 7 national symbols, months in a year and days of the week; singing the National Anthem; and reciting 3 Hindi nursery rhymes, at the age of 4 years and 5 months, as confirmed on February 17, 2026.



Bishnu Mohan Panda (born on May 3, 1955) of Cuttack, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for authoring 28 books in English, including 'Beautiful Bastar' (ISBN: 978-93-52075-84-3), 'Amazing KBK Region and Lord Ram's Trail' (ISBN: 978-93-89615-08-1), 'Hockey in India' (ISBN: 978-93-60955-21-2) and 'Mahima Religion and Mahima Trail- in Odisha' (ISBN: 978-93-60959-94-4), among others, published by Authors _____ Press, as confirmed on February 25, 2026.



Jinisha Anurag Sarda (born on January 12, 2024) of Nagpur, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming months in a year, 12 animals, 11 parts of the body, 10 household items, 7 fruits, 3 vegetables and 3 vehicles; performing 14 actions; sorting and completing a puzzle of 20 shapes; and chanting a mantra, at the age of 2 years and 1 month, as confirmed on March 3, 2026.



K. Rudwiin (born on March 21, 2022) of Tiruppur, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 17 Tamil Thirukkural in 58 seconds and 89 milliseconds, at the age of 3 years and 10 months, as confirmed on February 17, 2026.



Samrik Dhali (born on July 3, 2022) of Nadia, West Bengal, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 76 vehicles, including a tractor, truck, taxi, scooty, crane and a bicycle, among others, in 5 minutes and 18 seconds, at the age of 3 years and 7 months, as confirmed on February 20, 2026.



Peddi Praagnatmika (born on February 17, 2021) of Mallaram, Telangana, is titled as 'IBR Achiever' for recalling the names of 39 Indian cities by their sobriquets (nicknames) in 52 seconds, at the age of 5 years, as confirmed on February 24, 2026.



Srihita Sriyanvi Parida (born on May 23, 2024) of Ganjam, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for recalling the capitals of 28 Indian states; answering 12 G.K. questions; reciting letters of English and Odia alphabet, months in a year, days of the week and 10 nursery rhymes; counting from 1 to 30 in Odia and 1 to 10 in English; identifying 10 parts of a cycle, 19 parts of the body, 18 miscellaneous items, 7 colours and 4 ornaments; and imitating the sounds of 10 animals, at the age of 1 year and 8 months, as confirmed on February 2, 2026.



R. G. Yuvaan Mohapatra (born on June 4, 2023) of Cuttack, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 10 shapes, 11 colours, 20 vehicles, 19 fruits, 15 birds, 15 community helpers, 26 vegetables, 47 animals, 41 miscellaneous items, 34 parts of the body, 14 insects and reptiles; reciting months in a year, days of the week, 8 planets, 10 English nursery rhymes, 6 mantras, 16 national symbols and letters from A to Z; answering 18 G.K. questions; and counting numbers from 1 to 30, at the age of 2 years and 8 months, as confirmed on February 28, 2026.





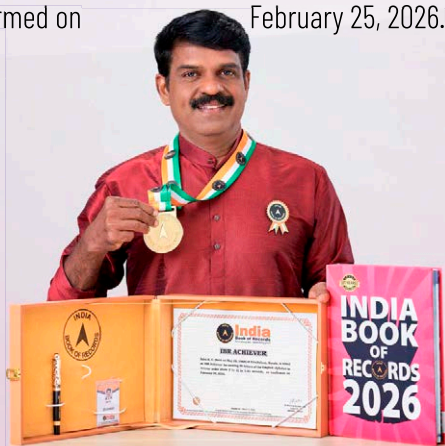
Adhrika Kalavathy M. S. (born on August 7, 2023) of Thiruvananthapuram, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 19 animals, 17 fruits, 18 birds, 12 shapes, 12 colours, 27 vegetables, 10 flowers, 12 vehicles and 19 parts of the body; recalling 9 national symbols, days of the week, 5 senses, 7 rainbow colours, life stages of a butterfly and letters of the English alphabet with associated words; reciting 2 English nursery rhymes; and counting numbers from 1 to 10, at the age of 2 years and 5 months, as confirmed on February 6, 2026.



Alain C. Rahul (born on September 14, 2022) of Kannur, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 25 animals, 7 insects, 10 fruits, 19 vehicles, 5 shapes, 9 flowers, 12 colours, 6 vegetables, 6 logos, 7 parts of the body, 8 miscellaneous pictures, all letters of the English and Malayalam alphabet; counting numbers from 1 to 12, at the age of 3 years and 5 months, as confirmed on February 20, 2026.



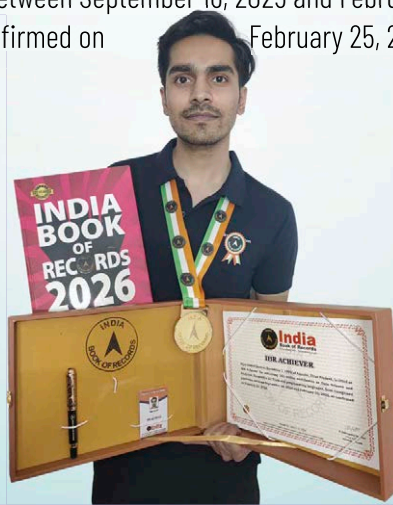
Babu K. C. (born on May 28, 1968) of Ernakulam, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 26 letters of the English alphabet in reverse order (from Z to A) in 1.41 seconds, as confirmed on February 25, 2026.



J. P. Pranav (born on October 23, 2022) of Chengalpet, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for answering 100 General Knowledge questions in 2 minutes, 30 seconds and 77 milliseconds, at the age of 3 years and 4 months, as confirmed on February 27, 2026.



Aijaz Ahmad (born on December 1, 1999) of Amroha, Uttar Pradesh, is titled as 'IBR Achiever' for achieving 103 online certificates in Data Science and Analytics, Generative AI Tools and programming languages, from recognised platforms, between September 16, 2025 and February 20, 2026, as confirmed on February 25, 2026.



Apurbi Kurmi (born on January 29, 2022) of Hailakandi, Assam, is titled as 'IBR Achiever' for reciting associated words of the English alphabet from A to Z and 5 shapes; singing the National Song 'Vande Mataram'; mimicking the sounds of 10 animals; and answering 13 G.K. questions, at the age of 4 years, as confirmed on February 20, 2026.



Diya S. (born on October 2, 2021) of the Nilgiris, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying the flags and recalling the names of all 195 (UN recognised countries), along with associated capitals and currencies, in 9 minutes and 10 seconds, on viewing the pictures of the flags on flashcards, at the age of 4 years and 4 months, as confirmed on February 27, 2026.



Arwa Fatima Akilhusen Saiyed (born on October 13, 2023) of Ahmedabad, Gujarat, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 11 birds and 58 animals; reciting 2 English and Gujarati nursery rhymes; recalling 3 professions; translating the names of 8 relations from Hindi to English; solving a puzzle; and counting numbers from 1 to 10 in English and Hindi, at the age of 2 years and 4 months, as confirmed on February 28, 2026.



Hamiz Ibrahim (born on September 1, 2021) of Kannur, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 99 names of Allah, 10 daily prayers in Arabic, names of 14 districts of Kerala and recalling 9 national symbols at the age of 4 years and 5 months, as confirmed on February 19, 2026.



Nikshitha M. (born on June 27, 2023) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 18 animals, 14 fruits and 12 vegetables; counting from 1 to 30; recalling days of the week, months in a year, letters of the English and Tamil alphabet with associated words, at the age of 2 years and 6 months, as confirmed on January 19, 2026.



Vama Vivek Desai (born on August 27, 2024) of Valsad, Gujarat, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 7 shapes, 11 actions, 10 birds, 13 vegetables, 15 fruits, 10 farm animals, 9 wild animals, 13 vehicles, 10 colours and 7 household items by viewing the pictures on flashcards, at the age of 1 year and 6 months, as confirmed on March 2, 2026.



Hazel Hardik Kumar Patel (born on February 21, 2024) of Surat, Gujarat, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 28 states of India in 2 minutes and 14 seconds by viewing the pictures on an Indian map puzzle, at the age of 1 year and 11 months, as confirmed on February 16, 2026.



Daanvi Sara A. (born on May 10, 2023) of Kanyakumari, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 12 Tamil months in a year in 6 seconds, at the age of 2 years and 8 months, as confirmed on January 23, 2026.



Amda Ashvadh (born on January 9, 2020) of Hyderabad, Telangana, is titled as 'IBR Achiever' for identifying the flags and recalling the names of 140 (UN recognised) countries in 5 minutes and 44 seconds, at the age of 6 years, as confirmed on January 21, 2026.



Gangarajula Vishruth Tej (born on January 30, 2023) of Nizamabad, Telangana, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 33 districts of Telangana, 5 English nursery rhymes, 3 shlokas, all letters of the English alphabet, days of the week and months in a year; identifying 12 parts of the body; recalling the spellings of numbers from 1 to 10; solving a 12-piece Montessori colour slide puzzle and a 5-piece shape puzzle, at the age of 2 years and 11 months, as confirmed on January 24, 2026.



Harshith E. (born on July 4, 2023) of Karur, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 33 vehicles, 21 vegetables, 13 sports, 12 musical instruments, 11 professions, 6 dry fruits, 24 fruits, 22 actions, 16 shapes, 17 parts of the body, 23 domestic animals, 21 wild animals, 14 national symbols, 12 English antonyms, 26 alphabetical words, 20 birds, 4 seasons and 6 natural elements, at the age of 2 years and 6 months, as confirmed on January 27, 2026.



Anisha Jhunjhunwala (born on August 16, 2017) of Ghaziabad, Uttar Pradesh, is titled as 'IBR Achiever' for achieving a certificate (certificate number: P010200743) from 'The Yoga Certification Board' for being certified as a 'Yoga Protocol Instructor' from December 9, 2025 to December 8, 2030 (evaluated by Modish Services Private Limited), at the age of 8 years and 4 months, as confirmed on January 10, 2026.



Aditya Gupta (born on February 11, 2011) of Gurugram, Haryana, is titled as 'IBR Achiever' for capturing an image of a celestial body in the night sky with the help of a telescope, at the age of 14 years and 10 months, as confirmed on December 31, 2025.



Lihan Eshwar P. (born on August 24, 2024) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for performing 12 actions; identifying 24 animals, 25 fruits, 26 vegetables, 21 vehicles, 12 festivals, 20 deities, 16 community helpers, 8 famous personalities, 16 freedom fighters, 21 birds, flags of 14 countries, 7 wonders of the world, 18 miscellaneous items and 18 parts of the body, at the age of 1 year and 6 months, as confirmed on February 28, 2026.



Viansh Karmakar (born on November 11, 2023) of Dadra and Nagar Haveli and Daman and Diu, is titled as 'IBR Achiever' for pointing out the geographical locations of all 28 states on an India map puzzle, in 3 minutes and 53 seconds, at the age of 2 years and 2 months, as confirmed on January 20, 2026.



Hitesh Patel (born on October 26, 1969) of Surat, Gujarat, is titled as 'IBR Achiever' for creating an AI-generated music album, in Gujarati, on a theme 'Nirbandh Varso' (Unbound Legacy), as confirmed on January 6, 2026.



B. K. Riana Dhriti (born on September 4, 2023) of Cuddalore, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for reciting all 26 letters of the English alphabet from A to Z in 13 seconds, at the age of 2 years and 5 months, as confirmed on February 14, 2026.



Rudraksh Chakraborty (born on October 7, 2021) of Malda, West Bengal, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 12 colours; recalling 4 national symbols; answering 7 G.K. questions; counting numbers from 1 to 100 in English and Bengali; and reciting the complete Hanuman Chalisa, at the age of 4 years and 4 months, as confirmed on February 24, 2026.



Raafqua Fatima (born on March 28, 2024) of Ranchi, Jharkhand, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 10 animals, 18 vegetables, 9 colours, 10 parts of the body and 4 birds, at the age of 1 year and 11 months, as confirmed on March 7, 2026.



Samarth Bansal (born on April 6, 2024) of Chandigarh, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 9 shapes, 10 vegetables, 10 fruits, 10 animals and 11 parts of the body; reciting letters of the English alphabet with their associated words, at the age of 1 year and 11 months, as confirmed on March 27, 2026.



Saanshi Rabel S. (born on September 12, 2024) of The Nilgiris, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 7 parts of the body and 5 miscellaneous items; recalling letters of the Tamil alphabet, at the age of 1 year and 6 months, as confirmed on March 18, 2026.



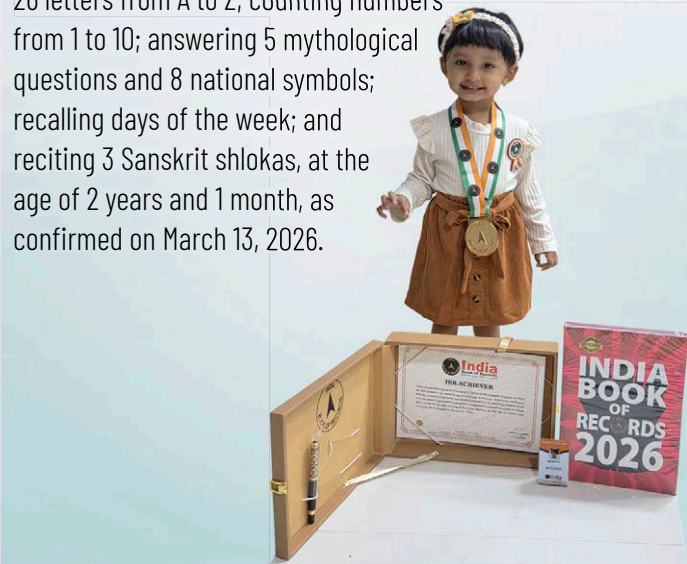
Tarun S. (born on February 22, 2022) of Coimbatore, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for solving a 'Mind Puzzler' set (a sliding game of 16 pieces) in 1 minute and 2 seconds, at the age of 4 years, as confirmed on March 3, 2026.



Tejas (born on January 1, 2017) of Kalaburagi, Karnataka, is titled as 'IBR achiever' for solving a 40-piece political map puzzle of India, blindfolded, in 5 minutes and 20 seconds, at the age of 9 years and 1 month, as confirmed on February 14, 2026.



Tatsa Rushi Patel (born on February 2, 2024) of Ahmedabad, Gujarat, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 21 animals, 9 colours, 8 planets, 10 shapes, 9 birds, 13 parts of the body and 26 letters from A to Z; counting numbers from 1 to 10; answering 5 mythological questions and 8 national symbols; recalling days of the week; and reciting 3 Sanskrit shlokas, at the age of 2 years and 1 month, as confirmed on March 13, 2026.



Shaurya Sharma (born on October 9, 2019) of Pithoragarh, Uttarakhand, is titled as 'IBR Achiever' for delivering a speech on Uttarakhand; reciting the names of 13 districts in Uttarakhand, 15 shlokas of Shiv Tandav Stotra, G20 countries and their capitals, 31 abbreviations with full forms, 195 countries (UN recognised) with their capitals and currencies and 28 Indian states with capitals, at the age of 6 years and 5 months, as confirmed on March 17, 2026.



Sanchayan Das Gupta (born on December 3, 2023) of North 24 Parganas, West Bengal, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 21 fruits, 27 vegetables, letters from A to Z, 23 parts of the body, flags of 18 countries, 12 colours, 23 animals, 16 vehicles and 9 actions; counting from 1 to 20; naming 6 national symbols, 13 elements of the periodic table and the solar system; reciting 22 Bengali and 3 English nursery rhymes; and solving a puzzle, at the age of 2 years and 3 months, as confirmed on March 10, 2026.



Rudran Ramanathan (born on July 13, 2023) of Coimbatore, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for riding a bicycle, without supporting wheels, for a distance of 3.05 km on a busy road in 29 minutes and 23 seconds, at the age of 2 years and 7 months, as confirmed on March 6, 2026.



S. P. Saisri (born on September 5, 2020) of Tiruvallur, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 23 Thirukkural in 1 minute and 14 seconds, at the age of 5 years and 5 months, as confirmed on March 5, 2026.



Shriyan M. S. (born on August 11, 2019) of Kollam, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 36 species of dinosaurs in 52 seconds from flashcards, at the age of 6 years and 6 months, as confirmed on March 5, 2026.



Rohit Uppal (born on March 6, 1980) of Faridabad, Haryana, is titled as 'IBR Achiever' for covering a distance of 6297 km by walking in one year (365 days), using a step-tracker device, as confirmed on February 12, 2026.



R. K. Lakshith Liyaan (born on July 11, 2023) of Chennai, Tamil Nadu, is titled as 'IBR achiever' for identifying the logos of 100 national and international brands of cars in 1 minute and 41 seconds, at the age of 2 years and 7 months, as confirmed on March 10, 2026.



Abced M.S. (born on May 11, 2019) of Ernakulam, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for having a unique name, comprising the first five letters of the English alphabet (a, b, c, d, e), at the age of 6 years and 9 months, as confirmed on February 17, 2026.



Abdec M. S. (born on January 15, 2022) of Ernakulam, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for having a unique name, comprising the first five letters of the English alphabet (a, b, c, d, e), at the age of 4 years and 1 month, as confirmed on February 20, 2026.



Diyansh Vishnu Vegi (born on February 25, 2021) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 12 multiplication tables from 1 to 12 in 3 minutes and 22 seconds, at the age of 4 years and 11 months, as confirmed on February 14, 2026.



Ayush Dawani (born on October 6, 2009) of Bhopal, Madhya Pradesh, is titled as 'IBR Achiever' for recalling 74 calendar days (by the dates) from the _____ years 2016 to 2040 in 5 minutes, at the age of _____ 16 years and 4 months, as confirmed on _____ February 10, 2026.



Avyukt Anirvan (born on June 16, 2023) of Jagatsinghpur, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 7 insects, 12 vegetables, 9 colours, 9 deities, 8 shapes, 12 fruits, 23 animals, 18 parts of the body, 14 vehicles and 26 alphabetical words from A to Z; counting numbers from 1 to 10; reciting 4 English nursery rhymes; recalling 14 national symbols, 5 shlokas, days of _____ the week and months in a year; performing 17 _____ actions; and answering 15 G.K. questions, at the age of _____ 2 years and 7 months, as confirmed on _____ February 11, 2026.



Shivansh Parida (born on February 7, 2020) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and recalling the names of 17 fruits, 13 vegetables, 7 shapes, 8 colours, 12 national symbols and 4 seasons; reciting days of the week, months in a year and 13 shlokas, at the age of 6 years, as confirmed on _____ February 23, 2026.



Elzin Muhammad (born on August 10, 2022) of Palakkad, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 31 flags, 18 animals, 18 fruits, 16 vegetables, 11 occupations, 11 colours, 21 parts of the body, 20 vehicles, 8 car logos, 8 shapes and 13 famous personalities; recalling 12 opposite words; and answering 20 General Knowledge questions, at the age of 3 years and 5 months, as confirmed on February 6, 2026.



Dwani Sreelal (born on September 21, 2023) of Alappuzha, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for running a distance of 100 metres in 51 seconds, at the age of 2 years and 5 months, as confirmed on February 23, 2026.



Priyanshu Prateek Behera (born on January 26, 2019) of Bhadrak, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 28 freedom fighters; naming 15 Prime Ministers, 15 Presidents and 9 Cabinet Ministers of India; answering 100 G.K. questions; recalling 30 English antonyms, 8 planets, 24 family members, capitals of 28 Indian states, 17 national symbols and 9 shlokas, at the age of 7 years, as confirmed on February 16, 2026.



Emmanuvel Kyalvin Davrev (born on November 29, 2001) of Idukki, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for authoring a Malayalam book titled 'Aadhiparvvam' (ISBN: 978-81-98185-70-9), published by Era Books Publications on February 4, 2026, and releasing an official original soundtrack (BGM) of the book titled 'Siege of the Iron Serpent', as confirmed on February 17, 2026.



Juwain (born on April 6, 2019) of Thiruvananthapuram, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for performing roller skating on a busy road for a distance of 8.3 km in 41.36 minutes, at the age of 6 years and 10 months, as confirmed on February 20, 2026.



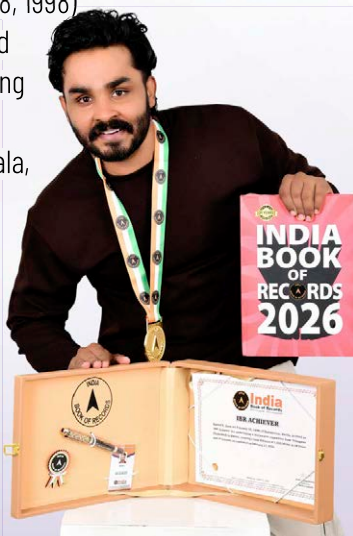
Sathvik M. M. (born on October 15, 2017) of Kannur, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 141 countries by viewing the images of flags on flashcards, and simultaneously locating 109 countries on a globe, at the age of 8 years and 4 months, as confirmed on February 19, 2026.



Prachet Swapnil Kole (born on July 23, 2023) of Solapur, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for identifying the flags of 32 countries, 57 miscellaneous items, 20 fruits, 12 shapes, 22 parts of the body, 23 vegetables, 21 vehicles, 20 professions, 8 colours, 17 animals, 14 actions and 26 letters of the English alphabet, at the age of 2 years and 6 months, as confirmed on February 11, 2026.



Rashid K. (born on February 28, 1998) of Malappuram, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for undertaking a motorcycle expedition from Telangana (Hyderabad) to Kerala, covering a total distance of 1,000.99 km in 18 hours and 14 minutes, as confirmed on February 17, 2026.



Suryanshu Bor (born on February 11, 2024) of Kolkata, West Bengal, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 26 animals, young ones of 10 animals, 11 colours, 12 shapes, 15 birds, 21 fruits, 10 vegetables, 16 vehicles and 13 parts of the body; answering 19 G.K. questions; reciting days of the week, months in a year and 11 letters of the Bengali alphabet; counting from 1 to 30 in English and 1 to 20 in Bengali, at the age of 1 year and 11 months, as confirmed on January 30, 2026.



Nilani N. Pranav (born on June 3, 2024) of Kozhikode, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and recalling the names of 7 Chief Ministers of Kerala, 10 colours, 12 fruits, 13 vegetables, 11 parts of the body, 11 animals, 10 birds, 7 flowers and 8 vehicles; performing 9 actions; and imitating the sounds of 8 animals, at the age of 1 year and 7 months, as confirmed on January 31, 2026.



S. P. Thvaritha (born on March 1, 2024) of Chennai, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 28 parts of the body in 1 minute and 34 seconds, at the age of 1 year and 11 months, as confirmed on February 17, 2026.



Srika Sridhar (born on December 18, 2023) of Karur, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 61 miscellaneous items, including household items, parts of the body, ornaments, fruits, vegetables, animals and vehicles, in 5 minutes and 47 seconds, at the age of 2 years and 1 month, as confirmed on February 7, 2026.



Bhagyashree Das (born on December 23, 2022) of Cuttack, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 26 freedom fighters, 36 creatures, 20 parts of a computer, 26 vegetables, 12 colours, 20 fruits and 24 animals; answering 130 G.K. questions; recalling capitals of 28 Indian states and 8 union territories, 30 districts of Odisha, 7 continents, 6 seasons, 7 national symbols, 18 books with authors, 15 poets, 10 Indian folk dances, 10 historical places, 10 animals with their food habits, 16 animals and their young ones, 40 English antonyms and 8 planets, at the age of 3 years and 1 month, as confirmed on February 14, 2026.



Shlok Balasubramanian (born on July 11, 2023) of Bengaluru Urban, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 8 shlokas in 1 minute and 17 seconds, at the age of 2 years and 7 months, as confirmed on February 14, 2026.



Trishan Sahoo (born on March 30, 2023) of Khordha, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 12 freedom fighters, 13 fruits, 19 professions, 13 shapes; 27 parts of the body; recalling the capitals of 22 countries, 28 Indian states, currencies of 15 countries, 15 English antonyms, 17 national symbols, 15 baby animals, 6 shlokas and 26 associated words of the English alphabet; counting numbers from 1 to 30, at the age of 2 years and 10 months, as confirmed on February 20, 2026.



Muhammed Lezin Emad (born on July 30, 2023) of Malappuram, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 17 parts of the body, 17 vehicles, 12 vegetables, 11 animals, 15 fruits, 5 national leaders, 5 birds, 5 colours, 5 seasons and 5 beverages; counting numbers from 1 to 10 in English and Malayalam; answering 10 G.K. and 10 Islamic questions; recalling days of the week and 14 districts of Kerala, at the age of 2 years and 6 months, as confirmed on February 13, 2026.



Aethan V. Arun (born on December 22, 2023) of Kozhikode, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 20 miscellaneous items, 17 vehicles, 13 animals, 12 parts of the body, 10 fruits, 10 colours, 6 birds, 3 traffic lights with meanings and the National Flag; performing 8 actions; and imitating the sounds of 5 animals, at the age of 2 years and 1 month, as confirmed on February 20, 2026.



Varikela Arhaansh (born on December 20, 2023) of Jangaon, Telangana, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming images on 61 flashcards, consisting of 18 animals, 15 vehicles, 10 fruits, 8 shapes, 5 parts of the body, 4 freedom fighters and one bird, in 4 minutes and 33 seconds, at the age of 2 years and 1 month, as confirmed on February 19, 2026.

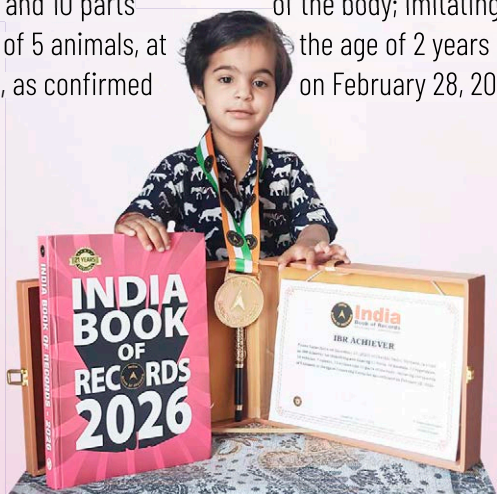




Eadfrid Vincent P.J. (born on May 24, 2021) of Thrissur, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for achieving 2 certificates for participating in the National Karate Championship 2025, held at Vivekodayam Boy's High School (Thrissur) on December 29, 2025, and secured 1st position in the individual Kumite and Kata in 'Colour Belt Category' (organised by the International Budo Karate Masters Federation), at the age of 4 years and 7 months, as confirmed on February 17, 2026.



Prisha Yadav (born on December 23, 2023) of Charkhi Dadri, Haryana, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 11 fruits, 16 animals, 12 vegetables, 14 vehicles, 7 colours, 12 actions and 10 parts of the body; imitating the sounds of 5 animals, at the age of 2 years and 2 months, as confirmed on February 28, 2026.



Aaradhya Pradhan (born on April 6, 2023) of Kendrapara, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 25 parts of the body, 10 leaders, 8 shapes and 5 vowels; recalling 17 national symbols, 17 opposite words, months in a year, days of the week, 6 seasons and 5 sense organs; reciting 2 nursery rhymes and 4 mantras; and answering 20 G.K. questions, at the age of 2 years and 9 months, as confirmed on January 9, 2026.



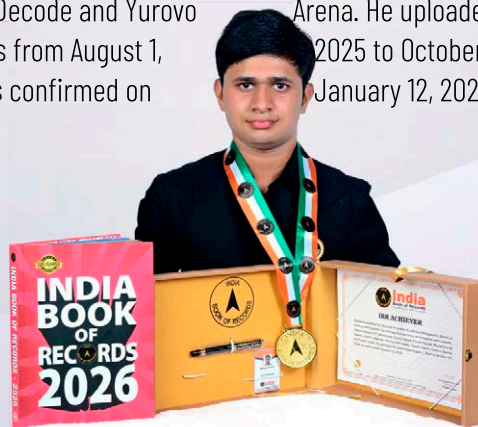
Arya. R (born on June 11, 2024) of Kasaragod, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and recalling the names of 12 vehicles, 11 animals, 10 parts of the body, 9 fruits and 5 vegetables, at the age of 1 year and 7 months, as confirmed on January 28, 2026.



Gopireddy Venkata Shreya (born on March 12, 2001) of YSR Kadapa, Andhra Pradesh, is titled as 'IBR Achiever' for painting 9 glass bottles with images of Mandala art, Warli art, names of 28 Indian states with capitals and other creative patterns, as confirmed on February 27, 2026.



Muhammad Mishal V.P. (born on November 8, 2003) of Malappuram, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for creating 'Yurovo Learn' on Instagram and LinkedIn, which consists of 7 educational series, named Yurovo Sparks, Blueprints by Yurovo, Yurovo Legends, Yurovo Chronicles, Yurovo Roots, Yurovo Decode and Yurovo Arena. He uploaded 161 posts from August 1, 2025 to October 26, 2025, as confirmed on January 12, 2026.



Livya Choudhury (born on June 21, 2023) of Unakoti, Tripura, is titled as 'IBR achiever' for identifying 20 fruits, 22 wild animals and 19 domestic animals; counting numbers from 1 to 10; reciting 18 chapters of the Bhagavad Gita in Bengali, 28 states of India with capitals, letters of the English alphabet with associated words, days of the week, 4 seasons, months in a year, 8 planets, 8 colours and 13 nursery rhymes (in Bengali and English), at the age of 2 years and 8 months, as confirmed on March 7, 2026.



N. Maithrasri (born on July 19, 2023) of Chennai, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 16 parts of the body, 10 vegetables and 11 animals; reciting 2 Tamil Thirukkural; and performing 10 actions, at the age of 2 years and 7 months, as confirmed on March 14, 2026.



Pranshi Jaydeepbhai Dudhat (born on February 9, 2023) of Rajkot, Gujarat, is titled as 'IBR Achiever' for reciting 15 Sanskrit shlokas, including Vakratunda Mahakaya, Om Gam Ganapataye Namaha, Sarv Mangal Mangalye and others, in 4 minutes and 16 seconds, at the age of 3 years and 1 month, as confirmed on March 17, 2026.



Akshara Chinthakindi (born on June 3, 2020) of Warangal, Telangana, is titled as 'IBR Achiever' for sharing the same date of birth and month with both of her siblings born on June 3, 2022 and June 3, 2024, respectively, as confirmed on March 19, 2026.



Ovi Pramod Yeole (born on June 17, 2024) of Pune, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 20 animals, 6 vegetables and 16 parts of the body; performing 26 actions; counting numbers from 1 to 10 in Marathi; drawing 4 shapes; climbing 72 steps; singing a song; dancing on a song; and imitating the sounds of 8 animals, at the age of 1 year and 9 months, as confirmed on March 19, 2026.



Daivik S. (born on December 27, 2019) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 180 pictures, comprising the flags of 92 countries, 4 world leaders, 9 Indian actors, 31 athletes, 17 car brand logos and 27 national and international brand logos, in 2 minutes and 22 seconds by looking at the charts, at the age of 6 years and 2 months, as confirmed on March 18, 2026.



Lavishka Kishore Raj (born on March 26, 2020) of Bengaluru Rural, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for demonstrating 28 Asamyuta Hasta Mudras (single hand gestures) of Bharatanatyam dance (under the guidance of V2 Dance Academy) in 24 seconds and 44 milliseconds, at the age of 5 years and 9 months, as confirmed on January 7, 2026.



S. Rithanya (born on April 19, 2024) of Chennai, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 5 national symbols, 7 vehicles, 10 colours, 12 vegetables, 13 fruits, 30 animals and 20 parts of the body; matching 12 colours; and sorting 16 shapes, at the age of 1 year and 9 months, as confirmed on January 24, 2026.



Edla Samyuktha (born on October 14, 2011) of K.V. Rangareddy, Telangana, is titled as 'IBR Achiever' for reciting all 118 elements of the periodic table in 30 seconds, at the age of 14 years and 3 months, as confirmed on January 19, 2026.



N. Niya (born on December 11, 2023) of Tiruvallur, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 10 parts of the body; recalling 26 letters of the English and 12 letters of the Tamil alphabet with associated words; reciting months in a year and days of the week; and counting from 1 to 10, at the age of 2 years, as confirmed on January 10, 2026.



Aryan Rajesh Khedekar (born on July 31, 2011) of Thane, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for completing a long distance sea swimming feat from Prong Lighthouse to Atal Setu, covering a distance of 20 km in 3 hours, 54 minutes and 15 seconds, on March 16, 2025, conducted by Maharashtra State Amateur Aquatic Association, at the age of 13 years and 7 months, as confirmed on January 29, 2026.



Aisha Zoohi P.P.K. (born on August 21, 2023) of Ernakulam, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and recalling the names of 13 vegetables, 17 fruits, 5 animals, 10 parts of the body, 6 flowers, 7 vehicles, 8 actions, 5 shapes, 10 colours, 8 professions and 3 birds, at the age of 2 years and 5 months, as confirmed on January 21, 2026.



V. Saindhavi (born on January 20, 2021) of Salem, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and recalling 60 binomial scientific names of different fruits, vegetables, plants, flowers and animals in 3 minutes and 16 seconds, at the age of 5 years and 1 month, as confirmed on March 2, 2026.



Shifa Azad (born on March 19, 2024) of North 24 Parganas, West Bengal, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 16 animals, 9 vegetables, 9 fruits and 9 birds; recalling alphabetical words from A to F; reciting 3 Bengali nursery rhymes; identifying 9 parts of the body; imitating the sounds of 5 animals; and answering 7 G.K. questions, at the age of 1 year and 11 months, as confirmed on March 7, 2026.



Vanya Saini (born on July 15, 2023) of Hisar, Haryana, is titled as 'IBR Achiever' for answering 15 G.K. questions; singing the National song; recalling 7 colours of the rainbow, months in a year, days of the week, 8 planets and 4 seasons, at the age of 2 years and 7 months, as confirmed on March 5, 2026.



Vriha Handa (born on April 26, 2024) of Kapurthala, Punjab, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 5 vehicles, 7 vegetables, 9 shapes, 10 colours, 15 parts of the body and 15 animals; reciting 26 letters of the English alphabet; and counting numbers from 1 to 10, at the age of 1 year and 10 months, as confirmed on March 9, 2026.



Aaradhya Jain (born on September 28, 2015) of Ghaziabad, Uttar Pradesh, is titled as 'IBR Achiever' for receiving the 'Global Child Prodigy Awards 2025' in Innovation and Technology at the House of Commons, British Parliament on June 25, 2026. She also developed the 'Smart Support Cane', a technology-driven elderly-assistive innovation and achieved 8 trophies, 11 medals and 10 certificates for academic excellence, at the age of 10 years and 3 months, as confirmed on January 23, 2026.



Shirish Agrawal (born on June 20, 1990) of Harda, Madhya Pradesh, is titled as 'IBR Achiever' for completing academic and professional qualifications in Law and Commerce, comprising Information Technology Certificate Course from ICAI, CA CPT, CA Intermediate (Group 1), LL.B., LL.M. and Ph.D. from the years 2008 to 2024, as confirmed on March 7, 2026.



Abigail Grace Tintu (born on October 12, 2022) of Pathanamthitta, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and naming 19 parts of the body, 20 animals, 23 household items, 20 fruits and 17 vegetables, at the age of 3 years and 3 months, as confirmed on January 21, 2026.

Roudrik Basak (born on April 8, 2022) of North 24 Parganas, West Bengal, is titled as 'IBR Achiever' for writing all the letters of the English alphabet with associated words and numbers from 1 to 100; solving 9 addition and subtraction sums; identifying 12 birds, 12 parts of the body and 31 vehicles; reciting 4 English nursery rhymes and spelling number names from 1 to 10, at the age of 3 years and 9 months, as confirmed on January 15, 2026.

S. Varshika Sri Sivagnanam (born on January 29, 2015) of Madurai, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for authoring a self-published e-book in English, titled 'Inventions to Adventures', at the age of 10 years and 11 months, as confirmed on January 21, 2026.

Mohammed Usman M. Z. (born on February 9, 2013) of Haveri, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for performing and holding the Elbow Plank pose, on the floor, for 5 minutes and 28 seconds, at the age of 12 years and 11 months, as confirmed on January 28, 2026.

S. Sai Shrisha (born on September 28, 2023) of Coimbatore, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying the flags and recalling the names of 50 countries in 3 minutes and 9 seconds by viewing the pictures of flags on flashcards, at the age of 2 years and 3 months, as confirmed on January 15, 2026.

Om Ganeshkumar Jadhav (born on September 6, 2006) of Buldhana, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for achieving 6 certificates for participating in different Brevet cycling competitions, covering 200 km on September 14, 2025, 300km on October 12, 2025, 400 km on November 15, 2025 and 600km on November 1, 2025 and December 20, 2025, organised by the Amravati Cycling Organisation, affiliated to Audax India Randonneurs, at the age of 19 years and 4 months, as confirmed on January 14, 2026.

Raviprasad Pooshan Deshpande (born on May 24, 2022) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for solving 20 jigsaw puzzles (each consisting of six pieces) of animals and vehicles in 25 minutes and 38 seconds, at the age of 3 years and 9 months, as confirmed on March 19, 2026.



Prayushi Dash (born on June 20, 2024) of Ganjam, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 16 animals, 18 fruits, 10 vehicles, 10 shapes, 7 sea animals, 5 colours, 20 vegetables and 4 insects; imitating the sounds of 9 animals; counting from 1 to 5; recalling 22 baby animal names, 9 English antonyms and 26 alphabetical words, at the age of 1 year and 8 months, as confirmed on March 2, 2026.



R. Jency (born on January 7, 2022) of Dindigul, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for reciting the names of 28 Indian states, along with the capitals, in 43 seconds, at the age of 4 years and 2 months, as confirmed on March 12, 2026.



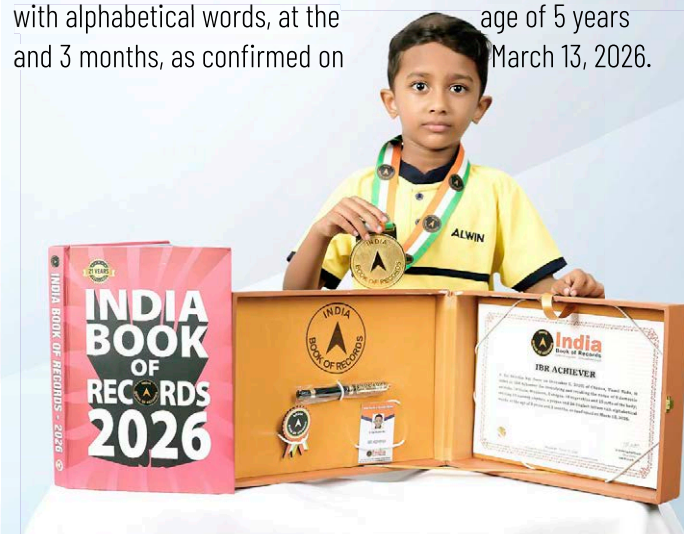
Rhythmicca G. (born on August 31, 2022) of Tiruppur, Tamil Nadu, is titled as 'IBR achiever' for identifying and recalling the names of 28 types of land, water and air transport in 1 minute and 16 seconds by viewing pictures on flashcards, at the age of 3 years and 6 months, as confirmed on March 2, 2026.



Ridhima Dash (born on June 10, 2015) of Jagatsinghpur, Odisha, is titled as 'IBR Achiever' for being awarded 18 certificates, 4 trophies and 9 medals for participating in academic and extracurricular activities, including drawing, mono acting, English debate and Olympiads (English and Science); achieving a certificate from the 'Vikram Sarabhai Science Foundation' for being chosen as the 'Top 100 Young Science Talents'. Additionally, she has been identified as the Best Performer-Level II in the Bharat Olympiad Exams in English for the academic session 2025-26, at the age of 10 years and 8 months, as confirmed on March 6, 2026.



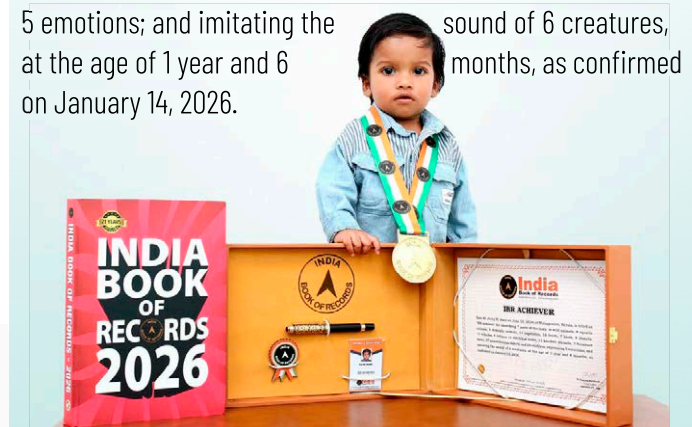
S. Sai Shashin Raj (born on December 5, 2020) of Chennai, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and recalling the names of 9 domestic animals, 16 fruits, 9 colours, 5 shapes, 18 vegetables and 15 parts of the body; reciting 10 nursery rhymes, a prayer and 26 English letters with alphabetical words, at the age of 5 years and 3 months, as confirmed on March 13, 2026.



Zenha Mehrin M A (born on May 10, 2024) of Thrissur, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 21 parts of the body, 15 miscellaneous pictures; reciting 2 English nursery rhymes; and stacking 5 coloured rings, at the age of 1 year and 8 months, as confirmed on January 23, 2026.



Ezin Ali Juraij M. (born on June 18, 2024) of Malappuram, Kerala, is titled as 'IBR Achiever' for identifying 7 parts of the body, 6 wild animals, 8 aquatic animals, 8 domestic animals, 14 vegetables, 18 fruits, 7 birds, 8 insects, 11 vehicles, 5 colours, 11 electrical items, 11 kitchen utensils, 7 furniture items, 37 miscellaneous objects and 28 relatives; expressing 5 emotions; and imitating the sound of 6 creatures, at the age of 1 year and 6 months, as confirmed on January 14, 2026.



G.M. Vidusha (born on July 8, 2020) of Tiruppur, Tamil Nadu, is titled as 'IBR Achiever' for reading a mathematics paper in English for 51 seconds, at the age of 5 years and 6 months, as confirmed on January 13, 2026.



Shlok Umesh Nehete (born on March 30, 2015) of Thane, Maharashtra, is titled as 'IBR Achiever' for locating and naming 40 countries on a globe in 59.80 seconds, at the age of 10 years and 9 months, as confirmed on January 21, 2026.



Trishika Bhure Sisodhiya (born on July 26, 2023) of Vadodra, Gujarat, is titled as 'IBR Achiever' for identifying and recalling the names of 25 states of the United States of America in 1 minute and 3 seconds by viewing an unlabelled outline map of USA, at the age of 2 years and 6 months, as confirmed on January 27, 2026.

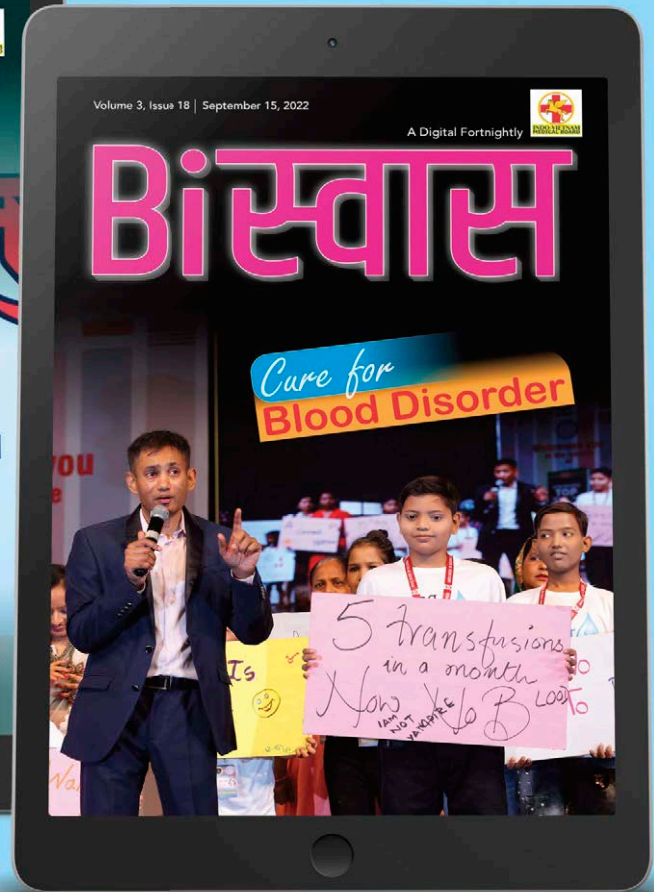


Shweta Maurya (born on July 10, 1999) of Bengaluru, Karnataka, is titled as 'IBR Achiever' for making a small painting of Lord Ganesha (measuring 2.5 cm x 2.5 cm) on a sheet of paper in 31 seconds, using beetroot juice, as confirmed on January 3, 2026.



पाक्षिक डिजिटल पत्रिका

को पढ़ें/सब्सक्राइब करें



मुख्य संपादक:
प्रो. आईनापुर पुरुषोत्तम

पढ़ने के लिए लॉग इन करें
www.biswaroop.com/biswas

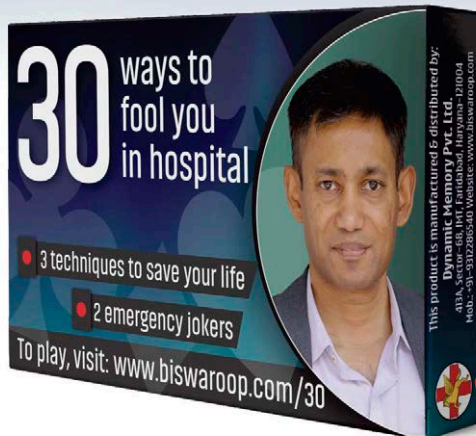
आपको दवा की नहीं
बल्कि शिक्षा की जरूरत है।

This pack of Playing Cards will help you in

Escaping the Hospital Traps

Reversing Lifestyle Diseases

Managing various Medical Emergencies



MRP: ₹ 200/-

To order, visit: www.biswaroop.com/shop

[Flipkart](https://www.flipkart.com) [amazon.in](https://www.amazon.in) [meesho](https://www.meesho.com)

Improve patient's outcome with Dr. BRC protocol

JOIN



Dr BRC
Clinic@home

Hospitals

Naturopathy
Practitioners

Clinics

Independent
Health Coaches

For details, visit: www.biswaroop.com/clinic

देश का सरदर्द करे दूर

2

SECONDS OIL

Headache
relief in 2 steps

Step 1 Open the cap **Step 2** Sniff the oil

न खाना

न पीना

न लगाना

सिर्फ सूंघकर करे सरदर्द को गायब

The box contains:

- 2 Seconds Oil bottle
- Certificate of Commitment
- Mini book 'देश का सरदर्द करे दूर'
'Relieving Nation's Headache'



A Dr. BRC Product

To buy, visit:
www.biswaroop.com/shop

amazon.in

Flipkart

meesho

गुरुत्वाकर्षण एक औषधि

पृथ्वी पर सबसे बड़ी शक्ति, गुरुत्वाकर्षण बल यानी ग्रेविटी को औषधि के रूप में इस्तेमाल करने पर आधारित पोस्च्युरल मेडिसिन के विज्ञान पर संभवतः यह विश्व की पहली पुस्तक है। इस पुस्तक को पढ़ने के बाद आप निश्चित रूप से आश्चर्य हो जाएंगे कि एलोपैथी (आधुनिक चिकित्सा), होम्योपैथी, आयुर्वेद या नेचुरोपैथी सहित उपचार की मौजूदा प्रमुख प्रणालियों की तुलना में, पोस्च्युरल मेडिसिन सबसे तेज, सुरक्षित और अधिक प्रमाणों पर आधारित है। जिसमें उपचार की लागत प्रायः नहीं के बराबर है और यह रसायनों/दवाओं और उच्च तकनीक वाले उपकरणों पर बिल्कुल भी निर्भर नहीं है।



मूल्य: ₹ 225/-
(कूरियर शुल्क अतिरिक्त)

सभी अग्रणी ऑनलाइन स्टोर्स पर हिंदी/अंग्रेजी में उपलब्ध है। [amazon.in](https://www.amazon.in) [meesho](https://www.meesho.com) [Flipkart](https://www.flipkart.com)

Zero Volt Therapy Kit

Zero Volt Foot Mat



- Foot Mat (19 x 12 inch)
- Earthing Copper Rod
- Connecting Copper Wire (10 meter)
- Carry Bag

Zero Volt Baby Soft



- Bedsheet (75 x 36 inch)
- Earthing Copper Rod
- Connecting Copper Wire (10 meter)
- Copper connecting wristband
- Carry Bag

Zero Volt Yoga Mat



- Yoga Mat (74 x 30 inch)
- Earthing Copper Rod
- Connecting Copper Wire (2 meter)
- Carry Bag

To stay disease-free, one needs to be grounded with Mother Earth most of the time. In urban cities, it seems difficult to achieve this target. With the invention of Zero volt bedsheet and mats, one can be grounded even while sleeping or sitting at home.

Buy online at: www.biswaroop.com/shop

 amazon.in

 Flipkart



 meesho

Dynamic Memory Pvt. Ltd.

413A, HSIIDC, Sector-68, IMT, Faridabad-121004 (Haryana)

E-mail: biswaroop@biswaroop.com

Phone & WhatsApp: **+91-9312286540**

A Step by Step Guide to a Smarter Memory

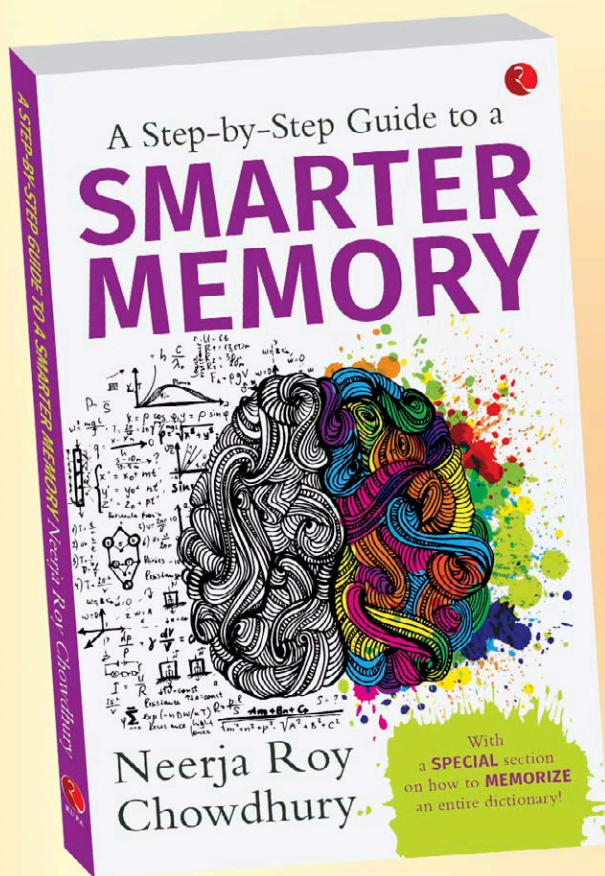
By Neerja Roy Chowdhury

This book will show you how to:

- Memorize a dictionary
- Never forget any appointment
- Recall every formula correctly
- Remember the shopping lists, birthdays and anniversaries etc.
- Overcome absent-mindedness
- Learn Memory techniques to achieve career goals
- Secure better marks in every exam

About the author:

Neerja Roy Chowdhury, the name can be found in prestigious record books including Guinness Book of World Records and Indo-China Book of Records for diverse reasons. The most interesting of all is her ability to memorize the complete Oxford English-Hindi Dictionary. She has also developed software for memorizing a dictionary. She has travelled more than 100 cities internationally in last one decade training people on 'Memory Techniques'. Her latest book 'Smarter Memory' is published by Rupa Publication. Presently she is involved in developing curriculum in memory techniques for international universities.



Price: ₹ 195/-
(Courier charges extra)

Place your order at:

Dynamic Memory Pvt. Ltd.

413A, HSIIDC, Sector-68, IMT, Faridabad-121004 (Haryana)

Mobile No.: +91-9312286540

E-mail: biswaroop@biswaroop.com

Log on to www.biswaroop.com/shop to buy products

amazon.in

Flipkart



meesho

Let every morning be the Hunza Morning

If you have decided to pick only one of my suggestions for the sake of your health, then take this suggestion:

Stop consuming tea, especially in the morning. Early morning tea makes the inner lining of the intestinal wall acidic because, after a long night of fasting, the stomach is empty and craving food. An acidic stomach on a regular basis is one of the biggest causes of all kinds of inflammatory and lifestyle diseases, including arthritis and diabetes.

How to stop craving of tea —————> Switch to Hunza Tea

Hunza Civilization: The Hunza people live in the extreme northwest of the Indian subcontinent, within the Hindu Kush range. They are one of the world's healthiest civilizations, with some individuals living up to 110 years.

How to prepare Hunza Tea (serves four)

Ingredients:

- ☐ 12 Mint leaves(Pudina)
- ☐ 8 Basil leaves (Tulsi)
- ☐ 4 Green cardamom (Elaichi)
- ☐ 2 gm Cinnamon (Dalchini)

Instructions:

- ☐ Take 4 cups of water in a tea pan
- ☐ Add all ingredients, simmer it for 10 mins
- ☐ Add a dash of lemon juice and serve hot or cold

Alternatively, you may order the ready-to-use Hunza Tea pack



₹ 400/-
(Including Courier charges)

You may place your order at:
Dynamic Memory Pvt. Ltd.

413A, Sector-68, IMT, Faridabad-121004 (Haryana) - India

Mobile No.:+91-9312286540 E-mail: biswaroop@biswaroop.com

Log on to **www.biswaroop.com/shop**
to buy products

amazon.in

Flipkart



meesho

Virtual OPD

**If you are suffering from Cancer, Heart Disease,
Kidney failure or any other lifestyle disease
and want to know**

The Best Diet on Earth Designed Just for You

to help you recover from illness

Then, let Dr. Biswaroop Roy Chowdhury design a customised Diet Plan for you, based on your medical history, current medication and present lifestyle.

Take the first step towards curing the disease
by filling the VOPD form at:

www.biswaroop.com/vopd

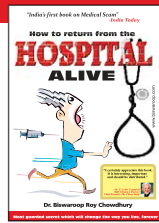
You may contact us at:

biswaroop@biswaroop.com / +91-9312286540

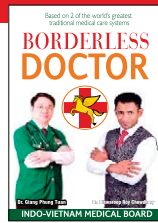
Books by Dr. Biswaroop Roy Chowdhury



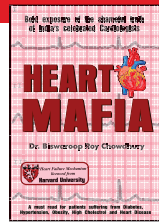
Price: ₹ 250/-



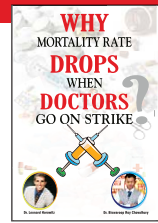
Price: ₹ 95/-



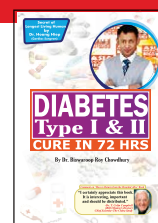
Price: ₹ 150/-



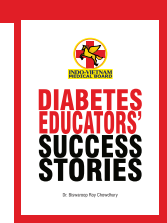
Price: ₹ 150/-



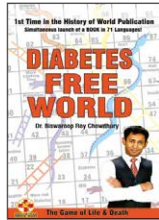
Price: ₹ 200/-



Price: ₹ 150/-



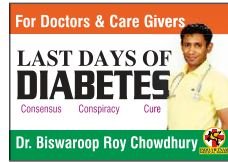
Price: ₹ 195/-



Price: ₹ 100/-



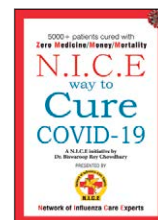
Price: ₹ 100/-



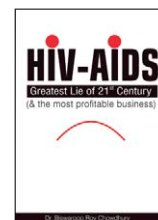
Price: ₹ 150/-



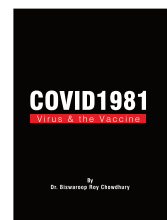
Price: ₹ 100/-



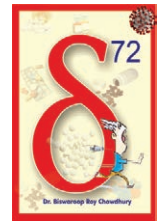
Price: ₹ 250/-



Price: ₹ 100/-



Price: ₹ 175/-



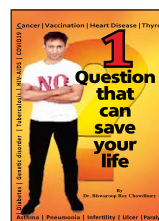
Price: ₹ 150/-



Price: ₹ 100/-



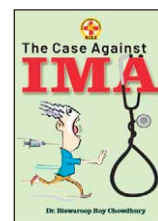
Price: ₹ 100/-



Price: ₹ 175/-



Price: ₹ 150/-



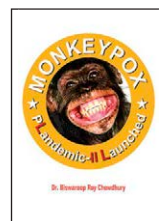
Price: ₹ 150/-



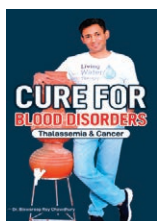
Price: ₹ 225/-



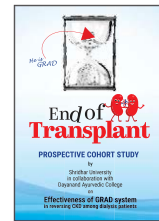
Price: ₹ 200/-



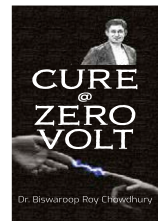
Price: ₹ 100/-



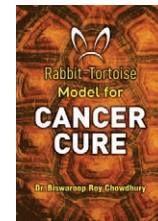
Price: ₹ 200/-



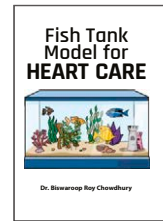
Price: ₹ 200/-



Price: ₹ 175/-



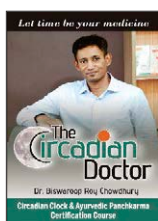
Price: ₹ 250/-



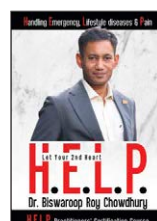
Price: ₹ 250/-



Price: ₹ 350/-



Price: ₹ 250/-



Price: ₹ 250/-



Price: ₹ 295/-



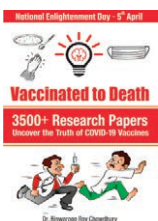
Price: ₹ 55/-



Price: ₹ 500/-



Price: ₹ 100/-



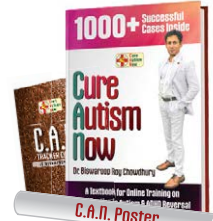
Price: ₹ 2000/-



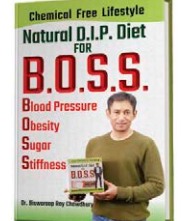
Price: ₹ 500/-



Price: ₹ 1500/-



Price: ₹ 2100/-



Price: ₹ 200/-

Dynamic Memory Pvt. Ltd.

413A, Sector-68, IMT, Faridabad-121004 (Haryana) India

• Mob.: +91-9312286540 • E-mail: biswaroop@biswaroop.com

Buy online at:
www.biswaroop.com/shop

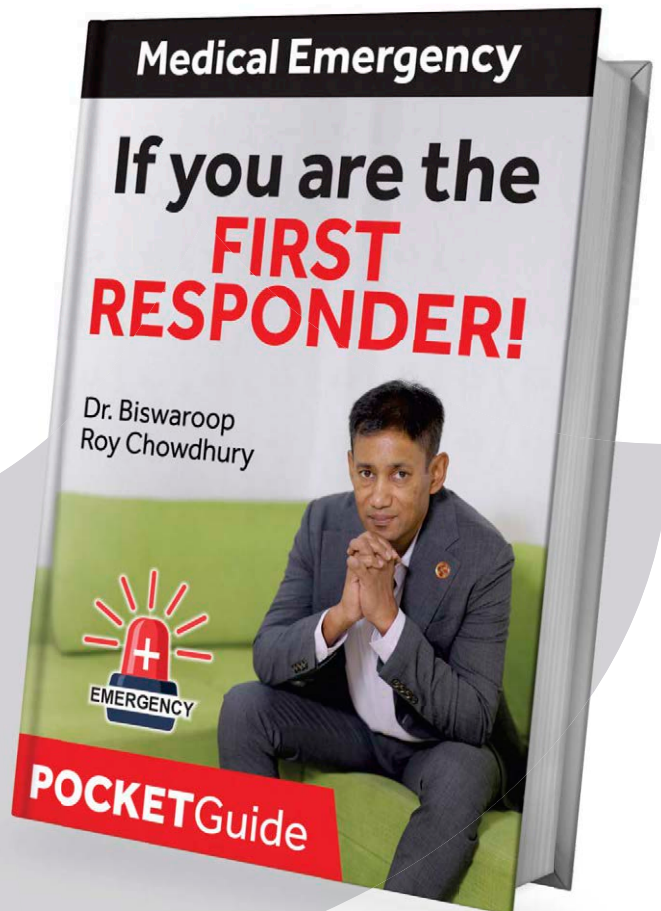
amazon.in

Flipkart

meesho

Available in
Hindi/English
at leading online stores
*Courier Charges Extra

When the matter is of life & death...



To buy 'Rapid Action Kit', visit: www.biswaroop.com/shop

or Call: +91-9312286540

[amazon.in](https://www.amazon.in)

[Flipkart](https://www.flipkart.com)



[meesho](https://meesho.com)

...make your own pocket life saving kit.

VASO-STIMULATION THERAPY KIT

This hot water utensil with an electric panel is a part of hot water Vaso-Stimulation Therapy. Before connecting the VST Kit with the electrical socket, one must check the earthing of the socket. To check the earthing, use Dr. BRC Earthing Detector included in this kit.

*For full understanding of VST Kit, read the book H.E.L.P.
(www.biswaroop.com/help)*



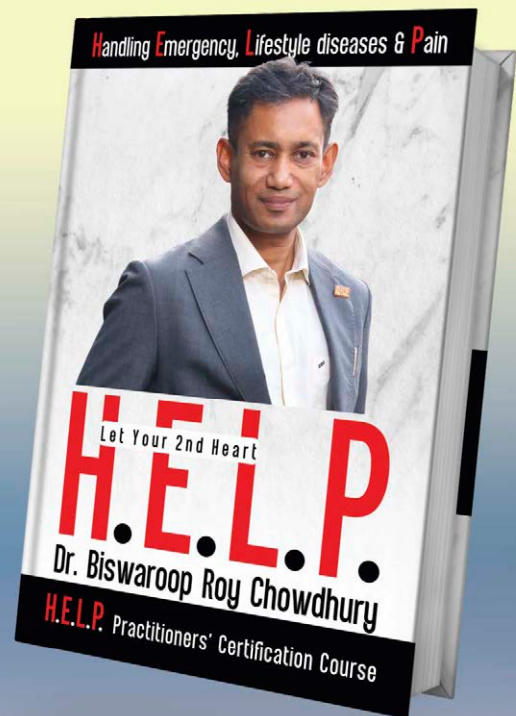
Digital Controller

To buy, visit:

www.biswaroop.com/shop

[amazon.in](https://www.amazon.in) [Flipkart](https://www.flipkart.com) [meesho](https://www.meesho.com)

Customer Care No.
+91-9312286540



Dynamic Memory Pvt. Ltd.

413A, HSIIDC, Sector-68, IMT,
Faridabad-121004 (Haryana)

E-mail: biswaroop@biswaroop.com



Dr BRC Earthing Detector

Dr BRC Earthing Detector is an innovation by Dr. Biswaroop Roy Chowdhury, designed to be used during the installation of the Zero Volt Bed Sheet/Foot Yoga Mat or before using the Hot Water Tub/Bucket.



For more details, visit:
www.biswaroop.com/ed

To buy, visit:

www.biswaroop.com/shop

[amazon.in](https://www.amazon.in)

[Flipkart](https://www.flipkart.com)



[meesho](https://www.meesho.com)



Scan QR

Dynamic Memory Pvt. Ltd.

413A, HSIIIDC, Sector-68, IMT, Faridabad- 121004 (Haryana)

E-mail: biswaroop@biswaroop.com

Customer Care No.: **+91-9312286540**

To Explore Dr. BRC's Banned YouTube Channel visit:

www.biswaroop.com/mydeletedyoutubechannel

Videos: 230

Created: Dec 18, 2013

Views: 37,409,513

Deleted: Jun 3, 2020

Subscribers: 966,000

&

To watch more than

10,000

success

stories/testimonials

of the D.I.P. Diet

visit:



www.coronakaal.tv

कैसे करें क्रॉनिक किडनी डीसीज़ रिवर्स



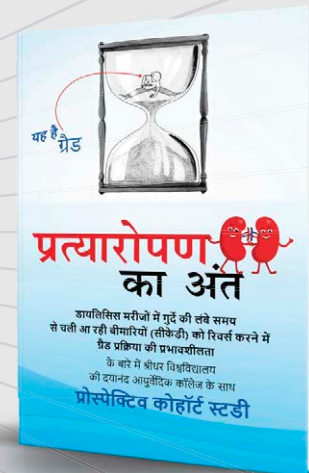
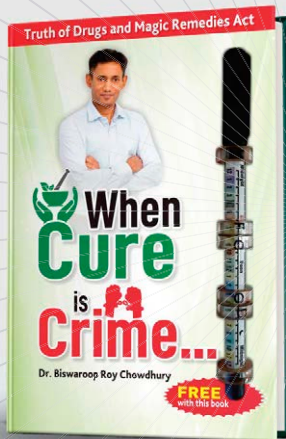
- दर्द प्रबंधन
- कैंसर थेरेपी
- सेल्फ डायलिसिस
- हार्ट अटैक से बचाव
- अनिद्रा और अवसाद का इलाज
- पार्किंसंस/अल्जाइमर, सीकेडी और फाइब्रोमायल्जिया को कम करना



डायलिसिस टब खरीदने के लिए
visit:

www.biswaroop.com/shop

सफलता की कहानियों के पहले और बाद के संस्करणों को जानने और ग्रेड डायलिसिस टब के विज्ञान को समझने के लिए आपको निम्नलिखित पुस्तकों को पढ़ना होगा:



ये किताबें आपके लिए इस पते पर नि:शुल्क उपलब्ध हैं: www.biswaroop.com/ebook

डॉ. बीआरसी से परामर्श लेने के लिए इस पते पर संपर्क करें:
www.biswaroop.com/VOPD

3 Days Residential Camp with Dr. BRC

Asia's Biggest (1000-bedded) Integrated Medicine Hospital

72hrs CAMP



Call/WhatsApp: +91-7827710735

Venue: HIIMS-NCR Meerut

Diabetes

High B.P.

Heart Disease

Joint/Body Pain

Obesity

Swelling

Parkinson's Disease

Low Immunity

Constipation



Hot Water Immersion

Panchakarma

Neem Therapy

D.I.P. Diet

Zero Volt Therapy

D.A.N. Protocol

Postural Medicine

Living Water

Acupressure

Circadian Timeline

Vaso-Stimulation Therapy

For more details, visit: www.biswaroop.com/72hrs

Malaysian Government



We are proud to be pioneers in the field of "Healing Care" through "Engineering Science", with over a decade of experience across Malaysia, Vietnam, and India. Our work is led by Dr. Biswaroop Roy Chowdhury, renowned author of 36 books and creator of the acclaimed D.I.P. Diet.

We warmly invite you to our **8-hour training session** titled **"3 Medicines for Holistic Health"**, where you'll witness practical demonstrations showing how nature's three medicines can help you reclaim your health - not in months or days, but for many, within just a few hours of integrating them into your lifestyle.

To explore the engineering of the human body using scientific tools such as a voltmeter, light meter, and EMF meter, join us for this one-day hands-on workshop.



For more details, contact:

413A, Sector-68,
IMT, Faridabad - 121004,
Haryana (India).
Mob.: +91-9312286540

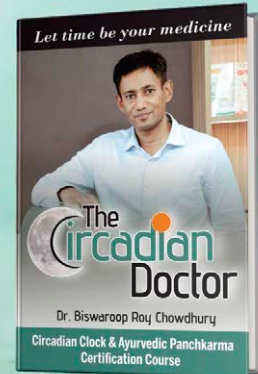


HRD Approved Training

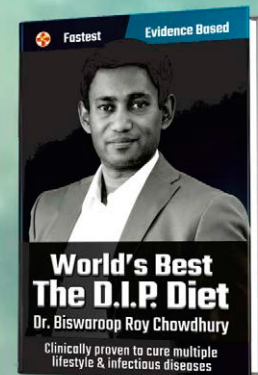


3 Medicines To Sustain A Good Physical & Mental Health

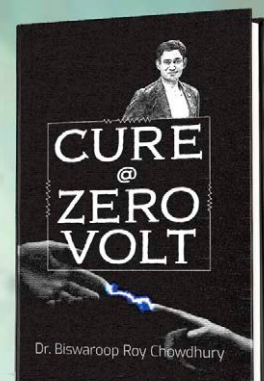
1. Time as Medicine: Eating a variety of fruits for breakfast can improve metabolism and help control blood sugar, whereas consuming fruits after sunset may have the opposite effect. This science can be understood by studying your circadian clock—the body's internal timekeeper.



2. Food as Medicine: What if 50% of your diet consisted of raw vegetables and fruits, excluding all forms of animal protein? Most likely, you would achieve a healthy Body Mass Index (BMI) within 2 to 3 months, along with significant improvements in stamina and endurance. A true understanding of the science of food can empower you to reach your health goals.



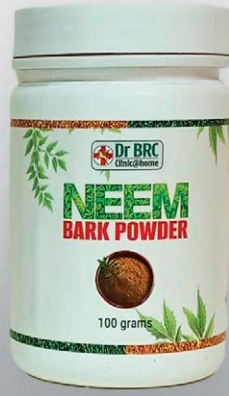
3. Zero Volt Medicine: Simply step barefoot onto grass or natural earth. Within the first 10 seconds, your body's voltage drops to zero. At this "Zero Volt" state, the body is believed to reach peak immunity, triggering numerous positive and significant changes in both physical and mental health.



Neem Therapy Kit



Neem Leaves Powder
(100 grams)



Neem Bark Powder
(100 grams)



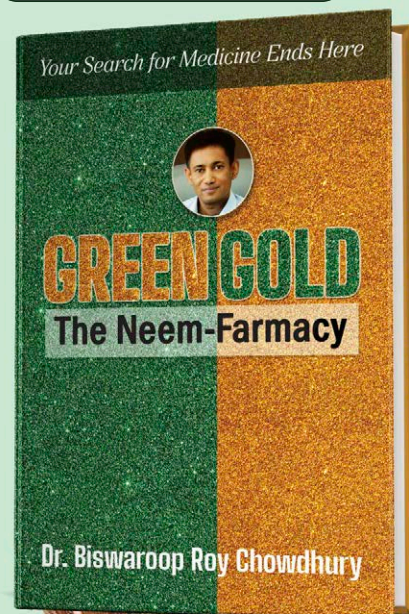
Neem Cold Pressed Oil
(50 ml)



Measuring
Spoon



Dropper



₹ 1995/-

Buy Online at:

[amazon.in](https://www.amazon.in)

[Flipkart](https://www.flipkart.com)



[meesho](https://www.meesho.com)

Your Search for Medicine Ends Here!

To buy, visit: www.biswaroop.com/shop

Certified Neem Therapy Practitioner

A unique blend of traditional wisdom and modern science

Certified by



Training by



Course Highlights

Duration: 1 Month • Mode: 100% Online
(Objective test after each lecture)

Syllabus Overview

Module 1: Neem Culture, Chemistry & Cosmetics

- History, Chemistry & Cultural Adaptation of Neem
- History of Neem as a Medicine
- Cultural Adaptation Worldwide
- Chemistry of Active Agents
- Neem as Cosmetics

Module 2: Practitioner's Toolkit – Lifestyle Diseases

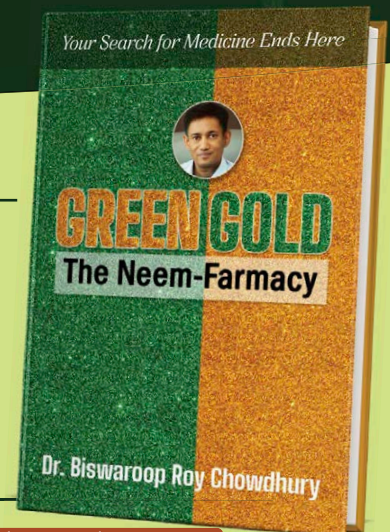
- Evidence Base of Neem as medicine for lifestyle diseases
- Dosage Calculation
- Practitioner's Toolkit – Lifestyle Diseases

Module 3: Practitioner's Toolkit – Infectious Diseases

- Evidence Base of Neem as medicine for Infectious Diseases
- Dosage Calculation
- Practitioner's Toolkit – Infectious Diseases

Module 4: Neem Panchkarma & Home Pesticide

- Neem Panchkarma for Symptomatic Pain Management
- Basics of Neem Panchkarma
- Practical Sessions
- DIY: Home Pesticides • Final Objective Test



Practitioner's Kit

- Neem Oil • Neem Leaves Powder
- Neem Bark Powder • Dropper
- Measuring Spoon

To register, visit: www.biswaroop.com/cntp
Call: 9312286540 • WhatsApp: 9560979433





Certification Partner:



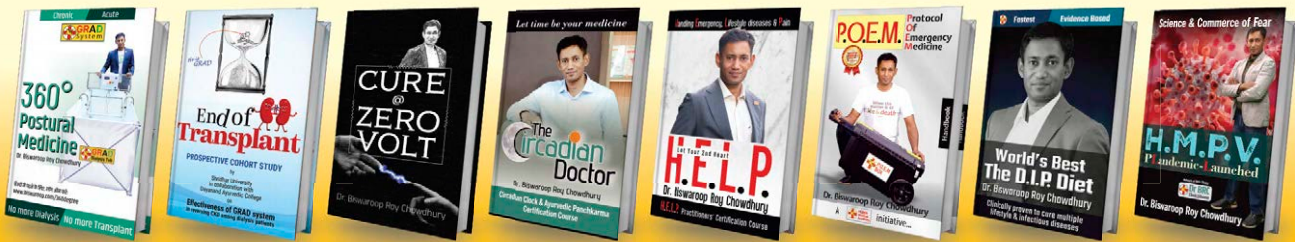
3 month online Certification in Integrated Medicine (CIM)

Join our comprehensive program in 'Integrated Medicine' which will empower you to become your own doctor. Further you will be able to become a part of our  — a network of 1000+ clinics. With our affiliation you will be able to practice Dr BRC Protocols in your area or city. Whether it's lifestyle disease, infectious disease, emergency care, or pain management, this course will equip you to create an integrated emergency toolbox at home to meet these targets. Don't miss this opportunity to take charge of your health and well-being. Enrol now to start your journey towards self-sufficiency in health management.

Mode: Weekend Online / Correspondence

Course Material: The course material includes books which will be delivered to your doorstep via courier (within India) and e-books will be shared through email.

- D.I.P. Diet
- 3 Step Flu Diet
- GRAD
- Circadian Chart
- Zero Volt Therapy
- Acupressure
- Ayurvedic Panchkarma
- Vaso-Stimulation Therapy
- D.A.N. Protocol



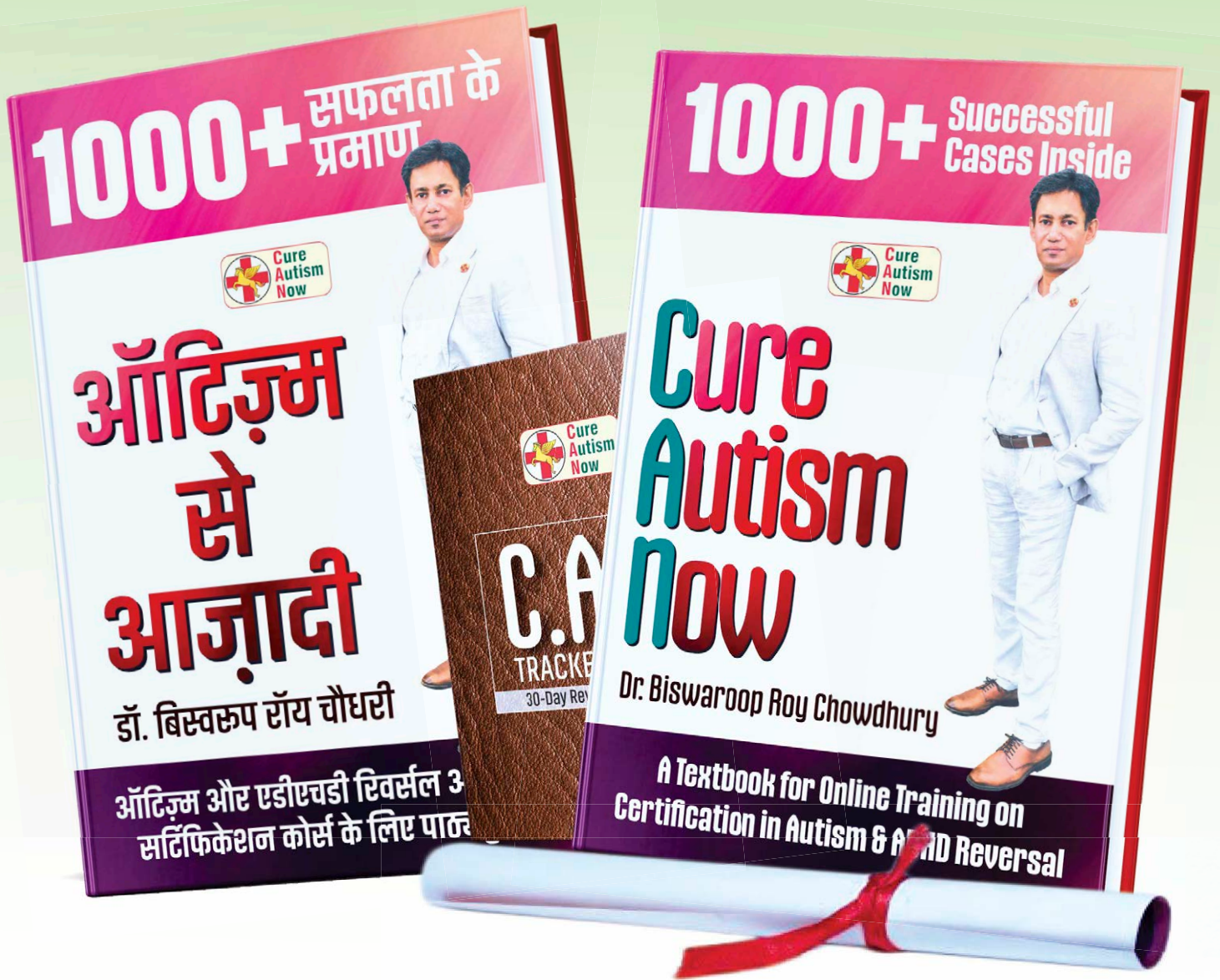
Call/Whatsapp
+91-9312286540

To enrol, visit
www.biswaroop.com/cim

To start your own
or
to locate nearby



Visit: **www.biswaroop.com/clinic**



Physical copy available in India at:

www.biswaroop.com/shop

amazon.in

Flipkart



meesho

Ebook available globally at:
Amazon & Google Books

Note for the Parents of Children Diagnosed with Autism/ADHD: The Coupon Code (to connect with our C.A.N. Doctors) is available in Physical copy. Ebook buyers may Whatsapp at **9560979433** to receive coupon code.

Autism/ADHD is Curable



To help your child get out of the trap of

Autism/ADHD

get in touch with us at:

[www: biswaroop.com/autism](http://www.biswaroop.com/autism)

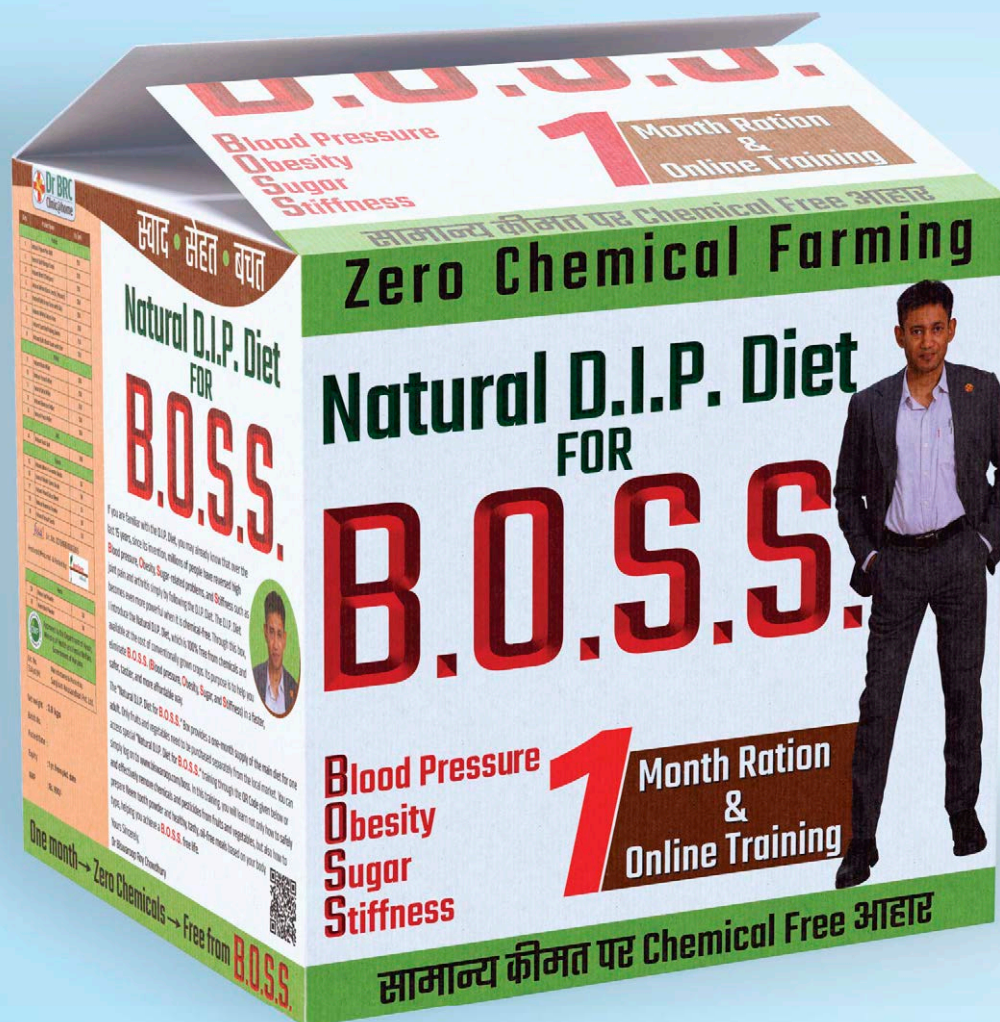
National Helpline Number: 9312286540

WhatsApp: 9560979433

Head Office:

413A, Sec-68, HSIIDC, IMT, Faridabad (Haryana)-India

Pure • Natural • Chemical-Free
— Now at Kirana shop prices



To buy, visit:

www.biswaroop.com/shop

Also available at:

amazon.in

Flipkart



meesho

हमारे रिकॉर्ड धारकों की मीडिया कवरेज



हमारी जनसंपर्क सेवाएं लेने के लिए हमें इस पते पर ई-मेल करें:
media@indiabookofrecords.in

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स
413ए, सैक्टर-68, HSIIDC, आईएमटी,
फरीदाबाद, हरियाणा, भारत-121004
फोन: +91-9999436779, +91-129-2510534
ई-मेल: media@indiabookofrecords.in
www.indiabookofrecords.in



India
Book of Records
Extraordinary feats... Extraordinary people

[f IndiaBookofRecords](#) [X IndiaBookRecord](#) [y IndiaBookofRecords](#) [in IndiaBookofRecords](#) [@ IndiaBookofRecords](#)

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स भारत सरकार के आरएनआई कार्यालय में संख्या HARENG/2010/32259 से पंजीकृत है।

यह एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से संबद्ध है और नेशनल रिकॉर्ड बुक्स, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम में आयोजित मुख्य संपादकों की बैठक में हुए सर्वसम्मत निर्णय के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल का पालन करती है।